खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 02 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-153

तेलंगाना...

10 वर्षीय त्यौहारिक उत्सव

जनता का तेलंगाना, 11वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है

प्रगति के नए युग की शुरूआत.

तेलंगाना स्थापना दिवस उत्सव

2 जून, 2024

जय जयहे तेलंगाना...
जननी जय केतनम...

जारीकर्ता : विशेष आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, तेलंगाना सरकार

कार्यक्रम

उत्सव नई ऊँचाई पर पहुँचेगा :

टैंकबंड सायं 5:00 बजे से

लेज़र शो, फायरवर्क्स, कार्निवल एवं

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए भव्य स्थान होगा

सभी आमंत्रित हैं...

माननीय मुख्यमंत्री

श्री ए. रेवंत रेड्डी गारु

सुबह 9:30 बजे **गन पार्क शहीद स्तुप पर श्रद्धांजलि अर्पित** करेंगे

परेड ग्राउंड में सुबह 10:00 बजे **राष्ट्रीय ध्वज फहराएँगे** और

गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार करेंगे

तेलंगाना स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर तेलंगाना की जनता को बधाई एवं स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ध्यान साधना पर उठते मूर्खाना सवाल

यह देश और संस्कृति की एकात्मता का ध्यान है

◆ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछली बार की तरह ही इस बार भी चुनाव प्रचार समाप्त होते ही ध्यान साधना के लिए चले गए। हम सभी जानते हैं कि पहले उन्होंने उत्तराखंड के केदारनाथ की रुद्र गुफा को अपनी ध्यानस्थली के रूप में चुना था और इस बार वे तमिलनाडु राज्य में कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यानमग्न होने पहुंचे। यानी प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के हिमालय के उस क्षेत्र में जहां आद्य गुरु शंकराचार्य ने साधना की से लेकर सुदूर कन्याकुमारी जहां आधुनिक ऋषि विवेकानन्द की तपोस्थली है, वहां स्वयं की साधना के लिए स्थान तय किया।

आश्चर्य होता है यह जानकर कि प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत कामना और निज से जुड़े बेहद आध्यात्मिक प्रसंग को भी भारत जैसे सर्वपंथ सद्भाव वाले देश में कई लोगों द्वारा नकारात्मक रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके उदाहरण स्वरूप मीडिया में चल रहीं कई अंतहीन बहसों में इंडी गठबंधन से जुड़े नेता प्रधानमंत्री के इस निजी प्रसंग को भी राजनीतिक चश्में से देख रहे हैं और उनकी भरपूर आलोचना कर रहे हैं। क्या विपक्ष का यह रवैया सही है? आइए इस विषय पर कुछ गहन चर्चा करें; प्राचीन ग्रंथ बृहस्पति-आगम में भारत के भू-भाग को एक श्लोक में बहुत ही सुंदर ढंग से समझाया गया है-

हिमालयात् समारभ्य यावत् इन्दु सरोवरम्।
तं देवनिर्मितं देशं हिन्दुस्थान प्रचक्षते।।

इसका अर्थ है, हिमालय से प्रारंभ होकर इन्दु सरोवर (हिन्द महासागर) तक यह देव निर्मित देश हिन्दुस्थान कहलाता है। इस श्लोक की साधारण व्याख्या आगे स्वातंत्र्यवीर सावरकर ने अपने अंदाज में बहुत सरल एवं आवश्यक व्याख्या की है। वे लिखते हैं -

आसिन्धुसिन्धुपर्यंता यस्य भारतभूमिका।
पितृभूः पुण्यभूश्चैव स वै हिन्दुरिति स्मृतः।।

तात्पर्य है कि सिन्धु नदी के उद्गमस्थान से कन्याकुमारी के समुद्रतक (विस्तृत भूभाग को) भारत भूमि को जो पितृ भूमि (मातृ भूमि) और पुण्य भूमि मानते हैं, उन्हें हिन्दू कहते हैं। 1923 में प्रकाशित सावरकर की रचना एसेंशियल ऑफ हिन्दुत्व अस्तित्व में आई। उन्होंने इस पुस्तक में भारत वर्ष में रहनेवाले लोग कौन हैं इस पर गहराई से प्रकाश डाला है।

जो भारत को अपना सर्वस्व माने, वह हिन्दू है

पुस्तक का सारतत्व यह है कि हिंदू वह है, जो सिंधु से सिंधुपर्यन्त समुद्र तक फैले हुए इस देश को अपने पूर्वजों की भूमि के रूप में अपनी पितृभूमि (पितृभु), मानकर पूजता हो; जिसके शरीर में उस महान जाति का रक्त प्रवाहित हो रहा हो जिसका मूल वैदिक सप्तसिंधुओं में सर्वप्रथम दिखाई देता है और जो कुछ भी इसमें शामिल था उसको आत्मसात करते हुए तथा जो भी शामिल था उसको और बेहतर योग्य करते हुए संसार में हिंदू नाम से विख्यात हुई; और जो हिन्दुस्तान को अपनी पितृभूमि (पितृभु) और हिन्दू जाति को अपनी जाति मानने के कारण उस हिन्दू संस्कृति को अपनी विरासत मानता है और दावा करता है जो मुख्य रूप से उनकी सामान्य पारंपरिक भाषा, संस्कृत में व्यक्त की जाती है और एक साझा इतिहास, एक साझा साहित्य, कला और वास्तुकला, कानून और न्यायशास्त्र, संस्कारों और रिवाजों, समारोहों और धार्मिक उत्सवों, मेलों और त्योहारों द्वारा प्रकट होती है; और सबसे बढ़कर इस भूमि को, इस अपनी पवित्र भूमि (पुण्यभु) के रूप में संबोधित करता है, और इसे धर्मप्रर्वतकों की भूमि के रूप में, अपने ईश्वर और गुरुओं की तथा धर्मपरायणता और तीर्थभूमि के रूप में देखता है।

एसेंशियल ऑफ हिन्दुत्व में सावरकर जोर देकर कहते हैं कि ये हिंदुत्व की अनिवार्यताएं हैं- एक साझा राष्ट्र (राष्ट्र), एक साझा नस्ल (जाति), और एक साझा सभ्यता (संस्कृति)। इन सभी आवश्यक बातों को समेटकर, संक्षेप में यह कहकर प्रस्तुत किया जा सकता है कि एक हिंदू वह है जिसके लिए सिंधुस्थान न केवल पितृभूमि (पितृभु) है, बल्कि पवित्र भूमि (पुण्यभू) भी है। हिन्दू शब्द पर की गई इस व्याख्या से इतना तो स्पष्ट हो जाता है कि किसी भी पंथ, मजहब, धर्म, विचार को माने या न मानें कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन भारत-भू को अपना सर्वस्व माननेवाला यहां निवासरत प्रत्येक मनुष्य हिन्दू है। क्योंकि उसकी पुण्यभूमि और जन्म भूमि भारत है और उसके पुरखे भी समान हैं।

अब प्रधानमंत्री मोदी यहां क्या कर रहे हैं? वे अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित ज्ञान परंपरा के तमाम केंद्रों पर लगातार जा रहे हैं। जो भारत की मूल सांस्कृतिक पहचान हैं, उस पहचान के आधुनिक विस्तार में आज प्रधानमंत्री मोदी अपना (राजनीतिक, आर्थिक समाजिक, धार्मिक) हरसंभव योगदान दे रहे हैं। पिछले 10 सालों में सत्ता में रहते हुए उन्होंने एक ओर आधुनिक भारत के लिए जरूरी सभी आवश्यकताओं को अपरिहार्य रूप से पूरा करने के लिए अपना संकल्प दिखाया है तो दूसरी ओर भारतीय ज्ञान परंपरा के वाहक स्तम्भों को कैसे और अधिक

विस्तार दिया जा सकता है उस दिशा में कार्य किया है।

वर्तमान में जिस स्वामी विवेकानन्द को समर्पित विवेकानंद रॉक मेमोरियल की बात हो रही है, उसे विवेकानंद स्मारक मन्दिर बनाने का श्रेय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तपस्वी साधक एकनाथ रानडे को जाता है। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह रहे। इसे बनाने के लिए लगभग 73 हजार विशाल प्रस्तर खण्डों को समुद्र तट पर स्थित कार्यशाला में कलाकृतियों से सज्जित करके समुद्री मार्ग से शिला पर पहुंचाया गया। इनमें कितने ही प्रस्तर खण्डों का भार 13 टन तक था। स्मारक के निर्माण में लगभग 650 कारीगरों ने 2081दिनों तक रात-दिन श्रमदान किया था। कुल मिलाकर 78 लाख मानव घंटे इस तीर्थ की प्रस्तर काया को आकार देने में लगे और इस तरह से यह 2 सितम्बर, 1970 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डा. वी.वी. गिरि एवं तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि की अध्यक्षता में आयोजित एक विराट समारोह के माध्यम से पूरी दुनिया के प्रकाश में आया।

इतिहास हमें बहुत कुछ दिखाता और सिखाता है। आज देश अपनी उस महारानी की 300 वां जन्म जयंती वर्ष मना रहा है, जोकि एक सामान्य परिवार में जन्म लेकर होल्कर साम्राज्य की सर्वेसर्वा बनीं, न सिर्फ इस पद पर रहीं बल्कि पद की शोभा उन्होंने इस प्रकार से बढ़ा दी थी कि सांस्कृतिक भारत के पुनर्निर्माण में उन्होंने अपने समय में जो योगदान दिया, उसकी वर्तमान में जितनी भी गहराई में जाकर समीक्षा की जाएगी तो वह भी कम होगी। पुण्यश्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सारे देश को परिचित होना चाहिए, यह अपने काल के हर वर्तमान और भविष्य की बेहद अहम जिम्मेदारी है। इसलिए उनके जन्म के 300 साल बाद ही सही पूरा देश अखिल भारतीय स्तर पर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति का गठन कर उन्हें याद कर रहा है।

आप यह अवश्य सोच सकते हैं कि जिस प्रकार वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कुछ भी करना आसान नहीं रहता है, वैसे ही तत्कालीन समय में देवी अहिल्याबाई के लिए भी कुछ कर पाना सरल तो बिल्कुल भी नहीं रहा होगा। रानी अहिल्याबाई को अपने समय में कितना यश एवं समर्थन मिला यह अपनी जगह है, यहां इन दो उदाहरणों से समझ भी सकते हैं, सोचिए; जिस महारानी के वैधव्य प्राप्त होने के कठिन समय के उपरान्त भी आगे 30 वर्ष तक कुशलता से मालवा में अपने साम्राज्य का संचालन किया हो।

जिन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित हिंदवी स्वराज्य व उनकी कल्पनाओं के अनुरूप सनातन हिन्दू धर्म के आदर्शों एवं न्याय सिद्धान्तों के आधार पर लोक कल्याणकारी राज्य व्यवस्था को साकार रूप दिया हो, वह देवी अहिल्याबाई के जन्म स्थान के नाम को उनके नाम से पहचान मिले इस कार्य को करने के लिए भी भारत वर्ष में 300 वर्षों तक का इंतजार करना पड़ा है। यह एक अलग संयोग है कि कभी किसी शिंदे परिवार में जन्म लेनेवाली बेटी अहिल्या को अपने घर का नाम अपने नाम पर महाराष्ट्र की राजसत्ता मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों में रहते हुए मिला है।

दूसरा उदाहरण धार का है। जहां राजाभोज ने अपनी निर्माण कराई गई भोजशाला में वाग्देवी को विराजमान करते हुए ज्ञान का एक वृहद विश्वविद्यालय स्थापित किया था, कालान्तर में वह कब कमाल मौला मस्जिद में बदल गया कुछ पता ही नहीं चला। धार में 1000 से 1055 ईस्वी तक परमार वंश के समय राजा भोज ने यहां शासन किया। भोज सरस्वती देवी के अनन्य भक्त थे, इसलिए उन्होंने 1034 ईस्वी में यहां पर जिस ज्ञान मंदिर की स्थापना कराई वह भोजशाला के नाम से विख्यात हुई।

1305 ईस्वी में अलाउद्दीन खिलजी ने भोजशाला को ध्वस्त कर दिया। बाद में 1401 ईस्वी में दिलावर खान गौरी ने भोजशाला के एक हिस्से में मस्जिद बनवा दी। इसके बाद 1514 ईस्वी में महमूद शाह खिलजी ने दूसरे हिस्से में भी मस्जिद बनवा दी। फिर जब 1875 में यहां पर खुदाई की गई थी। तब इस खुदाई में सरस्वती देवी की एक प्रतिमा पाई गई जिसे मेजर किनकेड नाम का अंग्रेज लंदन ले गया और तब से यह प्रतिमा लंदन के संग्रहालय को अपनी दिव्यता प्रदान कर रही है।

यहां कोई यह अवश्य पूछ सकता है कि इस संपूर्ण घटना से देवी अहिल्याबाई का क्या संबंध है? तो कहना होगा कि संबंध बहुत गहरा है। क्योंकि जिस समय रानी अहिल्याबाई मालवा के सिंहासन पर बैठी थीं, तब भी धार, भोजशाला इस्लामिक आक्रान्ताओं के आतंक से पीड़ित थी। ऐसे में रानी चाहती तो भोजशाला के निवारण में अपनी पूरी ऊर्जा लगा देती, लेकिन इसके उलट रानी अहिल्या ने अपने लिए दूसरा मार्ग चुना। सबसे पहले उन्होंने सांस्कृतिक भारत के पुनर्जागरण के लिए देशव्यापी यात्रा को अपने कार्य का आधार बनाया।

विदेशी आक्रमणकारियों और मुगल साम्राज्य के कारण ध्वस्त हो चुके, भारत के तीर्थ स्थलों के पुनर्निर्माण करने का उन्होंने संकल्प लिया। ऐसा करने के पीछे सिर्फ उनका उद्देश्य मात्र पुण्य लाभ प्राप्त करना नहीं लगता है, अपितु भारत की अस्मिता को पुनर्स्थापित करने की उसकी मंशा नजर आती है। समस्या सिर्फ इस्लाम, मुगल या अंग्रेज, डच, फ्रांसीसी, पुर्तगालियों के भारत आक्रमण की नहीं थी, इससे बड़ा जो कार्य होना था, वह था भारत के स्व का जागरण।

वे मानती थीं कि भारत की एकात्मता में तीर्थ यात्राओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है, किंतु तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं एवं सुरक्षा के अभाव के कारण देश भर से आने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या निरंतर घट रही है। तीर्थ स्थल भी उजाड़ तथा वीरान हो चुके हैं। जैसे कभी आद्य गुरु शंकराचार्य ने प्राचीन मंदिरों की पुनर्प्रतिष्ठा आवश्यकता पड़ने पर स्वयं से मंदिरों में सफाई अभियान और पुनर्निमाण कराकर आरंभ की थी, वैसे ही अहिल्या बाई के समय में हिन्दू तीर्थ स्थलों के जागरण का कार्य आरंभ होता दिखा।

उन्होंने देश के 100 से अधिक बड़े तीर्थ स्थलों पर धर्मशालाओं, अन्नक्षेत्रों तथा जल संरचनाओं का निर्माण करवाया। दुर्दशा को प्राप्त हो चुके काशी विश्वनाथ तथा सोमनाथ मंदिर का भी पुनरुद्धार करवाया। जिसमें कि काशी में ज्ञानवापी का मसला उन्होंने धार की तरह ही आनेवाली पीढ़ियों के लिए छोड़ दिया, ताकि भविष्य का सनातन शक्ति सम्पन्न भारत इसके समाधान का अपना मार्ग खोजे। फिर भी यह एक तथ्य है कि इतनी बड़ी संख्या में इतने अधिक स्थानों पर और इतने बड़े क्षेत्र में करवाए गए निर्माण कार्य का यह विश्व में एकमात्र उदाहरण है।

देवी अहिल्याबाई द्वारा करवाए गए इन निर्माणों को भारत के मानचित्र पर देखने पर हम उनकी अखिल भारतीय दृष्टि से भी परिचित होते हैं। यह तीर्थ स्थान दक्षिण में रामेश्वरम से लेकर उत्तर में केदारनाथ तक तथा पश्चिम में सोमनाथ से लेकर पूर्व में जगन्नाथपुरी तक देखने को मिलते हैं। इतना ही नहीं अहिल्याबाई दूसरे स्वरूप में महिला सशक्तिकरण के आवश्यक तत्वों में स्त्रीशिक्षा तथा स्वावलंबन के लिए अनेक सफल प्रयास करती हुई दिखाई देती हैं। इस्लामी शासकों के कारण हिंदू समाज में आए दोष जैसे सतीप्रथा, दहेज, स्त्री को बाहर न निकलने देना आदि से भी मुक्ति दिलाने के लिए उन्होंने प्रयास आरंभ कर दिए थे। महेश्वर का साड़ी उद्योग उनकी दूर दृष्टि व कुशल प्रबंधन का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने युद्धों में हताहत सैनिकों की स्त्रियों के स्वावलंबन के लिए कौशल विकास, उत्पादन एवं उनके विपणन तथा ब्रांडिंग का उत्तम प्रबंध किया।

कहना होगा कि देवी अहिल्याबाई ने जो किया वह आज से 280 साल पूर्व में सफलता के साथ आरंभ किया था। वही कार्य आज दूसरे अर्थों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21वीं सदी में करते हुए दिखाई देते हैं। उनके बीते दस साल के शासन काल में आप देखिए कि कैसे भारत के प्राचीन नगरों एवं पूजा स्थलों का जीर्णोद्धार हो रहा है। वे भारत की आध्यात्मिक चेतना को एक सूत्र में पिरोते हुए दिखाई देते हैं। आलोचना करनेवाले जो भी कहें, किंतु इस बात को क्या कोई नकार सकता है कि सांस्कृतिक भारत के पुनर्निमाण में प्रधानमंत्री मोदी का योगदान

लोकतंत्रात्मक शासन प्रणाली में अभी तक की सभी सरकारों के कार्यकाल में सबसे अधिक रहा है।

आप देखिए; प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखंड जाते हैं, फिर वहां विकास का एक नया दौर शुरू होता दिखता है। वे वाराणसी बाबा विश्वनाथ से होते हुए सारनाथ, विंध्यवासिनी, वहां से बोधगया, नालंदा तक संदेश देते हुए उज्जैयनी के महाकाल लोक में आते हैं और रामपथ गमन का संपूर्ण मार्ग प्रशस्त करते हैं! फिर ओंकारेश्वर होते हुए दक्षिण भारत, गुजरात, पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करते-करते प्रधानमंत्री मोदी जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी तक संपूर्ण भारत को उसकी प्राचीन आध्यात्मिक देव परंपरा के साथ एक नए सिरे से जोड़ते हुए दिखाई देते हैं। जिसमें विकास भी है, रोजगार भी है, आध्यात्म भी है और शांति भी है।

प्रधानमंत्री मोदी जब धोती और सफेद शाल ओढ़े कन्याकुमारी के भगवती अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं, तब तक इस मंदिर के बारे में देश में कितने लोग थे जो जानते थे कि यह सभी कामनाओं को पूरा कर देनेवाले मंदिर के रूप में स्थानीय स्तर पर अपनी ख्याति रखता है। इसके बाद रॉक मेमोरियल पहुंचकर वे ध्यान मंडपम में अपना ध्यान शुरू कर देते हैं। अब पूरे विश्व में पिछले कई दिनों से प्रधानमंत्री द्वारा ध्यान किए जा रहे विवेकानन्द रॉक मेमोरियल को ही सर्च किया जा रहा है।

विवेकानंद रॉक मेमोरियल का स्थान स्वामी विवेकानंद के जीवन से उसी तरह से जुड़ा हुआ है, जिस तरह से गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था। संपूर्ण देश का भ्रमण करने के बाद स्वामी विवेकानंद के ध्यान में भारत माता के विकसित स्वरूप का दर्शन उन्हें यहीं हुआ था। अत: आज आप स्वयं देख सकते हैं कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षेत्र में

वैश्विक पर्यटन को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ाने की दिशा में काम कर दिया है। यदि आप

आध्यात्मिक एवं धार्मिक पर्यटन से जुड़े आंकड़े देखेंगे तो चौंक जाएंगे, क्योंकि यह सच है कि जहां भी प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे हैं, वहां बहुत अधिक आर्थिक ग्रोथ हुई है और निरंतर हो रही है।

जेफरीज नामक एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज कम्पनी ने बताया है कि अयोध्या में निर्मित प्रभु श्रीराम के मंदिर से भारत की आर्थिक सम्पन्नता बढ़ने जा रही है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन दो लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसी तरह से तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हैं। इन सभी को देखकर कहा जा सकता है कि भारत में मंदिर प्राचीन काल से ही वाणिज्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और सामाजिक जीवन का केंद्र रहे हैं। यहीं पर लोग स्वास्थ्य, धन, संतान, किसी विशिष्ट बाधा को दूर करने या यहां तक कि किसी मूल्यवान वस्तु की प्राप्ति के लिए देवी-देवताओं से प्रार्थना करने आते हैं।

मिनेसोटा विश्वविद्यालय के बर्टन स्टीन ने 1960 में इस पर द इकोनॉमिक फंक्शन ऑफ ए मिडीवल साउथ इंडियन टेम्पल नाम से एक मौलिक पेपर लिखा था, जो द जर्नल ऑफ एशियन स्टडीज में प्रकाशित हुआ। इसके निष्कर्ष कहते हैं कि कुछ मायनों में, तीर्थयात्रा मार्गों के साथ-साथ पर्यटन-समृद्ध आर्थिक क्षेत्रों का विकास, व्यापक शोध से उपजा है, जिससे पता चला है कि पूरे भारतीय इतिहास में तीर्थस्थल महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र थे।

एनएसएसओ (राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन) के मुताबिक 55 प्रतिशत हिंदू, धार्मिक यात्राओं में अपने यात्रा व्यय का 50 प्रतिशत हिस्सा खर्च कर देते हैं। एनएसएसओ सर्वेक्षण के अनुसार, मंदिर की अर्थव्यवस्था 3.02 लाख करोड़ रुपये या लगभग 40 अरब डॉलर और जीडीपी का 2.32 प्रतिशत है। वास्तव में, यह बहुत बड़ा हो सकता है। फूल, तेल, दीपक, इत्र, चूड़ियां, सिन्दूर, चित्र और पूजा के कपड़े सभी शामिल हैं। असुरक्षित अनौपचारिक श्रम का विशाल बहुमत इसे प्रेरित करता है। यह अनुमान लगाया गया है कि अकेले यात्रा और पर्यटन उद्योग भारत में 80 मिलियन से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिसमें साल-दर-साल 19 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर और अकेले पिछले वर्ष में 234 बिलियन डॉलर से अधिक का राजस्व है।

आज आप दुनिया के अन्य देशों के आंकड़े उठाकर देख लीजिए; विश्व के कई देश धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटेकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है।

अब इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्या सोचते हैं, वह भी हमें जानना चाहिए, उन्होंने एक वेबिनार इस बात पर जोर देते देखा गया कि भारत में रामायण सर्किट, बुद्ध सर्किट, कृष्णा सर्किट, पूर्वोत्तर सर्किट, गांधी सर्किट और सभी संतों के तीर्थों पर काम होना चाहिए। सदियों से जनता द्वारा की गई विभिन्न यात्राओं का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि कुछ लोग सोचते हैं कि पर्यटन उच्च आय वाले समूहों के लिए एक फैंसी शब्द है, लेकिन यह सदियों से भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन का हिस्सा रहा है, और लोग यात्रा करते थे। तीर्थयात्रा पर तब भी जब उनके पास कोई संसाधन नहीं था। चार धाम यात्रा, द्वादश ज्योतिर्लिंग यात्रा और 51 शक्तिपीठ यात्रा हमारी आस्था के स्थानों से जुड़ने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को भी मजबूत करती है। देश के कई प्रमुख शहरों की पूरी अर्थव्यवस्था इन यात्राओं पर निर्भर थी। लेकिन समय के साथ इस क्षेत्र में बहुत क्षति देखने को मिलती है, जिसका मूल कारण सैकड़ों वर्षों की गुलामी और स्वाधीनता के बाद के दशकों में इन स्थानों की राजनीतिक उपेक्षा है।

प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं, आज का भारत इस स्थिति को बदल रहा है, सुविधाओं में वृद्धि से पर्यटकों का आकर्षण बढ़ता है। नवीनीकरण से पहले, वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम में एक साल में लगभग 80 लाख लोग आते थे, लेकिन पिछले साल पर्यटकों की संख्या 7 करोड़ से अधिक हो गई। केदारघाटी में पुनर्निर्माण कार्य पूरा होने से पहले केवल 4-5 लाख भक्तों ने बाबा केदार के दर्शन किये थे। इसी तरह, गुजरात के पावागढ़ में मां कालिका के दर्शन के लिए 80,000 तीर्थयात्री आते हैं, जो नवीकरण से पहले 4,000 से 5,000 तक था। सुविधाओं के विस्तार का सीधा असर पर्यटकों की संख्या पर पड़ता है और अधिक पर्यटकों का मतलब है रोजगार और स्वरोजगार के अधिक अवसर। इसलिए आज जो भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ध्यान साधना पर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं, उनके लिए अच्छा होगा कि वे मंदिर और तीर्थाटन के व्यापक महत्व को गहराई से समझें।

जेवियर की दुष्टता का शालीन उत्तर है विवेकानंद शिला स्मारक

◆ अनुपम कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव 2024 का 7वां और अंतिम चरण का प्रचार-प्रसार खत्म होने के बाद तमिलनाडु के कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद शिला स्मारक में 45 घंटे की तपस्या कर रहे हैं। इस दौरान वो निराहार और मौन हैं। यह वही जगह है जहां कभी मां कन्याकुमारी ने तपस्या की थी, आज भी उनके चरण-चिह्न यहां हैं। विवेकानंद तैर कर समुद्र में स्थित इस शिला पर पहुंचे थे और यहां ध्यान किया था। यहीं उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ और भारत माता का विचार उनके मन में आया।

क्या आपको पता है जब सन् 1962 में विवेकानंद के नाम पर यहां स्मारक बनवाने का विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शुरू किया, तब उसका ईसाइयों ने खासा विरोध किया था। ईसाई इसे सेंट जेवियर के नाम पर पहचान देना चाहते थे। यही कारण है कि उन्होंने यहां एक बड़ा क्रॉस लगा दिया था, शिलालेख फेंक दिया था और ईसाई नाविकों ने निर्माण कार्य का बहिष्कार कर दिया था। इस कारण केरल से नाविक बुलाने पड़े थे। ईसाईयों के आतंक के कारण यहां धारा-144 लगानी पड़ी थी।

लेकिन, संघ के सरकार्यवाह एकनाथ रानडे ने काम अपने हाथ में लिया और इसे संपन्न कराया। 1964 में इसका निर्माण शुरू हुआ और 1970 में इसका उद्घाटन हुआ। जवाहरलाल नेहरू सरकार में संस्कृति मंत्री हुमायूं कबीर को लगता था कि इस स्मारक के बनने से इस जगह की प्राकृतिक सुंदरता कम हो जाएगी। लेकिन, उन्हें भी किसी तरह मनाया गया। इस प्रकार, भारत सेंट फ्रांसिस जेवियर के नाम पर एक हिन्दू स्थली के अतिक्रमण से बच गया और इसका नाम देश भर में गूंज रहा है।

भारत पहुंच कर हिन्दुओं पर अत्याचार करके और उन्हें फंसा कर उनका धर्मांतरण कराने वाला फ्रांसिस जेवियर कौन था, आइए बताते हैं। यहां हम हिन्दुओं और भारत को लेकर उसकी सोच की बात करेंगे। वो 16वीं शताब्दी में भारत आया था। उसने भारत से जो पत्र भेजे थे, उससे उसके विचारों और उसकी सोच के बारे में पता चलता है। एक पत्र में उसने लिखा था कि अगर ईसाई मजहब में कुछ ऐसे लोग होते जो अपने फायदे की सिर्फ नहीं सोचते, तो काफिरों की एक बड़ी संख्या को हिन्दू बनाया जा सकता था।

भारत को गोवा को इसे धर्मांतरण का अड्डा बनाने वाले फ्रांसिस जेवियर ने ये प्रार्थना करने के लिए कहा था कि यूरोप से और भी ईसाइयों को यहां अपना मजहब फैलाने के लिए भेजा जाना चाहिए। उसने गोवा में एक कॉलेज खोला, उसमें मूर्तिपूजक युवकों को भर्ती कर के उन्हें लैटिन सिखाया जाता था, फिर ईसाई मजहब की शिक्षा दी जाती थी। सांता फे नामक इस कॉलेज में 500 छात्रों के बैठने की व्यवस्था की, इसके संचालन के लिए धन की कोई कमी नहीं थी।

फ्रांसिस जेवियर हिन्दुओं को मूर्तिपूजक, काफिर या विधर्मी कह कर संबोधित करता था। उसने उस पत्र में अपने इस कॉलेज का जिक्र करते हुए आशा जताई थी कि इससे निकले छात्र पूरे भारत में ईसाई मजहब को फैलाएंगे। इसी पत्र में उसने बताया है कि मूर्तिपूजक समुदाय का एक वर्ग है जिसे ब्राह्मण कहते हैं, वो देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, धर्म के अंधविश्वासी अनुष्ठान करते हैं, मंदिरों व प्रतिमाओं की देखभाल करते हैं। उसने ब्राह्मणों के लिए दुनिया का सबसे विकृत और दुष्ट समाज जैसी आपत्तिजनक शब्दावली का प्रयोग किया है।

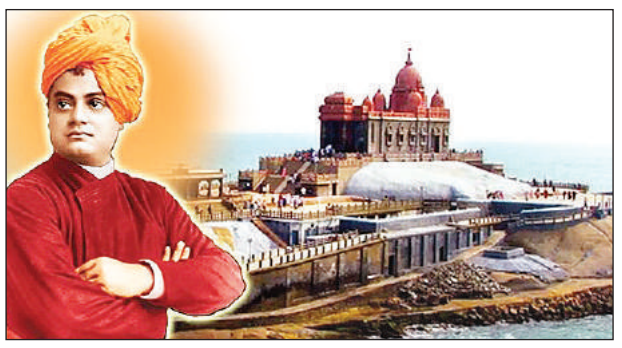

फ्रांसिस जेवियर ब्राह्मणों से इतना क्षुब्ध था कि उन्हें उसने झूठा और धोखेबाज तक करार दिया। इसका कारण यह था कि उसका मानना था कि अगर ब्राह्मणों का विरोध होता तो वो पूरे क्षेत्र को ईसा मसीह का अनुयायी बना देता। इसीलिए, उसने एक सदाचारी ब्राह्मण का धर्म-परिवर्तन करा के बच्चों को ईसाई मजहब की शिक्षा देने का काम सौंप दिया। एक बार एक पत्र में उसने एक घटना का जिक्र किया था। वो एक मंदिर में घुस गया था जहा 200 श्रद्धालु जमा थे और वहां जाकर ईसाई मजहब के बारे में उन्हें बताने लगा।

सन् 1542 में जेवियर लिखता है कि उसके तर्कों से लोग खुश हुए और उससे कई सवालों के जवाब पूछा। इस दौरान उसने हिन्दू देवी-देवताओं की प्रतिमाओं पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए लिखा है कि भारतीय स्वयं काले हैं इसीलिए उनके देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी काली होती हैं, और उनमें इतना तेल लगाया जाता है कि वो दुर्गन्ध देती हैं। उसने इन प्रतिमाओं के लिए घृणित, बदसूरत और भयानक जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। उसका जोर खासतौर पर विद्वान ब्राह्मणों को मित्र बना कर हिन्दू धर्म को नीचा दिखाना और ईसाई मजहब को श्रेष्ठ दिखाने पर था।

फ्रांसिस जेवियर के इन पत्रों को पढ़ने से ये भी मालूम होता है कि उसने मछुआरों के बच्चों का गलत इस्तेमाल किया। उन्हें क्रॉस पहना कर ईसाई मजहब की शिक्षा दी, फिर माता-पिता द्वारा आपत्ति जताने की स्थिति में इन बच्चों को अपने अभिभावकों से ही लड़ाई-झगड़ा करने के लिए सिखाया जाता था, मंदिरों को ध्वस्त करने के लिए इन बच्चों का इस्तेमाल किया जाता था। बताया जाता है कि सन् 1545 के मई-जून में उसने मात्र एक महीने में 10,000 लोगों का त्रावणकोर में ईसाई धर्मांतरण कराया था।

त्रावणकोर के तत्कालीन राजा, जो कि पुर्तगाल का दोस्त था, उससे अनुमति लेकर फ्रांसिस जेवियर ने तेज़ी से ईसाई धर्मांतरण का कार्य शुरू किया और गांव-गांव घूमने लगा। मंदिरों को गिरा दिया जाता था, प्रतिमाओं के टुकड़े-टुकड़े कर कर दिए जाते थे। त्रावणकोर में उसने एक साल में 45 चर्च स्थापित किए। राजा से उसे धन भी प्राप्त होता था। जनवरी 1545 में उसने कोचीन से जो पत्र लिखा था, उससे भारतीयों को लेकर उसकी सोच के बारे में और स्पष्ट पता चलता है।

उसने लिखा है, जब सभी बपतिस्मा ले लेते हैं, तो मैं उनके झूठे देवताओं के सभी मंदिरों को नष्ट करने और सभी मूर्तियों को टुकड़े-टुकड़े करने का आदेश देता हूं। मैं आपको यह नहीं बता सकता कि यह सब होते हुए देखकर मुझे कितनी खुशी हो रही है, उन लोगों द्वारा मूर्तियों को नष्ट होते हुए देखना जो हाल ही में उनकी पूजा करते थे। मैं सभी शहरों और गांवों में ईसाई धर्म के सिद्धांतों को स्थानीय भाषा में लिखकर छोड़ता हूं और साथ ही यह भी बताता हूं कि सुबह और शाम के स्कूलों में इसे किस तरह पढ़ाया जाना चाहिए।

बपतिस्मा कराते-कराते फ्रांसिस जेवियर कई बार थक जाता था, क्योंकि वो पूरे के पूरे गांव को ईसाई बना देता था। वो बच्चों का धर्मांतरण करा के उन्हें मंदिरों में ले जाता था और उनसे गाली बकवाता था। इन बच्चों का इस्तेमाल वो मूर्तियों को गिराने, उन्हें तोड़ने, उन पर थूकने और उन्हें रौंदने के लिए करता था। मूर्तियों पर बच्चों से लात मरवाता था। कलाकारों के पास जा-जा कर उन्हें मूर्तियां गढ़ने से मना किया जाता था। सोचिए, इस जेवियर का नाम अगर कन्याकुमारी में गूंज रहा होता तो हम भारतीय संस्कृति से कितनी दूर खड़े होते।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कन्याकुमारी जाना देश की संस्कृति एकता को बनाए रखने, हमें अपने विरासतों को पहचानने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ाने में भी मदद करेगा। लोग स्वामी विवेकानंद के बारे में अधिकाधिक पढ़ेंगे, मां कन्याकुमारी की कथा के बारे में जानेंगे और साथ ही ये भी जानेंगे कि कैसे तमिलनाडु की कन्याकुमारी हो या असम की कामाख्या, गुजरात की अंबा देवी हो या फिर बंगाल की काली सनातन धर्म एक है और भारत की एकता को एक सूत्र में बांधता है।

Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 02 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-153

शाहीनबाग षडयंत्र, दंगा, किसान आंदोलन और अब मतगणना के बाद...

नेपथ्य में कुछ चल रहा है, कुछ पक रहा है

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

यूट्यूबर अजीत अंजुम के चैनल पर खुद को पत्रकार बताने वाली नीलू थॉमस व्यास ने कुछ ऐसे दावे किए हैं, जो डराने वाले हैं। खुद को मॉब लिंचिंग का विरोधी बता कर मॉब को गाली देने वाला गिरोह अब लोकतंत्र के बजाय भीड़तंत्र पर भरोसा दिखा रहा है, अराजकता के लिए समाज को सुलगा रहा है। ये कोई नई बात नहीं है, शाहीनबाग और किसान आंदोलन का षडयंत्र देखें या विदेश में राहुल गांधी द्वारा दिए गए भारत-विरोधी बयानों को भी देखें तो स्पष्ट पता चलता है कि इसके पीछे एक नियोजित तरीके से बुना हुआ पैटर्न है।

जैसा कि पूरे देश और दुनिया को पता है कि मंगलवार 4 जून 2024 को लोकसभा चुनाव की मतगणना होनी है और इसकी पूरी संभावना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौट कर आएंगे। विपक्ष ने इंडी गठबंधन तो बनाया, लेकिन नीतीश कुमार का जनता दल (यू), जयंत चौधरी का राष्ट्रीय लोक

दल (रालोद) और ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा गठबंधन से बाहर निकल आई। विपक्षी नेताओं में शायद ही किसी को जमीन की खाक दर खाक छानते हुए देखा गया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 200 से अधिक रैली और रोड-शो किए और 80 से अधिक मीडिया संस्थानों को इंटरव्यू दिया।

नीलू व्यास थॉमस वीडियो में कह रही है कि विपक्ष के जितने भी मतगणना एजेंट्स होंगे उन सबको इस बात का प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि एग्जिट पोल्स से कैसे निपटा जाए। इसकी पूरी तैयारी की जा रही है। उनका कहना है कि इसके अलावा एक बड़े जन-आंदोलन की तैयारी की जा रही है कि वोटों की चोरी का वितंडा खड़ा किया जाए और इसे लेकर सड़क से कोर्ट तक जाया जाए और चुनाव रद्द कराने की मांग उठाई जाए। यानी, स्पष्ट है कि अगर विपक्ष हारा तो वह लोकतंत्र के इस महापर्व को खारिज करने की तैयारी में है। आज दिल्ली में हो रही विपक्ष की बैठक में कुछ ऐसी ही रणनीति बनाने पर मगज खपाया गया। बताया भले ही नहीं गया।

विपक्षी गठबंधन से जुड़ी पार्टयां पोलिंग एजेंटों को भी खास प्रशिक्षण दे रही हैं।

▶8पर

स्टिंग दबाने पर राजदीप को मिला था पद्मश्री

दूरदर्शन न्यूज़ के एंकर अशोक श्रीवास्तव ने इंडिया टुडे के कंसल्टिंग एडिटर राजदीप सरदेसाई को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि जब वे टीवी पत्रकार नहीं थे तब राजदीप सरदेसाई की तरह बनने की कल्पना करते थे। राजदीप सरदेसाई तब एनडीटीवी का हिस्सा हुआ करते थे। अब अशोक श्रीवास्तव की राय पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने 16 साल पुरानी घटना याद करते हुए कहा, तब कैश फॉर वोट कांड हुआ था। राजदीप सरदेसाई जिस चैनल के हेड थे अगर वो उस स्टिंग ऑपरेशन को प्रसारित कर देता तो तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार गिर सकती थी। लेकिन राजदीप ने वह स्टिंग टीवी पर प्रदर्शित नहीं किया।उस स्टिंग में मनमोहन सिंह की सरकार बचाने के लिए पैसों का लेनदेन रिकॉर्ड किया गया था। वह एक ठोस प्रमाण था। राजदीप सरदेसाई ने स्टिंग ऑपरेशन की रिकॉर्डिंग देखने के बाद एक संपादक के रूप में इसकी जांच करने के नाम पर उसे रोक दिया। मनमोहन सिंह की सरकार बच गई और राजदीप सरदेसाई को पद्मश्री सम्मान देकर उपकार सधा दिया गया।

कन्याकुमारी में प्रधानमंत्री का 48 घंटे का ध्यान सम्पन्न

विकसित भारत के संकल्प के साथ छुए विवेकानंद के पैर

कन्याकुमारी, 01 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीन दिवसीय ध्यान पूरा हो गया है। पीएम मोदी पिछले 45 घंटे से कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान कर रहे थे। वे तीन दिन ध्यान मंडपम में ही रहे। इस ध्यान मंडपम की खास बात यह है कि यह वही स्थान है, जहां स्वामी विवेकानंद ने देश भ्रमण के बाद तीन दिनों तक ध्यान किया था। यहीं उन्होंने विकसित भारत का सपना देखा था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर साधना की थी।

ध्यान के दूसरे दिन की शुरुआत पीएम मोदी ने सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देकर किया। पीएम मोदी के ध्यान का भी एक वीडियो सामने आया,

वीडियो में पीएम मोदी भगवा कुर्ता और गमछे में थे। कल उन्होंने स्वामी विवेकानंद की

मोदी की साधना पर भी कांग्रेस को हुआ था दर्द

प्रतिमा के समक्ष बैठकर ध्यान किया। उनके हाथों में माला थी और ओम की आवाज गूंज रही थी।पीएम मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी पहुंचे थे। प्रधानमंत्री धोती पहने दक्षिण भारत की पारंपरिक पोशाक में थे। उन्होंने ऑफ-व्हाइट रंग का शॉल ओढ़ रखा था। कन्याकुमारी पहुंचने के बाद भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना और पूजा-अर्चना की। आम चुनाव का प्रचार थमने के बाद पीएम मोदी हर बार आध्यात्मिक यात्रा पर जाते हैं और 2019 के चुनाव प्रचार के बाद वे केदारनाथ गए थे और साल 2014 में वे शिवाजी महाराज से संबंधित प्रतापगढ़ गए थे।

भारत दर्शन के दौरान विवेकानंद ने आम लोगों की तकलीफ, दर्द, गरीबी, आत्म सम्मान और शिक्षा की कमी को नजदीक से जाना था। समुद्र तट से करीब 500 मीटर दूर स्थित चट्टान पर विवेकानंद 24 दिसंबर 1892 को तैर कर पहुंचे थे। 25 से 27 दिसंबर तक उन्होंने इसी चट्टान पर ध्यान किया था। उन्होंने यहां भारत के भविष्य के लिए विकसित भारत का सपना देखा था। यह वही जगह है, जहां उन्हें भारत माता के दर्शन हुए थे। इसी स्थान पर उन्होंने अपना बाकी जीवन लोगों को समर्पित करने का सपना देखा था।

▶8पर

मतदान समाप्त होते ही एग्जिट पोल्स का आकलन शुरू

एनडीए को मिल रहा भारी बहुमत

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

सातवें चरण के मतदान के साथ ही लोकसभा चुनाव 2024 की मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हो गई। शाम छह बजे तक मतदान हुआ। उसके बाद शाम करीब साढ़े छह बजे से एग्जिट पोल जारी होने शुरू हो गए। लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। नतीजों से पहले आज शाम को अलग-अलग मीडिया चैनलों और सर्वे एजेंसियों की तरफ से एग्जिट पोल जारी किए। देश में किस पार्टी की सरकार बन सकती है? किस पार्टी को कितनी सीटें मिल सकती हैं? इसके लिए अनुमान लगाए गए।

एबीपी-सी वोटर के एग्जिट पोल के अनुसार, आंध्र प्रदेश में एनडीए एलाएंस को 21 से 25 सीटें मिल सकती हैं। तेलंगाना में भाजपा को 7 से 9 सीटें, कांग्रेस को 7 से 9 सीटें और एआईएमआईएम 1 सीट मिल

350 से 370 सीटें मिलने का अनुमान

सकती है। वहीं कर्नाटक में एनडीए को 23 से 25 सीटें और इंडी गठबंधन को 3 से 5 सीटें मिल सकती हैं।

न्यूज24-टुडेज चाणक्य के एग्जिट पोल के अनुसार, छत्तीसगढ़ में सभी 11 सीटें भाजपा को मिल सकती हैं। उत्-राखंड में सभी पांचों सीटें भाजपा को मिल सकती हैं। गुजरात में भी 26 सीटों पर भाजपा कब्जा कर सकती है। तीनों ही राज्यों में कांग्रेस का खाता खुलता नहीं दिख रहा है।

टीवी-9 के आकलन के अनुसार, तमिलनाडु में भाजपा को 2 सीटें और डीएमके को 21 सीटें मिल सकती हैं। वहीं कर्नाटक में एनडीए को 20 और कांग्रेस को 8 सीटें मिल सकती हैं। रिपब्लिक टीवी मैट्रिज के एग्जिट पोल के अनुसार, महाराष्ट्र में एनडीए को 30 से 36 सीटें और इंडी गठबंधन को 13 से 19 सीटें मिल सकती हैं।

एबीपी सी वोटर के आकलन के अनुसार भी तमिलनाडु में एनडीए को 2 सीटें और इंडी गठबंधन को 37 से 39 सीटें मिल सकती हैं। रिपब्लिक टीवी पीएमएआरक्यू के अनुसार, देशभर में एनडीए को 359 सीटें, इंडी गठबंधन को 154 सीटें और अन्य को 30 सीटें मिल सकती हैं।

टीवी-9 के अनुसार केरल में एनडीए को एक सीट, यूडीएफ को 16 सीटें और एलडीएफ को 3 सीटें मिल सकती हैं। एबीपी सी वोटर ने आंध्र प्रदेश के लिए एनडीए को 21 से 25 सीटें, वाईएसआरसीपी को 4 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। रिपब्लिक टीवी मैट्रिज और पीमारक्यू के एग्जिट पोल में एनडीए को 353 से 368 सीटें, इंडी गठबंधन को 118-133 सीटें और अन्य को 43 से 48 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। टीवी-9 के तमिलनाडु के एग्जिट पोल में एनडीए को 22.43 प्रतिशत वोट शेयर दिया गया है। वहीं इंडी गठबंधन को 42 प्रतिशत और एआईएडीएमके को 12 प्रतिशत वोट शेयर दिया गया है।

विपक्षी गठबंधन की बैठक में रणनीति बनी, पर कुछ नहीं बोले

पीएम पद और 295 सीटों पर जीत का दावा

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के अंतिम दौर और सातवें चरण के बीच जारी इंडी गठबंधन की बैठक प्रधानमंत्री पद और 295 सीट पर जीत के कांग्रेसी दावे के साथ खत्म हुई। बैठक के पहले ही कल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री पद की दावेदारी ठोक दी थी। खड़गे ने 295 सीटों पर जीत का दावा आज पेश किया। विपक्षी गठबंधन की बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई। बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव सहित तमाम विपक्षी नेता शामिल हुए। बैठक में कई मुद्दों पर मंथन हुआ।

बैठक के दौरान कांग्रेस ने अपना एक बड़ा फैसला पलट दिया। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बताया कि टीवी चैनलों पर होने वाली एग्जिट पोल की बहसों में अब कांग्रेस भी हिस्सा लेगा। कांग्रेस भी खुलकर अपना पक्ष रखेगा। जबकि कांग्रेस ने एक दिन पहले ही टीवी चैनलों पर आज होने वाली एग्जिट पोल की बहसों में शामिल होने से इन्कार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि टीआरपी के खेल में हमें शामिल नहीं होना है। इसके अलावा, बैठक के बाद खड़गे ने मीडिया के समक्ष यह ऐलान किया कि इंडी गठबंधन 295 सीटें जीतेगा।

▶8पर

सातवें चरण के मतदान के साथ पूरा हुआ लोकसभा चुनाव 2024

बंगाल में सबसे ज्यादा और बिहार में सबसे कम हुई वोटिंग

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

सातवें चरण के मतदान के साथ ही लोकसभा चुनाव आज सम्पन्न हो गया। इस बार भी पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा और बिहार में सबसे कम मतदान हुआ।

चुनाव आयोग द्वारा दिए गए शाम के पांच बजे तक के मतदान का आंकड़ा बताता है कि पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 69.89 प्रतिशत मतदान हुआ। बिहार में न्यूनतम 48,86 प्रतिशत मतदान हुआ। चंडीगढ़ में 62.80 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि पंजाब में 55.20 प्रतिशत मतदान हुआ। हिमाचल प्रदेश में 66.56 प्रतिशत मतदान हुआ। झारखंड में 67.95 प्रतिशत मतदान हुआ। ओड़ीशा में 62.46 प्रतिशत मतदान हुआ। उत्तर प्रदेश में 54.00 प्रतिशत मतदान हुआ।

उधर मतदान का सातवां चरण पूरा भी नहीं हुआ कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऐलान भी कर दिया कि विपक्षी गठबंधन 295 सीटें जीतेगा। ऐसा बयान देकर कांग्रेस अध्यक्ष ने अपना पुराना स्टैंड बदलते हुए यह भी ऐलान किया कि टीवी चैनलों पर होने वाली एग्जिट पोल

2024 में वोटिंग प्रतिशत गिरा पर ढाई करोड़ ज्यादा वोट पड़े

की बहस में अब कांग्रेस के प्रवक्ता भी शामिल होंगे। इससे पहले कांग्रेस ने बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में छह चरण में हुए मतदान का प्रतिशत 2019 के चुनाव की तुलना में नीचे गिरा, लेकिन इसके बावजूद ढाई करोड़ ज्यादा वोट पड़े। वर्ष 2019 के मुकाबले तीन चरणों में इस बार कम वोटिंग हुई थी। हालांकि, चौथे और पांचवें दौर में मतदान बढ़ गया। छठे चरण में आकर एक बार फिर मतदाताओं का कम रुझान दिखा। दिलचस्प है कि 2019 के मुकाबले 2024 में छह चरण तक ढाई करोड़ ज्यादा वोट पड़े हैं। सातवें चरण के अंतिम आंकड़े आना अभी बाकी है।

लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें दौर के मतदान का आखिरी आंकड़ा अभी आना बाकी है। इस चरण में आठ प्रदेशों की 57 सीटों पर वोटिंग हुई है। 10 करोड़ से अधिक मतदाता चुनाव मैदान में उतरे और 904 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया।

▶8पर

सिखों के नाम से फर्जी फेसबुक इंस्टाग्राम अकाउंट चला रहा चीन

चीन फैला रहा है खालिस्तानी प्रोपेगेंडा

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

भारत से टक्कर लेने के चक्कर में हर जगह मुंह की खाने वाला चीन अब खालिस्तानी अलगाववाद को बढ़ावा देने में जुटा हुआ है। इसके लिए वो फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स का भी इस्तेमाल कर रहा है, ताकि भारत से बाहर रह रहे खालिस्तानी समर्थकों को एकजुट कर सके। इसके लिए चीन बोट्स का सहारा ले रहा था, लेकिन फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने उसकी हरकत को पकड़ लिया है। मेटा ने एक रिपोर्ट जारी किया है, जिसमें चीनी कारनामों के बारे में खुलासा हुआ है।

मेटा ने अपनी एडवर्सियल थ्रेट रिपोर्ट प्रकाशित की है, जो 33 पन्नों की है। इसमें मेटा ने बताया है कि 37 फेसबुक खाते, 9 इंस्टाग्राम खाते, 13 फेसबुक पेज और 5 ग्रुप, जो चीन से चलाए जा रहे थे, उन्हें बंद कर दिया गया है। इनमें से कुछ पेजों पर 2700 के करीब फॉलोवर्स हैं, कुछ ग्रुपों में 1300 से ज्यादा सदस्य, वहीं इंस्टाग्राम आईडी पर 100 से भी कम फॉलोवर्स

मिले थे।इस अकाउंट्स के जरिए खालिस्तानी आतंकवाद और सिख अलगाववाद को भारत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, नाइजीरिया और यूके जैसे देशों में बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही थी। इस रिपोर्ट के पेज नंबर 7 पर मेटा ने बताया है कि चीन द्वारा पोषित प्रो-खालिस्तानी प्रोपेगेंडा सिर्फ फेसबुक तक ही लिमिटेड नहीं है, बल्कि चीन की कम्युनिष्ट पार्टी (सीसीपी) अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स और टेलीग्राम का भी इस्तेमाल कर रहा है। इन फेक अकाउंट्स और बोट्स में से कईयों को मेटा के सिस्टम ने पकड़ लिया और हमने जांच शुरू की। इसमें से अकाउंट्स को सिखों की तरह पेश किया गया और उनपर खालिस्तान समर्थक कंटेंट पोस्ट किया जा रहा था। चीन द्वारा ऑपरेट किए जा रहे ऑपरेशन-के द्वारा मेटा पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड में रहने वाले खालिस्तान समर्थकों के बीच भारत को लेकर घृणा फैलाई जा रही थी। रिपोर्ट में लिखा है, हमें जैसे ही प्रो-खालिस्तानी पोस्ट दिखे, हमने उन्हें फैलने से पहले ही डिलीट कर दिया। ये पोस्ट अंग्रेजी और हिंदी में थे, जिनमें न्यूज और एआई द्वारा एडिटेड तस्वीरें थी। इसमें पंजाब से जुड़ी बातें थी, जिन्हें पूरी दुनिया में सिख कम्यूनिटी के बीच फैलाने की कोशिश की जान रही थी।

▶8पर

अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से राहत नहीं

तिहाड़ जेल में आज करना होगा सरेंडर

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

अदालत ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली आबकारी नीति मामले से संबंधित उनके खिलाफ दर्ज धन शोधन मामले में चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत की मांग करने वाली याचिका पर तुरंत राहत प्रदान करने से इन्कार करते हुए अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। स्पष्ट है कि रविवार को अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करेंगे।

राउज एवेन्यू कोर्ट की न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कहा कि आदेश पांच जून को सुनाया जाएगा। गौरतलब है कि केजरीवाल को कल जेल जाना है क्योंकि लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन्हें दी गई अंतरिम जमानत आज समाप्त हो रही है। केजरीवाल की और से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने आज ट्रायल कोर्ट से अनुरोध किया कि इस पहलू के मद्देनजर मामले में पहले ही फैसला कर लिया जाए।

▶8पर

भाजपा की गलत नीयत के कारण कोर्ट ने पांच अंकों को असंवैधानिक करार दिया :अभय चौटाला

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)।
इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय चौटाला ने शनिवार कहा कि हरियाणा की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की गलत नीति और नीयत के कारण ही पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने नौकरियों में सामाजिक-आर्थिक आधार पर दिये जाने वाले पांच अंकों को असंवैधानिक करार दिया है।

श्री चौटाला ने कहा कि इस निर्णय के बाद प्रदेश लाखों बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। दूसरी समझने वाली बात यह है कि भाजपा सरकार ने जो सरकारी नौकरियां बाहर के प्रदेश के

लोगों को दी हैं, उन नौकरियों में आज तक कोई दिक्कत नहीं आई हैं, मतलब साफ है कि भाजपा सरकार हरियाणा के बच्चों को नौकरियां नहीं देना चाहती।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर द्वारा कर्मचारियों को देख लेने की धमकी देना यह स्पष्ट करता है कि लोकसभा चुनावों के नतीजों को लेकर भाजपा बौखलाई हुई है और इनका बुरा हाल होने वाला है, वहीं आने वाले विधानसभा चुनावों में भी भाजपा हरियाणा से सूपड़ा साफ होने जा रहा है। भाजपा के नेताओं द्वारा अपनी ही पार्टी के नेताओं पर भीतरघात और पैसे के गबन करने के गंभीर आरोप लगाते हुये शिकायतें दर्ज करवाई हैं, जिस पर भाजपा ने अपने आरोपित पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है इसका साफ है कि जनता के साथ-साथ भाजपा के लोग उससे खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भाजपा का ऐसा बुरा हाल होने वाला है कि देश और प्रदेश में इनका नाम लेने वाला कोई नहीं बचेगा।

फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देंगे :मुख्यमंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि नौकरियों में सामाजिक और आर्थिक आधार पर पांच अंक देने के फैसले को उच्च न्यायालय द्वारा रद्द किये जाने के बाद अब राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायलय में जाने का मन बनाया है।

श्री सैनी ने शनिवार रोहतक एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि हरियाणा सरकार के नाते हम संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत इस लड़ाई को जारी रखेंगे और उच्चतम न्यायालय में अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि गरीबों, कमजोर और वंचितों को न्याय दिलाने की यह लड़ाई हरियाणा सरकार अंतिम विकल्प तक लड़ती रहेगी। उन्होंने कि सरकार गरीब और युवाओं के साथ अन्याय नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले उच्च न्यायालय की एकल पीठ सरकार के इस फैसले की सराहना भी कर चुकी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव बना रहेगा , जिससे आप की कार्यक्षमता पर भी असर दिखेगा । आपके लिए विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है। चोट लगने की आशंका है। आप आज ऊर्जा से भरपूर हैं, जो आपके काम में भी स्पष्ट दिखाई देगी । अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने साथी के लिए कुछ समय निकालें। आज आप किसी पर संदेह कर सकते है। कुसंगति से दूर रहें। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का ध्यान रखें। प्रसन्नता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का किसी सहयोगी से विवाद हो सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं स्वास्थ्य परेशान कर सकता हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन जबरदस्त रहेगा। आज आप को अनजान व्यक्तियों से मेलझोल बढाना पड सकता हैं। आप को कुसंग से दूर रहना चाहिए । सामाजिक रूप से आपका सम्मान होगा। खर्च मे कमी हो सकती है। आज आप विपरीत परिस्थिति सामना करेंगे । आज आप जीवनसाथी को घूमने लेकर जाए । किसी मुद्दे पर उनकी सलाह लेकर काम करें। आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। प्रसन्न रहें। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा बनें मन प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बड़े बुजुर्गो का आशीर्वाद लेकर ही दिन की शुरुआत करें वाणी पर संयम रखें आपका किसी के साथ विवाद हो सकता है। कार्य क्षेत्र में बाधा आ सकती है। युवाओं को सफलता मिलेगी। नया काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आपको धन लाभ होने की संभावना है।जीवनसाथी की जरूरतों का ध्यान रखें। निवेश कर सकते हैं। कामकाजी लोगों को खुशखबरी मिलेगी। पैतृक मामले में प्रगति होगी। समय पर जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करें। नंदी को दाल का भूसा खिलाए गौ सेवा करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खर्चा ज्यादा होगा मित्रों से विचार विमर्श करें । आज आपको किस्मत का सहयोग प्राप्त होगा। कुसंगति से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में शामिल होंगे। व्यवसाय में लाभ होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। प्रसन्न रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । युवाओं को नौकरी मिल सकती है। नए प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू कर सकते हैं। किसी से विवाद होने की आशंका है। लम्बीत कार्य को पहले पूरा करें अनावश्यक तकलीफें दूर रहेंगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने मे कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीतेगा अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगा। बाहर जाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज अच्छे कार्यो पर आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंता में रहेंगे। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अनजान लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। कर्ज लेनदेन करते समय विशेष सावधानी रखें। आज यात्रा करनी पड रही हैं तो गुड का सेवन करके प्रस्थान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ भागमदौड ज्यादा ही होगी थकावट का अनुभव होगा । कामकाजी लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुरता रहेगी। कुछ नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। छात्रों का दृढ़ संकल्प और मेहनत रंग लाएगी। अगर आप अविवाहित हैं और विवाह सम्बन्ध के लिए परेशान है तो दुर्गा की उपासना करें कार्यसिद्धि होगी मनोवांछित परिणाम मिलेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप को कर्म का फल मिलेगा भाग्य आप का साथ देगा दिन शानदार रहेगा । धन लाभ होने की संभावना है। नए काम में मन लगेगा। किसी की मदद कर सकते हैं।प्रभु की आराधना से शांति मिलेगी। आपको पदोन्नति मिल सकती है। आपको खुशखबरी मिल सकती है। अनजान लोगों से सतर्क रहें। अपने मित्रों के साथ घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं सतर्क रहें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शिक्षा से जुडे हुए लोगों को लाभ मिलेगा एवं पदोन्नति भी सम्भव हैं प्रसन्न रहेंगे। किसी भी विवाद का हिस्सा न बनें। अपने जीवनसाथी को उपहार जरूर दें । आज घर की जिम्मेदारी के चलते व्यस्त रहेंगे। युवाओं को कैरियर के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शासकीय कार्य लंबित रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। क्षमता के अनुसार सफलता प्राप्त होगी। आज आप मे जोश और उर्जा का संचार रहेगा ।
आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य को लाल चंदन से अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें आपका दिन ऊर्जावान रहेगा । काफी शांत महसूस करेंगे। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। योजनाएं बनेंगी। आज अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे। आपको परिवार के सदस्य की छोटी-मोटी तकलीफ होने पर देखभाल करनी पड़ सकती है। मित्रों से मुलाकात होगी। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे शहर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें आप को घात पहुंचा सकते हैं आप को सूज-भूज का परिचय देना पडेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शारीरिक तौर आप को परेशानी हो सकती हैं ज्यादा महनत के काम से परहेज करें । जीवनसाथी की किसी बात से तनाव में रहेंगे। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न करें। किसी कार्य में काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिसकी आपको जरुरत नही है। बोलचाल के दौरान सावधान रहें। कोई आपकी सरल स्वभाव का लाभ उठा सकता है। रिश्तेदारों के यहां कार्यक्रम मे जाना पड सकता हैं खर्चा भी ज्यादा हो सकता हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यस्तता के कारण आप परिवार को समय नही दे पाएंगे । व्यवसाय मे धन सम्बन्धित कमी का सामना करना पडेगा। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने में जलदबाजी न दिखाएं। तनाव दूर होगा। उधार की रकम वापस मिल सकती है। लोग आप को भ्रमित कर सकते हैं बडे सीनियर्स से वाद विवाद जैसी स्थिति बनेगी आपको हितैषी का साथ मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप द्विज है तो यज्ञ करके ही काम की शुरुआत करें सबसे पहले अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। आपको सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान उठाना पड सकता है। बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से घिर सकते हैं। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। लोन की रकम जमा कर पाएंगे। जमीन और कन्स्ट्रक्शन कारोबार में निवेश करना आप को लाभ देगा । आपकी योजना फलीभूत होगी। किसी से भी बातचीत करते समय शब्दों का चयन बडी समझदारी से करें आप की प्रतिष्ठा बढ़ेगी सामाजिक तौर पर लाभ दिखेगा।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 02 जून 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 02:43 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 01:41 तक
योग : आयुष्मान दोपहर 12:10 तक
करण : बव दोपहर 03:55 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 01:41 तक
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अपरा एकादशी व्रत, पंचक समाप्त 01:41 रात्रि से , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के शिक्षा मंत्री ने टॉपर छात्रा निधि जैन का किया सम्मान

कोटा, 01 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बूंदी जिले के गांव आलोद मे पहुंचकर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रदेश मे प्रथम स्थान पर आने वाली बालिका सुश्री निधि जैन का सम्मान किया।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, अलोद, में शुक्रवार को आयोजित मेधावी सम्मान समारोह मे बूंदी जिले के 62 छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर श्री दिलावर ने सम्मान किया। कार्यक्रम स्थल बालिका विद्यालय पहुंचने से पहले मंत्री श्री दिलावर बालिका के घर पहुंचे जहां परिजनों ने पारंपरिक रूप से उनका स्वागत सत्कार किया। बाद में वे खुली में बालिका निधि जैन एवं उसके परिजन सवार होकर जुलूस के रूप मे कार्यक्रम स्थल पहुंचे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री दिलावर ने कहा कि शिक्षा के साथ साथ संस्कार की भी बहुत आवश्यकता है। शिक्षक स्कूल मे बच्चो को संस्कार का पाठ भी पढ़ाए। उन्होंने कहा कि अगस्त को अमृत पर्यावरण महोत्सव मनाया जा रहा है और इस मौके पर एक पेड़ देश के नाम लगाना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक किसान अपनी जमीन के अनुपात में पौधे लगाए तथा पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी वाले काम से काम 300 पौधे प्रत्येक विद्यार्थी काम से काम पांच पौधे लगाए। इसी प्रकार शिक्षक, सरकारी योजनाओं के लाभार्थी यानी सभी वर्गो के लोगो को पौधे लगाना है।

दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

बारां, 01 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान में बारां की न्यायाधीश सोनिया बेनीवाल जिला न्यायाधीश संवर्ग की की विशिष्ट न्यायालय पोक्सो (क्रम-दो) ने किशोरी से दुष्कर्म करने के दोषी को शनिवार को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

न्यायालय ने मुकेश (33) को किशोरी से दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुये उस पर एक लाख 30 हजार रुपये का जुर्माना भी किया।

मामले के मुकेश पांच फरवरी 2021 को अपनी पत्नी की अल्पवयस्क छोटी बहन को बहला फुसला कर शादी के उद्देश्य से ले गया। इस पर किशोरी के पिता ने अपने दामाद के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया। मुकेश गिरफ्तारी के समय से ही न्यायिक अभिरक्षा में था।

विशेष लोक अभियोजक हरि सिंह ने बताया कि पीड़िता को जुर्माना राशि के अतिरिक्त पांच लाख रुपये पीड़ित प्रतिकार योजना के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बांरा से दिलाये जाने की अनुशंसा भी की गयी है।

चित्तौड़गढ़ में सड़क किनारे खड़े ट्रक से वैन टकराई, दो की मौत और पांच घायल

चित्तौड़गढ़, जून (एजेंसियां)।
राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार से आ रही वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे जा घुसी, जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई एवं अन्य पांच घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कोटा की ओर से आ रही यह वैन अनियंत्रित होकर राजमार्ग पर नगरी गांव स्थित एक होटल के पास खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। जिससे वैन सवार चित्तौड़गढ़ जिले के किशन करेरी गांव निवासी सुरेश गर्ग एवं मांगीलाल गर्ग की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बच्चों एवं एक महिला सहित पांच अन्य घायल हो गए। दुर्घटना के बाद राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को देने के साथ ही वैन में फंसे हुए लोगों किसी तरह बाहर निकाला और घायलों को चित्तौड़गढ़ जिला अस्पताल पहुंचाया।

पर्यावरण दिवस पर होगी साइक्लॉथोन एवं राष्ट्रीय कांफ्रेंस

जयपुर, 01 जून (एजेंसियां)।
विश्व पर्यावरण दिवस (पांच जून) को विज्ञान भारती, राजस्थान द्वारा परिष्कार कॉलेज, शिप्रा पथ, मानसरोवर जयपुर में साइक्लॉथोन एवं राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा।

इस आयोजन में परिष्कार ग्रुप ऑफ कॉलेज जयपुर, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, सीएसआईआर-सीरी,पिलानी, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग राजस्थान, डॉ. अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी, जयपुर एवं श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर सहयोगी होंगे।

विज्ञान भारती के संगठन सचिव डॉ. मेघेंद्र शर्मा ने बताया कि साइक्लॉथोन में करीब 250 साइक्लिस्ट हिस्सा लेंगे। यह साइकिल रैली परिष्कार कॉलेज से शुरू होकर मानसरोवर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुन: कॉलेज में

होगी। इस दौरान प्रदेश में एक वर्ष के दौरान एक करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया जाएगा।

कार्यक्रम में पर्यावरण जागरूकता और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध गतिविधियों को शामिल किया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के बारे जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कांफ्रेंस के तहत प्रसिद्ध वैज्ञानिकों तथा शिक्षाविदों का व्याख्यान होगा। इस मौके पर्यावरण पर चर्चा के दौरान उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण शपथ दिलाई जायेगी।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के संयोजक डॉ. अशोक शर्मा ने बताया कि प्रदेश के सभी 12 हजार 660 में एक वर्ष के दौरान पौधारोपण किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक गांव में 21-21 सदस्यों की समिति बनाई गयी है जो की अपने गावों में 100 पेड़ लगा कर पांच वर्षो तक उनकी समुचित देखभाल करेगी।

चौथी मंजिल से कूद कर आत्महत्या मामले में मजिस्ट्रेट जांच शुरू

सीजेएम की मौजूदगी में हुआ पोस्टमार्टम

पानीपत,01 जून (एजेंसियां)।
हरियाणा के पानीपत में कोर्ट की चौथी मंजिल से कूद आत्महत्या करने वाले लूटपाट के आरोपी के मामले की अब मजिस्ट्रेट जांच शुरू हो चुकी है। शनिवार को मृतक का पोस्टमार्टम करवाने सीजेएम प्रतीक जैन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उनकी मौजूदगी में मृतक का पोस्टमार्टम करवाया गया। वहीं, मौके पर के परिजन भी मौजूद रहे।

इस दौरान मृतक की पत्नी नेहा ने सौरव की मौत का जिम्मेदार पुलिस प्रशासन को ठहराया। रोती बिलखती नेहा ने कहा कि पुलिस की सीआईए थ्री टीम ने सौरव को चार दिन पहले बुधवार की शाम को उठाया था। उसे छोड़ने के लिए पुलिस उससे 50 हजार रुपये मांग रहे थे। उसके पास इतने पैसे नहीं थे इसलिए पुलिस ने उसे नहीं छोड़ा। जबकि पुलिस ने उसे तीसरे दिन 31 तारीख को कोर्ट में पेश किया।

नेहा ने कहा कि वह उससे खुद पुलिस की कस्टडी में मिलकर आई। वह उससे कुछ बात चाह रहा था लेकिन पुलिस की वजह से बात नहीं कर पाया। सौरव को पुलिस ने धमकी दी थी। नेहा ने कहा कि सौरव आत्महत्या करने वालों में से नहीं था। पुलिस ने उसे प्रताड़ित किया है। वह कोर्ट परिसर की वह सीसीटीवी देखना चाहती हैं।

ताकि उसे पता सके कि सौरव वहां से खुद कूदा है या पुलिस ने उसे फैंका है। पोस्टमार्टम हाउस के बाहर मृतक की पत्नी ने हाय हाय प्रशासन की नारेबाजी तक की। डीएसपी सतीश गौतम ने उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन महिला रोते बिलखते हुए पुलिस पर आरोप लगाती रही। जबकि के मुताबिक प्रवासी श्रमिक से मारपीट के मामले में सेक्टर 29 थाना पुलिस सौदापुर निवासी सौरव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेशी पर लेकर आई थी। सौरव का मेडिकल परीक्षण करवाने के बाद उसे कोर्ट ले जाया गया। कोर्ट में सौरव का वारंट तैयार किया जा रहा था कि ने पुलिस कर्मी से हाथ छुड़ाकर चौथी मंजिल से छलांग लगा दी।

जिस पर सौरव को मौके पर ही मौत हो गई। करीब चार साल पहले सौरव की शादी हुई थी। उसकी एक करीब दो ढाई साल की बेटी है। जिसे लेकर उसकी पत्नी नेहा पोस्टमार्टम हाउस पहुंची थी। ने सौरव को पप्पू साहनी निवासी बिहार की शिकायत पर गिरफ्तार किया था। पप्पू ने शिकायत दी थी कि सात नवंबर 2021 की रात उसके साथ शराब नशे में धुत चार युवकों ने मारपीट कर लूटपाट की थी।

अब सीसीटीवी की भी होगी जांच

मौके पर पहुंचे डीएसपी सतीश एसएचओ राजबीर ने कहा कि अब पूरे मामले की जांच पड़ताल मजिस्ट्रेट ही करेंगे। इसमें पुलिस का हस्तक्षेप नहीं होगा। वहीं, चर्चाएं रही कि अब कोर्ट में लगे सीसीटीवी की भी जांच कराई जाएगी। जिसमें सौरव के छत से कूदने के असल कारण सामने आ सकेंगे।

पति ने की पत्नी की गला दबाकर हत्या, डंडे से भी किया वार

बच्चों को ट्यूशन पर भेजने को लेकर हुआ झगड़ा

रोहतक,01 जून (एजेंसियां)।
रोहतक में हत्या की लगातार वारदात हो रही हैं। पांच दिन में शनिवार को चौथी वारदात हुई। काहनौर में घरेलू कलह में एक पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। दोनों के बीच झगड़ा बच्चों को ट्यूशन भेजने लेकर बताया जा रहा है। पत्नी बेटे व बेटी को ट्यूशन भेजना चाहती थी, जबकि पति मना कर रहा था। कलानौर पुलिस वारदात की जांच पड़ताल कर रही है।

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक छानबीन में पता चला है कि कलानौर खंड के गांव काहनौर निवासी सुनील का उसकी पत्नी से अक्सर झगड़ा रहता था। शनिवार सुबह साढ़े 9 बजे के आसपास दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बताया जा रहा है कि सुनील ने अपनी पत्नी अनु के माथे पर डंडे से वार कर दिया। साथ ही गला भी दबा दिया। इसके बाद मौके से फरार हो गया। समय अनु का बेटा व बेटी भी घर पर बताए गए हैं। जो वारदात के बाद सहमे हुए हैं।

वारदात का कारण घर में घरेलू कलह बताई जा रही है। वहीं आस-पड़ोस वालों ने बताया की पति व पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा रहता था। वह बिजली मैकेनिक का करता है और

शराब पीने का भी आदी बताया गया है। फिलहाल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। मौके पर सीआईए टीम व एफएसएल टीम डॉ सरोज दहिया ने पहुंच छानबीन की है। फिलहाल मृतका के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर रोहतक पीजीआई पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। कलानौर थाना प्रभारी देशराज का कहना है कि मृतका के मायके वालों को सूचित कर दिया है। उनके बयान पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जून माह में 4 बड़े ग्रहों का गोचर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जून माह ग्रह और नक्षत्रों के हिसाब से काफी खास होने वाला है। क्योंकि इस माह सूर्य, बुध मंगल और शुक्र ग्रह राशि परिवर्तन करने वाले हैं। जून माह में 4 ग्रहों का राशि परिवर्तन हो रहा है। ग्रहों के राशि परिवर्तन और उनकी चाल में बदलाव का विशेष महत्व होता है। इन ग्रहों की स्थिति में बदलाव से जहां कुछ राशि के जातकों को लाभ मिलेगा तो वहीं कुछ राशि वालों के लिए परेशानियां आ सकती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक सबसे पहले 01 जून को ग्रहों के सेनापति और महान पराक्रमी ग्रह मंगल मेष राशि में गोचर करेंगे। इसके बाद 12 जून को सुख और वैभव प्रदान करने वाले ग्रह शुक्र अपनी स्वयं की राशि वृषभ की यात्रा को विराम देते हुए मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। वाणी, बुद्धि और व्यापार के कारक ग्रह बुध 14 जून को मिथुन राशि में गोचर करेंगे, फिर इसी माह की 29 तारीख को मिथुन से कर्क राशि में चले जाएंगे। 15 जून को सूर्य मिथुन राशि में गोचर करेंगे, जिसे मिथुन संक्राति कहते हैं। फिर माह के अंत में यानी 29 जून को कर्मफलदाता और न्यायाधिपति ग्रह शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में रहते हुए वक्री हो जाएंगे। जून माह में प्रमुख ग्रहों की चाल बदलने से कुछ राशि वालों को विशेष लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों, नक्षत्रों और राशियों का विशेष महत्व होता है। इनके परस्पर संबंधों की बीच की गणना करते हुए भविष्यवाणियां की जाती

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

हैं। ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी राशि बदलते हैं जिससे कई तरह के शुभ और अशुभ योगों का निर्माण होता है। ग्रह एक से दूसरी राशि में भ्रमण करते हैं, ऐसे में जून का महीना ग्रहों के गोचर के लिहाज से काफी अहम रहने वाला है। जून माह में प्रमुख ग्रहों का राशि परिवर्तन होने वाला है। यह महीना बेहद विशेष होगा। इस माह में 4 बड़े ग्रह- सूर्य, बुध मंगल और शुक्र राशि परिवर्तन करने जा रहें हैं।

* 12 जून 2024 को शुक्र का मिथुन राशि में गोचर
* 14 जून 2024 को बुध का मिथुन राशि में गोचर
* 15 जून 2024 को सूर्य का मिथुन राशि में गोचर
* 29 जून 2024 को बुध का कर्क राशि में गोचर
* 29 जून 2024 को शनि का कुंभ राशि में वक्री

शुभ – अशुभ प्रभाव

कई बड़े धनकुबेर, उद्योगपति और व्यापारियों की स्थिति बिगड़ेगी और बड़े मामले सामने आएंगे। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। इस साल मुंबई में भारी बारिश होने की संभावना अधिक रहेगी। मोदी सरकार में मंत्रिमंडल में कई चौंकाने वाले नाम होंगे और जून जुलाई का समय थोड़ा कठिन रहेगा स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मोदी की यात्रा में थोड़ा बदलाव होगा। मोदी की सभी जगह प्रशंसा और प्रसिद्धि होगी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनेगी। रियल स्टेट के कारोबार में वृद्धि होगी। विदेशों में राजनीतिक उठापटक सत्ता परिवर्तन इत्यादि होने की संभावना। भारतीय बाजारों में अचानक तेजी आएगी और व्यापार बढ़ेगा। अचानक किसी वस्तु के दाम बढ़ेंगे और बाजार से वह वस्तु गायब होगी। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। होटल रेस्टोरेंट वालों के लिए बहुत ही अच्छा समय होगा। सांस्कृतिक रूप से कोई कोई विवाद या उत्तल पुथल होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते हैं। बारिश और बर्फबारी होने की आशंका है। सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना ।

राशियों को होगा फायदा

मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन राशि के जातकों को हर क्षेत्र में सफलता मिलने वाली है। आर्थिक मामलों में भी फायदा मिलेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्य स्थल में आपके काम की प्रशंसा होगी। ऐसे में पदोन्नति भी मिल सकती हैं। व्यापारी वर्ग के लोगों को भी मुनाफा मिलेगा। कार्यों में अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी।

* शुभ प्रभाव - मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन
* अशुभ प्रभाव -वृष, सिंह, तुला और कुंभ
* मिलाजुला प्रभाव - मेष कर्क, कन्या और धनु

करें पूजा-पाठ और दान

ग्रहों के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

गौ माता के शरीर के किस अंग में कौन से देवी-देवता वास करते हैं?

हिंदू संस्कृति में गाय को सबसे पवित्र माना जाता है और गाय को गौ माता भी कहा जाता है। आज भी कई घरों में पहली रोटी गाय के लिए बनाई जाती है। गाय को प्राचीन काल से ही बहुत अधिक महत्त्व दिया जाता है। हिन्दू धर्म में यह मान्यता चली आ रही है कि गौ माता में 33 करोड़ देवी-देवता वास करते हैं। आप लोगों ने भी हिंदू पुराणों की फोटो में गाय को देखा होगा, जिसमें गौमाता के प्रत्येक अंग में भगवान का वास है, ऐसा दर्शाया गया है। मान्यता है कि जो व्यक्ति गाय की सेवा एवं पूजा करता है, उस पर आने वाली सभी प्रकार की विपदा गौमाता हर लेती है और ऐसा भी कहा गया है कि गाय जहां विचरण करती है, उस जगह सांप या बिच्छू नहीं आते हैं। आज जानते हैं कि गौ माता के शरीर के किस अंग में कौन से देवी देवता वास करते हैं। गौ के 11 रुद्र, 8 वसु, 12 आदित्य यज्ञ, रूप प्रजापि मेघरू पी इंद्र जैसे 33 कोटी देवी देवताओं के बराबर माना गया है और इसलिए गौ विश्व की माता भी है।

गौ माता के कौन से अंग में किस देवी देवता का वास है ?

-पुराणों के मुताबिक गाय के मुख में चारों वेदों का निवास होता है।

-गाय के सींग में भगवान शिव का वास माना जाता है।

-गौ माता के पेट में भगवान शिव के बड़े बेटे कार्तिकेय का वास माना जाता है।

-गौमाता के मस्तक में ब्रह्मा ललाठ में रुद्र सिंह के आगे वाले भाग में इंद्रदेव और कानों में अश्विनी कुमार का वास होता है।

-गौमाता की आंखों में सूर्य और चंद्र एवं दांतों में गरूड़ तथा जीभ में देवी सरस्वती जी का बांस होता है।

-गाय के अपान में सारे तीर्थ और मूत्र में गंगा जी तथा दक्षिण पैर के भाग में वरुण और कुबेर और उत्तर के पैर में महाबली यक्ष का वास होता है।

-गाय के रोमों में सभी ऋषि गण तथा गाय के खुरों के पिछले भाग में मुख्य के भीतर गंधर्व तथा नासिका के अग्रभाग में सर्द का वास है।

-गौमाता के गोबर में देवी लक्ष्मी जी का वास होता है।

-गौमाता के स्तनो में समुद्र का वास होता है।

-गाय के दूध की बात की जाए तो उसमें स्वर्ण तत्व पाया जाता है, जो रोगों की क्षमता को कम करता है।

-गाय के पूंछ में पवन पुत्र हनुमान का बास माना जाता है।

-भविष्य पुराण, स्कंद पुराण, ब्रह्मांड पुराण और महाभारत में भी गौ के अंग प्रत्यांग में देवी देवताओं की स्थिति का विस्तृत वर्णन प्राप्त होता है।

क्या है कन्याकुमारी के भगवती अम्मन मंदिर का पौराणिक इतिहास?

कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है। यह नारा नहीं बल्कि वास्तविकता है, जब हम भारत के दक्षिणी छोर पर देवी कन्याकुमारी के दर्शन करते हैं तो उस समय उत्तर में हिमालय के पर्वत श्रृंखलाओं में बसी वैष्णव माता का ध्यान एक बार जरूर आता है। माता पार्वती के ही रूप है कन्याकुमारी में देवी कुमारी अर्थात अविवाहिता कन्या के रूप में है और उधर वैष्णो माता के मंदिर में प्रतिदिन कन्याओं का पूजन होता है। पूर्व में माता कामाख्या है तो पश्चिम में नासिक में सप्तश्रींगी देवी है। यह एक अदृश्य बंधन है जो उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक देश को संस्कृति को और हम सबको बांधता है। भारत के 51 शक्ति पीठों में से एक कन्याकुमारी भी है। माना जाता है कि यहां माता की रीढ़ की हड्डी गिरी थी।

मंदिर का इतिहास

मंदिर पुरातन है और इसके इतिहास का उल्लेख की प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। देवी कन्याकुमारी की मूर्ति की स्थापना भगवान परशुराम ने की थी। मंदिर का स्थापत्य लगभग 3000 वर्ष पुराना माना जाता है। परंतु, इतिहास के अनुसार वर्तमान मंदिर आठवीं शताब्दी में पांड्या सम्राटों ने बनवाया था। चोलाचेरी वेनाड और नायक राजवंशो के शासन के दौरान समय-समय पर इसका पुनर्निर्माण हुआ। राजा मार्तंड वर्मा के राज्यकाल में कन्याकुमारी का इलाका त्रावणकोर राज्य का हिस्सा बन गया था, जिसकी राजधानी पद्मनाद पुरम थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वर्ष 1956 में ये तमिलनाडु का एक जिला बन गया। कन्याकुमारी जिले का नाम देवी कन्याकुमारी के नाम पर ही रखा गया है।

कन्याकुमारी मंदिर के वास्तुकला प्रवीण शैली की है, जिसमें काले पत्थर के खंबों

पर नक्काशी की गयी है। मंदिर में कई गुंबज है जिनमें गणेश, सूर्यदेव, अय्यप्पा, स्वामी कालभैरव, विजय सुंदरी और बाला सुंदरी आदि देवी देवताओं की मूर्तियां हैं। मंदिर परिसर में मूल गंगा तीर्थ नामक हुआ है, जहाँ से देवी के अभिषेक का जल लाया जाता है।

मंदिर खुलने का समय

मंदिर के खुलने का समय सप्ताह के प्रत्येक दिन सुबह साढ़े चार से लेकर दोपहर साढ़े 12 तक और शाम 4:00 बजे से लेकर रात्रि 8:00 बजे तक होता है।

मंदिर में दर्शन के नियम

मंदिर में देवी मां के दर्शन के लिए पुरुषों के लिए एक ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है, जिसके अंतर्गत पुरुष कमर के ऊपर किसी भी तरह का परिधान पहनकर मंदिर के गर्भ गृह में नहीं जा सकते और देवी मां के दर्शन नहीं कर सकते। महिलाओं के लिए ऐसी किसी भी तरह की पाबन्दी नहीं की गई है।

मंदिर के मुख्य द्वार का रहस्य

मंदिर का मुख्य द्वार पूर्व की ओर है, जो कभी किसी समय खुला रहता था। लेकिन, अब प्रवेश उत्तरी द्वार से किया जाता है। पूर्व द्वार वर्ष में केवल पांच बार विशेष त्योहारों के अवसर पर ही खुलता है। पूर्व द्वार बंद होने के पीछे ये कहानी है की देवी किन्नत का हीरा अत्यंत तेजस्वी था तथा उसकी चमक दूर तक जाती थी। इससे प्रकाश स्तंभ का प्रकार समझ कर जहाज़ इस दिशा में आ जाते और चट्टानों से टकरा जाते थे। एक कथा के अनुसार यह हीरा शीर्ष नाग ने देवी को समर्पित किया था।

मंदिर के भीतर मंदिर से जुड़े 11 तीर्थ स्थल हैं। अंदर के परिसर में तीन गर्भ गृह गलियारे और मुख्य नवरात्रि मंडप है। परंतु इन्हें एकदम से समझ पाना या रुककर देखना इतना आसान नहीं है। अंदर से मंदिर की बनावट भुल भुलैया सी है। मंदिर के गर्भगृह की कांति मन को अचंभित और आंखों को वो चकाचौंध कर देती है। मूर्ति काले पत्थर की बनी है। लंबे हार, चमकीली नथ, बॉर्डर वाली साड़ी ये सब देवी के श्रृंगार को और भी मंत्रमुग्ध कर देने वाला बनाते हैं। देवी को अम्मन अर्थात अम्मा के नाम से जाना जाता है। अन्य नाम देवी की भगवती देवी, बाला, भद्रकाली आदि है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, तो इस विधि से करें कुबेर यंत्र की स्थापना, होंगे कई फायदे

हिंदू शास्त्रों में कुबेर देव को धन के स्वामी के अलावा कोषाध्यक्ष और यक्ष का राजा भी कहा जाता है। ऐसे में नियमित रूप से कुबेर देव की पूजा-अर्चना करने से धन संबंधी समस्याओं से बचा जा सकता है। वहीं कुबेर यंत्र का संबंध भी कुबेर देव सी ही माना गया है। ऐसे में यदि आप इस विशेष यंत्र को अपने घर में स्थापित करते हैं, तो इससे आपको कई लाभ देखने को मिल सकते हैं।

मिलते हैं ये लाभ

कुबेर यंत्र का इस्तेमाल मुख्य रूप से धन की प्राप्ति के लिए किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, कुबेर यंत्र की साधना करने से धन के देवता कुबेर प्रसन्न होते हैं, जिससे घर परिवार में सदैव सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। ऐसे में रोजाना कुबेर यंत्र की विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना करने से साधक को कुबेर देव के अलावा मां लक्ष्मी की भी कृपा की प्राप्ति हो सकती है।

इस तरह करें स्थापित

सर्वप्रथम कुबेर यंत्र घर लाकर इसे एक पीले कपड़े में लपेटकर मंदिर के सामने किसी बर्तन में रख दें। अगले दिन सभी दैनिक कार्यों से निवृत होकर जाएं। इसके बाद गंगाजल या कच्चे दूध से कुबेर यंत्र का अभिषेक करें। अभिषेक के बाद 'ॐ श्रीं, ॐ ह्रीं श्रीं, ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय: नम:' मंत्र का जाप करें। ध्यान रखें कि इस मंत्र का जाप 11 या 21 बार करना है। इसके बद कुबेर देव का स्मरण करें। अब इस यंत्र को मंदिर या फिर अपनी तिजोरी में स्थापित करें।

कुबेर यंत्र को मंदिर में मंगलवार या शनिवार के दिन ही स्थापित करना ज्यादा शुभ माना जाता है। मंदिर या तिजोरी में स्थापित करने के बाद इसकी नियमित रूप से पूजा करें। पूजा के दौरान जलाभिषेक भी अवश्य करें। कुबेर यंत्र स्वर्ण, तांबे, या फिक अष्टधातु का होना चाहिए। वहीं, मंदिर में कुबेर यंत्र रखने के लिए पूर्व दिशा का इस्तेमाल करें।

भगवान राम की दुर्लभ मूर्ति, 19 साल में बनकर तैयार

महीने में सिर्फ एक दिन होता था निर्माण, 130 साल पुराना मंदिर

भगवान राम हमारे देश में हमेशा चर्चा में रहते हैं। इस साल 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद ये चर्चा और ज्यादा रही। एक राम मंदिर जयपुर में भी है। ये 130 साल पुराना है। यहां स्थापित भगवान राम की मूर्ति बनाने में करीब 19 साल लगे थे। ये मंदिर अयोध्या के कनक भवन की तर्ज पर बना है।

जयपुर को छोटी काशी कहा जाता है। इसकी वजह ये है कि यहां हर सड़क के चौराहे-तिराहे पर कोई न कोई प्राचीन मंदिर जरूर मिल जाएगा। इन्हीं में से एक है चांदपोल बाजार में बना भगवान श्रीराम का रामचन्द्र मंदिर। यह जयपुर का सबसे पुराना राम मंदिर है। इसकी स्थापना 1894 में हुई थी।130 साल पुराना यह मंदिर जयपुर के भव्य मंदिरों में से एक है। रात के समय इसकी सुंदरता देखने लायक होती है।

महीने में सिर्फ एक दिन बनती थी मूर्ति

चांदपोल बाजार के इस मंदिर का निर्माण जयपुर के महाराजा सवाई रामसिंह की पत्नी गुलाब कंवर ने करवाया था। इसमें पांच भव्य विशाल चौक बने हुए हैं, जो मंदिर की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। इस मंदिर में विराजमान भगवान राम की प्रतिमा नक्षत्र के हिसाब से बनायी गयी है। इसे बनाने में 18 साल 9 महीने 24 दिन का समय लगा था। इसे महिने में सिर्फ एक दिन ही बनाया जाता था। इसलिए ये मूर्ति तैयार करने में 18 साल का समय लगा।

विष्णु के 24 अवतारों का चित्रण

इस मंदिर में सबसे अनूठी बात यह है कि ये अयोध्या के कनक भवन की तर्ज पर बना है। जिस प्रकार अयोध्या में कनक बिहारी जी विराजमान हैं। उसी रूप में यहां भगवान रामचन्द्र को स्थापित किया गया है। इस मंदिर की दीवारों पर शानदार नक्काशी है। इसमें जगमोहन विष्णुजी के 24 अवतारों का चित्रण किया गया है। साथ ही नागफनी और सिंघमुख की छवि भी बनाई गयी है। पूरा मंदिर परिसर भित्ति चित्रों से सजा हुआ है, जो देखने में अद्भुत और सुंदर है। मंदिर परिसर की संगमरमर की दीवारों पर रामचरित मानस के प्रसंगों का भी चित्रण और वर्णन है।

राह चलते दर्शन

चांदपोल बाजार का यह मंदिर बीचोंबीच बना हुआ हुआ है। सड़क किनारे चलते लोग बाहर से भी सीधे भगवान रामचन्द्र के दर्शन कर सकते हैं। इस मंदिर को वर्ष 1949 में जयपुर नरेश मानसिंह ने पंडित विद्यासागर कन्हैया लाल न्यायाचार्य को सेवा के लिए दिया था। उसके बाद से ही उनके वंशज यहां भगवान रामचन्द्र की पूजा करते आ रहे हैं। वर्तमान समय में उन्हीं के वंशज नरेंद्र तिवारी यहां पुजारी हैं। इस भव्य रामचन्द्र मंदिर में हर वर्ष भगवान राम का प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। इसमें हजारों की संख्या में लोग दूर-दूर से आते हैं।

मिस्टर एंड मिसेज माही का बॉक्स ऑफिस पर तहलका, ओपनिंग डे पर की छप्परफाड़ कमाई

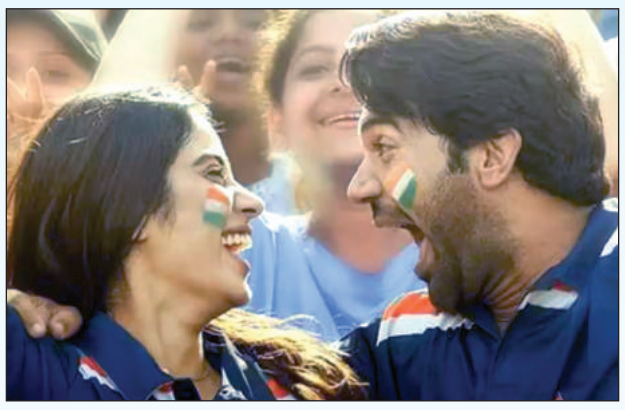

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'मिस्टर एंड माही' 31 मई को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो चुकी है। क्रिकेट और रोमांस से भरपूर इस फिल्म में जाह्नवी और राजकुमार राव ने एक ऐसे कपल का किरदार निभाया है, जो क्रिकेट का दिवाना है। इस फिल्म को सिनेमा लवर्स डे वाले दिन रिलीज गया, जिसकी वजह से फिल्म को ग्रैंड ओपनिंग मिलने की उम्मीद की जा रही थी। बॉलीवुड लाइफ की इस रिपोर्ट में जानें 'मिस्टर और मिसेज माही' ने ओपनिंग डे पर कितना कलेक्शन किया है। 31 मई को रिलीज हुई राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को डायरेक्टर शरण गुप्ता ने डायरेक्ट किया है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म का बजट केवल 40 करोड़ रुपये था। ऐसे में मेकर्स को उम्मीद थी की यह फिल्म पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करने वाली है। मिस्टर मिसेज माही मेकर्स की उम्मीदों पर खरी भी उतरी है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म ने पहले दिन 6।85 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया है।

'मिस्टर एंड मिसेज माही' की कहानी

'मिस्टर एंड मिसेज माही' की कहानी एक ऐसे कपल आधारित है, जिसे क्रिकेट से बहुत प्यार है। फिल्म में राजकुमार का नाम महेंद्र तो एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर का नाम महिमा है। शादी के बाद यह दोनों अपनी क्रिकेट की जर्नी की शुरुआत करते हैं। इस फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे एक असफल क्रिकेटर अपनी पत्नी के सपनों को उड़ान देता है और महिमा के सपनों को पूरा करने के लिए जी जान लगा देता है। हालांकि इस दौरान कपल को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस फिल्म में राजुकमार राव और जाह्नवी कपूर के बीच जबरदस्त केमेस्ट्री देखने को मिली है। इस फिल्म में राजुकमार राव और जाह्नवी के अलावा एक्टर कुमुद मिश्रा, अभिषेक बनर्जी, राजेश शर्मा और जरीना वहाब ने भी मुख्य किरदार निभाया है।

घोड़ों के साथ एक्शन सीन और 500 डांसर संग एक सॉन्ग शूट, वेलकम 3 के 2 बड़े शेड्यूल पूरे

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन, जैकलीन फर्नांडिस, लारा दत्ता और दिशा पटानी स्टारर कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल पर तेजी से काम चल रहा बीते दिन खबर आई थी कि संजय दत्त ने फिल्म से किनारा कर लिया है। फिलहाल मेकर्स ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इस बीच फिल्म वेलकम 3 को लेकर एक और बड़ा अपडेट सामने आया है। गौरतलब है कि फिल्म की शूटिंग मुंबई में चल रही है और दो शेड्यूल निपटा दिए गये हैं।रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म वेलकम 3 के डायरेक्टर और कोरियोग्राफर अहमद खान ने मुंबई शेड्यूल में 200 घोड़ों के साथ एक एक्शन सीन शूट किया है, जिसमें सभी स्टार्स भी मौजूद हैं और वहीं एक गाना भी शूट किया है, जिसमें एक्टर्स के 500 बैक डांसर नजर आएंगे।फिरोज नाडियाडवाला इस फिल्म प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म फुल ऑफ एक्शन कॉमेडी फिल्म होने जा रही है। जानकर हैरानी होगी कि फिल्म में 25 से ज्यादा एक्टर्स नजर आएंगे और हाल ही में फिल्म में आफताब शिवदसानी की भी एंट्री हुई है। बता फिल्म को क्रिसमस 2024 के पास रिलीज करने का प्लान है और ऐसे में फिल्म पर तेजी से काम चल रहा है।बता दें, अक्षय कुमार और अरशद वारसी इन दिनों अपनी फिल्म जॉली एलएलबी 3 की भी शूटिंग में बिजी हैं। दोनों ही एक्टर को राजस्थान में शूटिंग करते किया गया था। इसी के साथ अक्षय-अरशद फिल्म वेलकम 3 पर भी काम कर रहे हैं।

टीवी के बजाय सोशल मीडिया से मिला ज्यादा प्यार: जन्नत जुबैर

टीवी पर अपने शानदार अभिनय के लिए मशहूर एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने कहा कि वह अपने अभिनय करियर के बजाय सोशल को चुनेंगी, क्योंकि उन्हें वहां से ज्यादा प्यार मिला है।छोटे पर्दे पर जन्नत जुबैर ने काशी- अब ना रहे तेरा कागज कोरा और फुलवा जैसे शो से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह अब एक सोशल मीडिया सनसनी बन गई हैं।टीवी पर अभिनय या सोशल मीडिया पर आने लेकर अपनी पसंद के बारे में बात करते हुए जन्नत ने बताया, यह मेरे लिए बहुत मुश्किल सवाल है। मुझे अभिनय पसंद है, और मैं अपने काम के प्रति बहुत जुनूनी रही हूं। हालांकि, पिछले कुछ सालों से, मैं सोशल मीडिया को समय दे रही हूं, जिसके चलते मैं को उतना समय नहीं दे पा रही हूं।22 वर्षीय एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वह अभिनय से ज्यादा सोशल मीडिया को क्यों पसंद करती हैं।उन्होंने कहा, मुझे लगता है, अभी के लिए, मैं सोशल मीडिया को चुनूंगी क्योंकि यहां मुझे जितना प्यार मिला है, उतना मुझे अपने अभिनय करियर नहीं मिला। सोशल मीडिया यूजर्स ने मुझे बेहद प्यार दिया है।लोगों ने फुलवा को भी पसंद किया है, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए मैं प्रशंसकों से इतनी जुड़ गई हूं कि मैं इसे छोड़ नहीं सकती।जन्नत रियलिटी टेलीविजन शो लाफ्टर शेफ्स- अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आने वाली हैं।एक्ट्रेस ने कहा, यह कॉम्बिनेशन टेलीविजन पर बहुत नया है, क्योंकि कुकिंग शो आम तौर पर गंभीर प्रतियोगिताएं होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि कुकिंग और कॉमेडी का मिश्रण लाफ्टर शेफ्स एक अनूठा मिश्रण है।क्या कॉमेडी और खाना पकाने का मिश्रण खराब होगा इस पर जन्नत जुबैर ने कहा, वास्तव नहीं, क्योंकि मुझे लगता है कि यह देखने में और भी शानदार है। हम अपने आप ही मजाकिया बन जाते हैं क्योंकि हमेशा कुछ न कुछ होता रहता है। कभी-कभी रसोई में कुछ गड़बड़ हो जाती है।

प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण ने ड्रेस में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के घर जल्द ही खुशियों की किलकारियां गूंजने वाली हैं। दीपिका और रणवीर सिंह माता-पिता बनने वाली हैं और एक्ट्रेस के चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो भी साफ नजर आ है। यही कारण है कि पैपराजी भी दीपिका पादुकोण को अपने कैमरे में कैद करने के लिए बेकरार रहते हैं। अब हाल ही में 'कल्कि 2898 एडी' एक्ट्रेस शुक्रवार की रात अपनी मां के साथ बांद्रा में स्पॉट हुईं, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो हैं। प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण शुक्रवार देर रात मां उज्जला पादुकोण के साथ डिनर के लिए निकलीं। इस दौरान उन्हें पैपराजी के कैमरे ने कैद कर लिया।दीपिका पादुकोण ने ब्लैक कलर के वनपीस के साथ ही डेनिम जैकेट पहनी हुई थी। इस आउटफिट में दीपिका पादुकोण काफी क्यूट लग रही दौरान एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं। फोटोज में दीपिका बेहद ही क्यूट लग रही हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि प्रेग्नेंसी में दीपिका पादुकोण का चेहरा बहुत ग्लो कर रहा है और एक्ट्रेस काफी खुश नजर आ रही हैं।दीपिका पादुकोण की इन पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, दीपिका के चेहरे पर प्रेग्नेंसी का ग्लो खूब जंच रहा है, जस्ट लुकिंग लाइक ए वाओ। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, प्लीज उन्हें परेशान मत करो, वह प्रेग्नेंट हैं। एक ने दीपिका पादुकोण की इन तस्वीरों पर रिएक्ट करते हुए लिखा, हाय नजर ना लगे दीपिका को। तो वहीं एक और यूजर ने लिखा, प्रेग्नेंसी में भी दीपिका बहुत स्टाइलिश लग रही हैं। दीपिका पादुकोण पैपराजी से बचकर निकलती नजर आ रही हैं। सिक्योरिटी एक्ट्रेस को उनकी कार तक में मदद कर रही है।प्रेग्नेंसी के बावजूद एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण कई फिल्मों का हिस्सा बनेंगी। दीपिका जल्द ही प्रभास के साथ 'प्रोजेक्ट के कल्कि 2898 एडी' फिल्म में नजर आने वाली हैं।नाग अश्विन द्वारा निर्देशत फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' 27 जून को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में दीपिका और रणवीर के साथ एक्टर अमिताभ बच्चन भी लीड रोल में नजर आएंगे।

10,000 लोगों के साथ शूट हुआ कंगुवा का वॉर सीन

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार सूर्या अपनी अगली फिल्म कंगुवा से चर्चा में हैं। फिल्म कंगुवा इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें बॉबी देओल विलेन का रोल प्ले जा रहे हैं। एनिमल की सक्सेस के बाद बॉबी को इस फिल्म में रोल मिला है। कंगुवा के पोस्टर और टीजर ने पहले ही सूर्या के फैंस की फिल्म के प्रति एक्साइटमेंट बढ़ा चुके हैं। यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें सूर्या और बॉबी के बीच जंग छिड़ेगी। फिल्म कंगुवा से बड़ी अपडेट सामने आई है।अब फिल्म से जुड़ी आई अपडेट में सामने आया है कि फिल्म में एक सीन में सूर्या ने 10 हजार लोग के साथ शूट किया है। यह एक वॉर एक्शन सीन है, जिसमें भरपूर एक्शन और स्टंट नजर आने वाले हैं। यानि सीन में अब खून की नदिया बहने वाली हैं। इस फिल्म को स्टूडियो ग्रीन बना रहा है। यह एक वॉर थीम फिल्म

सूर्या-बॉबी होंगे आमने-सामने

है, जिसमें साउथ सिनेमा का नया फिल्म मेकिंग एक्सपीरियंस देखने को मिलेगा और साथ ही दर्शकों का भरपूर मनोरंजन होने वाला है।फिल्म की कहानी दो टाइम पीरियड सेट है, जो पूरी फिल्म में एपिक वॉर का अनुभव कराएगी और दूसरी तरफ एक आम इंसान की लाइफ को दर्शाएगी। वहीं, फिल्म के एक्शन सीन को काफी दमदार और इंप्रेसिव बनाने के लिए इसमें 10 हजार लोगों को जोड़ा गया है। कमाल की बात यह है कि इसे फिल्ममेकर एक्सपर्टिज और बड़े-बड़े सेट के साथ तैयार किया गया है। फिल्म कंगुवा को तमिल फिल्मों के डायरेक्टर सिवा बना रहे हैं।बता दें, फिल्म की अभी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन फिल्म साल 2024 में ही रिलीज होने जा रही है। फिल्म में सूर्या और देओल पहली बार साथ में नजर आने वाले हैं। सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म श्रीकांत से चर्चा में हैं, जिसमें राजकुमार राव अहम रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म में राजकुमार राव नौजवान उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला का रोल कर रहे हैं। फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता हो है।

जिज्ञासा

क्या है सायक्लोन

बच्चो, जब तेज हवाएं चलती हैं, तो आपने देखा होगा कि कई जगह हवा के साथ गोल-गोल घेरे बन जाते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि इन घेरों को वैज्ञानिक भाषा में क्या कहा जाता है और धरती व पानी में बनने वाले इन चक्रवातों में क्या अंतर है?

अलग-अलग जगहों पर बनने वाले इन घेरों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। असल में हवा जब तूफानी तरीके से घेरा बनाकर चलती है, तो उसे सायक्लोन कहते हैं। यह घेरेदार तूफान अपने बीच पड़ने वाली सारी चीजों को उलट-पलटकर रख देता है। अब सायक्लोन भारत के तटीय प्रदेशों के किनारों से उठने वाले तूफान के लिए उपयोग में लाया जाता है। हरिकेन और टायफून भी इसी तरह के तूफान के लिए प्रयोग में आते हैं बस जगह का अंतर है। फ्लोरिडा के तट से उठने वाला तूफान हरिकेन कहलाता है, जबकि फिलीपीन्स के तट पर आकर यह टायफून हो जाता है। हरिकेन अटलांटिक महासागर से उठता है और टायफून प्रशांत से। हरिकेन और टायफून जलीय तूफान है, जो पानी की सतह से उठते हैं, वहीं दूसरी ओर टोरनेडो जमीन पर उठने वाले तूफान को कहते हैं। वैसे हर तूफान अपने साथ बर्बादी लाता है, फिर भी हरिकेन और टायफून के मुकाबले, टोरनेडो कम बर्बादी मचाता है। अमरीका में टोरनेडो को बोलचाल की भाषा में ट्विस्टर कहते हैं।

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी वि टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वल्ड्र्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

- एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।
- 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉर्ड्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।
- फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।
- डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।
- साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।
- ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।
- पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।
- 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।
- ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।
- स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।
- राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण क़रीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक प्रपात के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं।

पत्थर पर उकेरे गए जीवन के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हजार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

सबसे बड़ी पुस्तक

म्यांमार देश में पत्थर से बनी एक विशाल पुस्तक है। यह संगमरमर से बनी हुई है। माली भाषा में लिखी इस पुस्तक में कुल 1460 पन्ने हैं। प्रत्येक पेज की लंबाई 5 फुट, चौड़ाई 3.5 तथा मोटाई आधा फुट है।

कंप्यूटर की-बोर्ड बनाने वाला

कंप्यूटर कीबोर्ड के अक्षरों की सैटिंग क्वार्टी यानी QWERTY ने की थी। अपने कंप्यूटर कीबोर्ड पर नजर डालिए। अंग्रेजी अक्षरों की पहली पक्ति के पहले छह अक्षर यही हैं।

हम बताएं, आप बनाएं

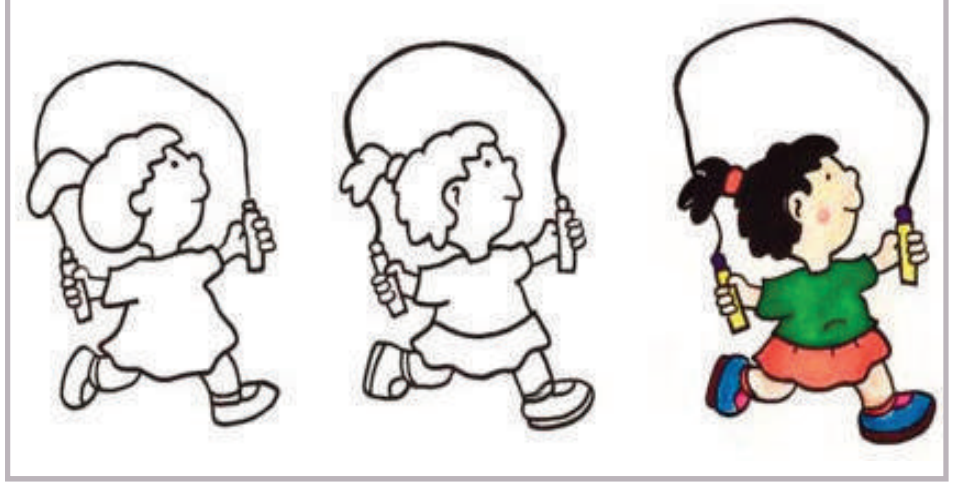

रास्ता ढूंढो

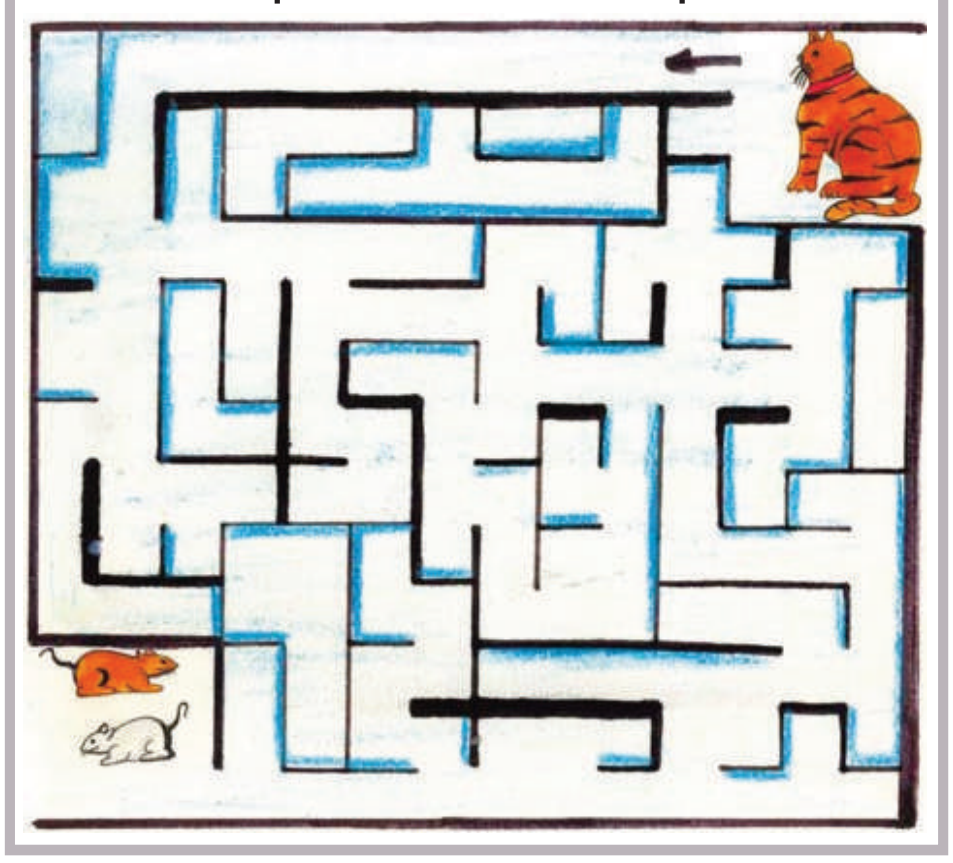

किसने बनाई कुतुबमीनार

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

लघुकथाएँ

बहुरूपिया

काले भैंसे पर बैठे सजे-धजे यमराज ने मेरे दरवाजे पर जोर से आवाज लगाई, 'खबरदार मैं तुझे लेने आया हूँ। तेरी जान लूँगा।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। अभी मैं स्वस्थ और जवान हूँ।'

वह बोला- 'तेरी माँ को ले जाता हूँ। वह बूढ़ी है?'

मैंने कहा- 'नहीं ले जाने दूँगा। उसे नाती-पोते का ब्याह, देखना है।'

वह बोला- 'तो पाँच सौ का नोट निकाल।'

मैंने कहा-'नहीं दूँगा।'

वो बोला 'चल महीने का आखरी दिन है, पचास का ही नोट दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

फिर बोला- 'ला एक कटोरी देशी घी दे दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। इससे तो अच्छा मेरी जान ही ले लो।'

यमराज बोले- 'जान लेने से मेरा पेट नहीं भरेगा। अच्छा तो एक कटोरी आटा ही दे दे।'

तब मैंने कहा- 'अभी लाता हूँ' और मेरे आटा देते ही वह बहुरूपिया दुआ देकर अगले घर को चला गया।

जीप का प्रचलन कैसे हुआ?

बच्चो, किसी चीज का नाम कैसे पड़ता है, यह जानना अपने आप में बहुत रौचक है। कई ऐसे शब्द हैं, जिनका प्रचलन बस यूं ही खेल-खेल में हो गया। आज हम आपको ऐसे शब्द के बारे में बताने लगे हैं, जो आपने अक्सर सुना होगा। सुना ही नहीं आपने इसे देखा भी होगा। यह शब्द है 'जीप'। युवाओं की यह पसंदीदा सवारी मानी जाती है। यह शब्द कैसे अस्तित्व में आया, आइए जानें-

इसके प्रचलन में आने में कई रोचक बातें शामिल हैं। यह शब्द सबसे पहले अमरीका में प्रयोग किया गया।

जीप यानी ऐसी गाड़ी, जो आज से पहले सबसे अधिक दिखने वाले वाहनों में आती थी और जिसे आज भी लोग तथा सेना में फौजियों और सामान को लाने ले जाने में प्रयोग किया जाता है। मगर फौजियों को ढोने से पहले इसके बारे में कई रोचक बातें भी प्रचलित हुईं। जब यह अजीब-सा बक्सानुमा वाहन अपनी उत्पत्ति के दौर से गुज़र रहा था उसी दौरान यह शब्द 'जीप' अपने नए-नए अर्थों में सामने आ रहा था।

चार पहियों वाली इस आधा टन भारी गाड़ी को अमरीकी फौज के खास उद्देश्य के लिए सितंबर 1940 में तैयार किया गया, लेकिन इस के डिजाइन की तैयारी और इसके नाम की शुरुआत 30 के दशक में ही शुरू हो चुकी थी। वास्तव में इसी तरह की एक गाड़ी का डिजाइन एक टैंक कैप्टेन ने 1932 में तैयार किया था, लेकिन उसने उसका कोई नाम नहीं रखा था। उसके बाद से इस पूरे दशक में इसकी तैयारी में कम से कम तीन विभिन्न निर्माता शामिल रहे। इसी बीच शब्द जीप भी अपने विकास के चरणों से गुजरता रहा। पहले-पहल फौजी शब्दावली में इसका अर्थ 'रंगरूट' लिया गया, फिर इसे एक बेढ़ब और अनुपयुक्त या न फिट होने वाले कोट के अर्थ में लिया जाने लगा, और फिर इसे थोड़े दिनों तक पाइलटों के सहप्रशिक्ष को के लिए भी इस्तेमाल किया गया।

उसी जमाने में 16 मार्च 1936 में 'यूजीन दी जीप' (Eugene the Jeep) का पात्र पोपाइ कॉमिक्स (Popeye Comics) में शामिल किया गया। यह पात्र यूजीन देखने में यूं तो छोटा था, लेकिन वह बहुत शक्तिशाली प्राणी था, जोकि 'जीप जीप' चिल्लाया करता था। शब्द जीप की इस पृष्ठभूमि और इसके विभिन्न अर्थों में प्रयोग ने फौजी और आम जनता के इस नए वाहन को जीप का नाम दे दिया, जोकि आने वाली नई नस्ल के लिए दुनिया भर में एक ही अर्थ में प्रयोग होने वाला शब्द बन गया। दूसरे विश्व-युद्ध में अमरीकी फौजियों ने जीप और उसके अर्थ को पूरे विश्व में फैला दिया। विश्व-युद्ध के बाद जीप ने सामान्य नागरिक में अपनी पकड़ बनाई और इस डब्बे-नुमा चार पहिया वाहन (जो चारों ओर से खुला हुआ होता था) का सामान्य और जोखिम भरे कार्यों के लिए प्रयोग होने लगा। आज यह गाड़ी बहुत पसंद की जाती है। इसका प्रयोग अधिकतर भारी कामों और दुर्गम रास्तों पर अधिक होता है।

वित्त मंत्री ने कहा, पटरी पर आया चरमराया बैंकिंग सिस्टम

बैंकिंग व्यवस्था सुधरी, अर्थ व्यवस्था मजबूत हुई

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)। भारत की बैंकिंग व्यवस्था को किस तरह से मोदी सरकार न सिर्फ पटरी पर लेकर आई है, बल्कि इसे भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तम्भ भी बनाया है, इसे लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है, हाल ही में भारत के बैंकिंग क्षेत्र ने 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

निर्मला सीतारमण ने समझाया कि कैसे यह 2014 से पहले की स्थिति के बिल्कुल विपरीत है जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र को खराब ऋणों, निहित स्वार्थों, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के दलदल में बदल दिया था। एनपीए संकट के बीज तब फोन बैंकिंग के जरिए बोए गए थे, जब यूपीए नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों के दबाव में अयोग्य व्यवसायों को लोन दिए गए थे। यूपीए के शासन में बैंकों से लोन प्राप्त करना अक्सर मज़बूत व्यावसायिक प्रस्ताव के बजाय शक्तिशाली कनेक्शन पर निर्भर करता था।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि कैसे उस दौरान बैंकों को इन लोन को मंज़ूरी देने से पहले उचित परिश्रम और जोखिम मूल्यांकन की उपेक्षा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे गैर-निष्पादित आस्तियों (नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स) और संस्थागत भ्रष्टाचार में भारी वृद्धि हुई। कई बैंकों ने अपने खराब ऋणों को ङ्गसदाबहारफ या पुनर्गठन करके रिपोर्ट करने से परहेज किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और आरबीआई द्वारा परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा (एसेट क्वालिटी रिव्यु) जैसे विभिन्न उपायों ने एनपीए के छिपे हुए पहाड़ों का खुलासा किया और उन्हें छिपाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली लेखांकन चालों को समाप्त कर दिया।

निर्मला सीतारमण ने कहा, यूपीए के समय में बेपरवाह और अविवेकपूर्ण तरीके से दिए गए ऋणों ने ट्विन बैलेंस शीट की शर्मनाक विरासत पैदा की, जो हमें 2014 में विरासत में मिली। इस समस्या ने देश को विकास के लिए ज़रूरी ऋण प्रवाह से वंचित कर दिया। बैंक नए उधारकर्ताओं, खासकर एमएसएमई को ऋण देने में अनिच्छुक हो गए, जो आर्थिक विकास और रोजगार सृजन की रीढ़ हैं। ऋण वृद्धि एक दशक के निचले स्तर पर आ गई। उच्च प्रावधान के कारण बैंकों को भारी नुकसान और पूंजी का क्षरण भी झेलना पड़ा। बैंकों द्वारा 2014 से पहले दिए गए ऋणों के लिए अपने एनपीए का पारदर्शी रूप से खुलासा करने के बाद, वित्त वर्ष 2017-

18 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का सकल एनपीए 14.6 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गया।उन्होंने जानकारी दी कि आरबीआई के दो पूर्व गवर्नरों ने यूपीए शासन द्वारा छोड़ी गई व्यवस्था में गिरावट के स्तर को खुले तौर पर उजागर किया है। साथ ही याद दिलाया कि कैसे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भाग लेने वाले रघुराम राजन ने यूपीए काल के दौरान एनपीए संकट को अतार्किक उत्साह की ऐतिहासिक घटना बताया था। इसी तरह उर्जित पटेल ने कहा था कि यूपीए के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कामकाज नौकरशाही की जड़ता और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण एक स्थायी कमी से ग्रस्त था।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कथन का लब्बोलुबाव यह है कि एनपीए संकट ने करोड़ों महत्वाकांक्षी भारतीयों के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक ऋण को रोक दिया, जो स्टार्ट-अप स्थापित करना चाहते थे और छोटे व्यवसायों का विस्तार करना चाहते थे। यूपीए ने लुटियंस दिल्ली में वंशवाद और दोस्तों का पक्ष लिया, जबकि भारतीयों के एक बड़े हिस्से को बीच में छोड़ दिया। जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली तो ये दोस्त अभियोजन के डर से भाग गए।

निर्मला सीतारमण ने आरोप लगाया कि जो लोग अब बैंकों के राष्ट्रीयकरण का श्रेय लेते हैं, उन्होंने देश के गरीब और मध्यम वर्ग को दशकों तक बैंकिंग से वंचित रखा, जबकि उनके नेता और सहयोगी भ्रष्टाचार की सीढ़ियाँ चढ़ते रहे। बैंकिंग क्षेत्र में सुधार का श्रेय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व को दिया। उन्होंने बता कि मोदी सरकार ने व्यापक और दीर्घकालिक सुधारों के माध्यम से बैंकिंग क्षेत्र में यूपीए के पापों का प्रायश्चित किया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ 2015 की ज्ञान संगम बैठक ने इन महत्वपूर्ण सुधारों की शुरुआत की।

अपनी सरकार के प्रयासों को गिनाते हुए उन्होंने बताया कि सरकार ने एनपीए को पारदर्शी रूप से पहचानने, समाधान और वसूली, पीएसबी को पुनर्पूंजीकृत करने और सुधार की एक व्यापक 4-आर रणनीति लागू की। हमारे सुधारों ने ऋण अनुशासन, वित्तीय तनाव की पहचान और समाधान, जिम्मेदार उधार और बेहतर शासन को संबोधित किया। मोदी सरकार ने बैंकों में राजनीतिक हस्तक्षेप की जगह पेशेवर ईमानदारी और स्वतंत्रता अपनाई। गैर-कार्यकारी अध्यक्षों और पूर्णकालिक निदेशकों के पारदर्शी चयन के लिए बैंक्स बोर्ड ब्यूरो (बीबीब) बनाया गया।

मोदी सरकार द्वारा उठाए गए अन्य क़दमों की बात करें तो मिशन इंद्रधनुष के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनर्पूंजीकरण के लिए 3.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी डाली गई। 2015 में बड़े मूल्य के बैंक धोखाधड़ी से संबंधित समय पर पता लगाने और जांच के लिए एक रूपरेखा जारी की गई। तेजी से वसूली के लिए इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) लाई गई। भगोड़े आर्थिक अपराधियों की संपत्ति जब्त करने के लिए 2018 का भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम बनाया गया। इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सिक्युरिटाइजेशन एंड रीकंस्ट्रक्शन ऑफ फिनांशियल एसेट्स एंड इन्फोर्समेंट ऑफ सिक्युरिटीज़ इंटरेस्ट एक्ट (सारफेसी) में संशोधन किया गया।

इसी तरह मोदी सरकार ने पिछले 5 वर्षों के दौरान, बैंकों ने सारफेसी एक्ट के माध्यम से 1.51 लाख करोड़ की वसूली की है। ऋण वसूली न्यायाधिकरण का वित्तीय क्षेत्राधिकार 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दिया गया, ताकि वह उच्च मूल्य के मामलों पर ध्यान केंद्रित कर सके, जिसके परिणामस्वरूप बैंकों के लिए अधिक वसूली हो सके। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने कठोर वसूली के लिए तनावग्रस्त परिसंपत्ति प्रबंधन वर्टिकल बनाए, प्रभावी निगरानी के लिए मंजूरी से पहले और बाद की अनुवर्ती भूमिकाओं को अलग किया। उच्च मूल्य के ऋणों में निगरानी भूमिकाओं को मंजूरी देने वाली भूमिकाओं से अलग किया गया।

इतना ही नहीं, मोदी सरकार द्वारा 250 करोड़ से अधिक के ऋणों की प्रभावी निगरानी के लिए विशेष निगरानी एजेंसियों को तैनात किया गया। समय पर और बेहतर वसूली सुनिश्चित करने के लिए वन टाइम सेटलमेंट प्लेटफॉर्म स्थापित किए गए। 500 करोड़ से अधिक की तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए 2021 में नेशनल एसेट रिकंसट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआर-सीएल) की स्थापना की गई, जिससे बैंकों के लिए अधिक मूल्य की वसूली हुई। बैंकों के प्रबंधन में सुधार के लिए इनहांस्ड एक्सेस एंड सर्विस एक्सिलेंस (ईज़) सुधारों के विभिन्न चरण शुरू किए गए हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि झूठ फैलाने की आदत रखने वाला विपक्ष गलत दावा करता है कि उद्योगपतियों को दिए गए कर्ज को माफ किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वित्त और अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञ होने का दावा करने के बावजूद, यह अफसोस की बात है कि विपक्षी नेता अभी भी राइट-ऑफ (राइट ऑफ) और माफ़ी के बीच अंतर नहीं कर पा रहे हैं। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार राइट-ऑफ के बाद, बैंक सक्रिय रूप से खराब ऋणों की वसूली करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी उद्योगपति के लिए कोई माफ़ी नहीं हुई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने आंकड़े गिनाते हुए बताया कि 2014 से 2023 के बीच, बैंकों ने खराब ऋणों से 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वसूली की। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लगभग 1105 बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच की है, जिसके परिणामस्वरूप 64,920 करोड़ की आपराधिक आय जब्त की गई। दिसंबर 2023 तक 15,183 करोड़ की संपत्ति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को वापस कर दी गई है। खराब ऋणों की वसूली में कोई ढील नहीं बरती गई है, विशेष रूप से बड़े डिफाल्टर से, और यह प्रक्रिया जारी है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बैंकिंग क्षेत्र में एक तरह के समुद्र मंथन के दौरान अपेक्षित चुनौतियों के साथ-साथ सकारात्मक परिणाम भी दिए। तनाव की पहचान, तनावग्रस्त खातों के समाधान, पुनर्पूंजीकरण और बैंकों में सुधारों के लिए हमारी सरकार की नीतिगत प्रतिक्रिया के कारण, 2014 के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की वित्तीय सेहत और मजबूती में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हमने बैंकों को एनपीए से लदे दु:स्वप्न से जन कल्याण के स्तंभ में बदल दिया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 1.41 लाख करोड़ का अब तक का सबसे अधिक कुल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2014 के 36,270 करोड़ से लगभग 4 गुना अधिक है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में शेयरधारकों को 27,830 करोड़ का लाभांश घोषित किया (भारत सरकार का हिस्सा 18,088 करोड़); इन निधियों का उपयोग कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाता है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का नेट एनपीए मार्च 2024 में घटकर 0.76 प्रतिशत रह गया जो मार्च 2015 में 3.92 प्रतिशत था, और मार्च 2018 में 7.97 प्रतिशत था। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल एनपीए औसत मार्च 2024 में घटकर 3.47 प्रतिशत रह गया, जो 2015 में 4.97 प्रतिशत था और मार्च 2018 में 14.58 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2024 में बैंक ऋण वृद्धि (गैर-खाद्य) 16 प्रतिशत रही, जो पिछले दस वर्षों में सबसे अधिक है।

उन्होंने बताया कि बैंकिंग क्षेत्र के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार के बिना यह संभव नहीं होता। लिक्विडिटी बढ़ी है, प्रॉविज़निंग कवरेज रेशियो (पीसीआर) 2015 में 46.04 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 92.99 प्रतिशत हो गया। पूंजी पर्याप्तता (कैपिटल एडिक्वेसी) में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, कैपिटल टू रिस्क एसेट्स रेशियो (सीआरए-आर) मार्च 2015 में 11.45 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 15.53 प्रतिशत हो गया है। क्रेडिट जोखिम के लिए मैक्रो स्ट्रेस टेस्ट से पता चलता है कि बैंक अच्छी तरह से पूंजीकृत हैं और सभी बैंक प्रतिकूल तनाव परिदृश्यों में भी न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं का अनुपालन करते हैं।

निर्मला सीतारमण ने बताया कि सुधारों के कारण, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पूंजी (इक्विटी और बॉन्ड) जुटाने की क्षमता में सुधार हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2023-24 के बीच बाजार से 4.34 लाख करोड़ की पूंजी जुटाई है। पहले आरबीआई के प्रॉम्प्ट करेक्टिव एक्शन (पीसीए) ढांचे के तहत रखे गए बैंकों ने महत्वपूर्ण सुधार दिखाया है, जिसके कारण सभी पीसीए प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। कृषि ऋण वित्त वर्ष 2014-15 में 8.45 लाख करोड़ रुपए से 2.5 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 21.55 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

कृषि क्षेत्र में किए गए कार्यों को लेकर उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना ने किसानों को समय पर और परेशानी मुक्त ऋण प्रदान किया है, जिसमें 7.36 करोड़ से अधिक सक्रिय केसीसी खाते हैं। 2020 से, जमा बीमा कवरेज सीमा 1 लाख रुपये से बढ़कर 5 लाख रुपए हो गई है। इसे आखिरी बार 1993 में 30,000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपए किया गया था। सितंबर 2023 तक, 97.93 प्रतिशत खाते और कुल कर योग्य जमा का 44.2 प्रतिशत डीआईसीजीसी के तहत पूरी तरह से सुरक्षित है।

आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2013-14 के अंत में, केवल 92.94 प्रतिशत खाते पूरी तरह से सुरक्षित थे और 31.2 प्रतिशत कर योग्य जमा का बीमा किया गया था। एक मजबूत बैंकिंग क्षेत्र एक ऐसा जहाज है जिस पर अर्थव्यवस्थाएं चलती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि मोदी सरकार देश की बैंकिंग प्रणाली को मजबूत और स्थिर बनाने के लिए निर्णायक कदम उठाती रहेगी, ताकि 2047 तक विकसित भारत के विकास पथ पर बैंकों का समर्थन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि वंशवादी दलों वाली यूपीए गठबंधन ने बैंकों का इस्तेमाल अपने परिवार कल्याण के लिए किया गया, इसके विपरीत हमारी सरकार ने बैंकों का इस्तेमाल जन कल्याण के लिए किया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मानें तो भारत में बैंकिंग के विस्तार के प्रयास दशकों तक विफल रहे, क्योंकि कांग्रेस ने बैंकों के राष्ट्रीयकरण से परे सीमित कदम उठाए, जिससे मुख्य रूप से शिक्षित और कुलीन वर्ग को लाभ हुआ। 2014 से पहले, बैंकिंग की पहुंच मुख्य रूप से शहरों तक ही सीमित थी। आजादी के 68 साल बीत जाने के बावजूद, 68 प्रतिशत से भी कम आबादी के पास बैंक खाते हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग को कर्जदारों पर निर्भर रहना पड़ता है, जो ऊंची दरें वसूलते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने बैंकिंग सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जन धन और मुद्रा जैसी समावेशी योजनाएं शुरू कीं।

मोदी सरकार के अनुसार, उसने वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने में बैंकों को भागीदार माना है। 52 करोड़ से ज़्यादा प्रधानमंत्री जन धन योजना खाते हैं, जिनमें 2.31 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा जमा हैं। 55 प्रतिशत से ज़्यादा जन धन खाते महिलाओं के हैं और 66 प्रतिशत से ज़्यादा ग्रामीण इलाकों में हैं। कोविड के दौरान 20.64 करोड़ महिलाओं को सीधे उनके जन धन खातों में पैसे मिले। आज भारत भर में लगभग सभी नागरिकों के पास 5 किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग टचपॉइंट्स तक पहुंचे हैं।

वहीं जैम ट्रिनिटी पीएम मोदी की गरीब कल्याण पहल की नींव बन गई है, जो डीबीची को सक्षम करके और लीकेज को खत्म करके जीवन में काफी सुधार ला रही है। जन सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से, मोदी सरकार ने गरीबों को अनिश्चितताओं से बचाने के लिए बहुत कम प्रीमियम पर किफायती बीमा उपलब्ध कराया। पीएम सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) सालाना सिर्फ 20 रुपए के प्रीमियम पर 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करती है। इसके 44 करोड़ से अधिक लाभार्थी हैं और 2,688 करोड़ के दावों का निपटारा किया जा चुका है।ठीक इसी तरह पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) सालाना 436 रुपए के प्रीमियम पर 2 लाख रुपए का जीवन बीमा कवर प्रदान करती है। इसके 20 करोड़ से अधिक लाभार्थी हैं और 15,671 करोड़ के दावों का निपटारा किया जा चुका है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को एक स्थिर पेंशन प्रदान करती है। इसके 6.5 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपथ्य में...

जिस तरह बिहार के छपरा में मतदान के दौरान लालू यादव की बेटी एवं राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य ने पहुंच कर हिंसा भड़काई, ठीक वैसा ही माहौल काउंटिंग सेंटरों पर भी बना दिया जाए। ऐसी स्थिति में सुरक्षा बलों को बहुत सतर्क रहने की ज़रूरत है। यदि पोलिंग एजेंट्स को हिंसा भड़काने की ट्रेनिंग दी जा रही हो या उन्हें यह सिखाया जा रहा होगा कि तनाव कैसे पैदा किया जाए, तो यह वाकई अत्यंत गंभीर मसला है।इसके लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कैसे करना है, इसमें विपक्ष पारंगत है। सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो डाले जाएंगे, कहीं कुछ तकनीकी गड़बड़ी भी हुई तो उसे कुछ ऐसा बड़ा बना कर दिखाया जाएगा जैसे देश भर में ईवीएम हैक कर लिए गए हों और मतगणना करने वाले कर्मचारियों को परेशान किया जाएगा। मतगणना वाले दिन सोशल मीडिया पर ऐसे प्रपंच को रोकने के लिए हमें तैयार रहना चाहिए। पोलिंग एजेंट्स कौन हैं, इसकी पहले से ही जांच हो जानी चाहिए।

दूसरी बड़ी बात नीलू व्यास थॉमस कहती है कि एग्जिट पोल्स से कैसे निपटा जाए, इसकी भी तैयारी चल रही है। सबको पता है कि शनिवार 1 जून 2024 की शाम को अंतिम 7वें चरण का मतदान समाप्त होने के साथ ही सभी टीवी चैनल और सर्वे करने वाले संस्थान अपना-अपना एग्जिट पोल जारी करेंगे और बताएंगे कि किस पार्टी को संभावित कितनी सीटें आ सकती हैं। स्पष्ट है, विपक्ष को नज़र आ रहा है कि इसमें भाजपा को पूर्ण बहुमत प्राप्त करते हुए दिखाया जाएगा क्योंकि जमीनी हालात भी यही है।विपक्ष को इसका पूरा अंदाज़ा है कि उसकी हार हो रही है। टीवी चैनलों पर उनके प्रवक्ता एग्जिट पोल्स के दौरान तमाम हथकंडे अपनाएंगे। मुद्दों को घुमाएंगे और भड़काऊ बातें करेंगे। सवाल कुछ और होगा, बौखलाहट में जवाब कुछ और दिया जाएगा। मीडिया संस्थानों के आंकड़ों को देख कर उन्हें गोदी मीडिया बताया जाएगा। जिस तरह से प्रतिष्ठित पत्रकारों के लिए कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी चमचा और चमची जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल कर रहे हैं, महिलाओं तक को नीचा दिखा रहे हैं, उससे साफ़ है कि उनकी नीयत क्या है।तीसरी बड़ी बात जो नीलू व्यास थॉमस ने कही है, वो ये है कि इस चुनाव को न्यायपालिका के दरवाजे तक भी ले जाया जा सकता है। ये भी कोई नई बात नहीं है। आप देखिए, अनुच्छेद-370 को निरस्त किए जाने से लेकर राफेल लड़ाकू विमान सौदा तक, हर मामले को विपक्ष सुप्रीम कोर्ट तक लेकर गया। सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ फ्रांस के साथ हुए राफेल सौदे पर मोदी सरकार को क्लीन-चिट दी, बल्कि अनुच्छेद-370 को निरस्त किए जाने वाले फैसले को भी बरकरार रखा।आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल और झारखंड मुक्ति मोर्चा के हेमंत सोरेन जैसे नेताओं को जेल हुई, इन सबको अदालत के आदेश के बाद ही न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इसके बाद अब न्यायपालिका पर भी सवाल उठाने शुरू कर दिए गए हैं। ध्यान दीजिए, ये आज से नहीं हो रहा। राम मंदिर का फैसला जब तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने नवंबर 2019 में सुनाया था, तभी से सुप्रीम कोर्ट का बायकॉट किया जा रहा है। बाबरी ज़िंदा है वाले ट्रेंड इसी मुहिम का हिस्सा है।चौथी और सबसे अधिक खतरनाक बात जो नीलू थॉमस ने कही है, वह है तथाकथित जन-आंदोलन की। विपक्ष के लिए जन-आंदोलन क्या होता है? 3 महीने तक शाहीनबाग की खातूनों द्वारा दिल्ली को बंधक बना कर रखा गया। एक साल तक किसान आंदोलन के नाम पर दिल्ली की सीमाओं पर कब्ज़ा करके रखा गया। क्या फिर ऐसा ही दोहराने की तैयारी है? शाहीनबाग षडयंत्र से कारोबारियों को 200 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, जबकि किसान आंदोलन से उत्तर भारत के राज्यों को प्रतिदिन 500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।शाहीनबाग षडयंत्र के जरिए मुस्लिमों को भड़काया गया, देशभर में सीएए के खिलाफ झूठ फैलाया गया, किसान आंदोलन का इस्तेमाल जाटों और सिखों को भड़काने के लिए किया गया। किसान आंदोलन को खालिस्तानियों ने हाईजैक कर लिया। गणतंत्र दिवस के दिन लाल किला पर चढ़ कर खालिस्तानी झंडा फहरा दिया गया, राष्ट्रध्वज तिरंगे का अपमान हुआ। वहीं शाहीनबाग के बाद दिल्ली में दंगा कराया गया, जिसने 50 से अधिक लोगों की जान ले ली। मंदिरों-स्कूलों को निशाना बनाया गया। करोड़ों रुपए की सम्पत्ति का नाश हुआ वह अलग।किसी भी देश के महाशक्ति बनने की पहली शर्त है वहां के समाज का सम्पन्न होना। लोगों के पास पैसा ही नहीं होगा, तो देश महाशक्ति कैसे बनेगा। यही कारण है कि आन्दोलनों के नाम पर बार-बार राष्ट्रीय राजधानी को बंधक बनाया जाता है क्योंकि इससे एक तीर से दो निशाना साधा जाता है। पहला, मीडिया की फुटेज खूब मिलती है। दूसरा, कारोबारियों को अधिक घाटा होता है। कारोबार जितना घटेगा, सरकार को उतनी परेशानी होगी और विपक्ष को उतनी ही ख़ुशी मिलेगी।और राहुल गांधी के लिए जन-आंदोलन का अर्थ क्या है? याद कीजिए मई 2022 में लंदन में एक कन्क्लेव को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा ने पूरे भारत में केरोसिन तेल छिड़क रखा है और एक चिंगारी से पूरे देश में आग लग जाएगी। उन्होंने भारत में ध्रुवीकरण और मीडिया पर भाजपा के प्रभाव का दावा करते हुए कहा था कि भारत फ़िलहाल सही स्थान पर नहीं है। सोचिए, विदेश जाकर अपने देश के संबंध में इस तरह की बातें करने के पीछे और क्या मकसद रहा होगा?अब आगे क्या साजिश है? 120 संगठनों, जो खुद को नागरिक संगठन बताते हैं, उन्होंने चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करते हुए भविष्यवाणी कर दी है कि मतगणना वाले दिन गड़बड़ी होगी। चुनाव आयोग को बदनाम करने के लिए इनलोगों ने 6 घंटे बैठक की, आगे और भी बैठकों की योजना है। सिविल सोसाइटी के नाम पर अब दंगों की साजिश है। मतदान के सारे आंकड़े जारी किए जा रहे हैं, फिर भी झूठ बोला जा रहा है कि चुनाव आयोग डेटा नहीं दे रहा।इन संगठनों में विपक्ष के नेता शामिल हैं, पूर्व अधिकारियों को इसमें रखा गया है। ये वही वर्ग है जो खुद को बुद्धिजीवी बता कर कुछ भी बक देता था और लोग इनका यकीन कर लेते थे। अब इन्हें कोई नहीं सुन रहा। ध्रुव राठी जैसे यूट्यूबरों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बार-बार तानाशाह बताया जाना इसी क्रम का हिस्सा है। जन-कल्याणकारी योजनाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्यों और विदेश में भारत की चमकती छवि को दबाने के लिए कुछ तो नकारात्मकता फैलानी होगी, विपक्ष यही करने में लगा हुआ है।

विकसित भारत...

विवेकानंद शिला पर विवेकानंद स्मारक बनाने के लिए भी लंबा संघर्ष चला है। इसमें एकनाथ रानाडे ने बड़ी भूमिका निभाई थी।पीएम मोदी ने गुरुवार को पंजाब के होशियारपुर में रैली के साथ अपने चुनाव प्रचार का समापन किया। सातवें आखिरी चरण के लिए 1 जून को मतदान सम्पन्न हुआ। इसके साथ ही प्रधानमंत्री की साधना भी सम्पन्न हुई। भाजपा को एक बार फिर सत्ता में लाने के लिए पीएम मोदी ने धुआंधार प्रचार किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 मार्च को कन्याकुमारी से ही अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत की थी। बीते 75 दिनों में प्रधानमंत्री ने 183 चुनावी कार्यक्रमों में शिरकत की। इनमें चुनावी रैलियां-रोड शो शामिल हैं। इनके अलावा पीएम मोदी ने विभिन्न मीडिया संस्थानों को 80 के करीब इंटरव्यू भी दिए, जिनमें सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों पर चर्चा की। साथ ही विपक्षी पार्टियों को विभिन्न मुद्दों जैसे धर्म के आधार पर आरक्षण, सीएए, अयोध्या के राम मंदिर और अनुच्छेद 370 के मुद्दों पर घेरा।कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक दिन पहले पीए मोदी के ध्यान पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि राजनीति में धर्म को नहीं लाना चाहिए। राजनीति और धर्म अलग-अलग विषय है। पीएम मोदी वहां कन्याकुमारी में क्या ड्रामा कर रहे हैं, वहां करीब 10 हजार लोग हैं। यह देश के पैसे की बर्बादी है। देश में आचार संहिता लागू है। इसका खर्च कौन उठाएगा। अगर आपको इतनी ही आस्था है तो आप अपने घर पर यह काम करें। अपनी जेब से खर्च उठाएं।

पीएम पद ...

बैठक में कांग्रेस से मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल। आम आदमी पार्टी से अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान, संजय सिंह, राघव चड्ढा। समाजवादी पार्टी से अखिलेश यादव। एनसीपी से शरद पवार, जितेंद्र अव्हाड। डीएमके से टीआर बालू। राजद से तेजस्वी यादव और संजय यादव। झामुमो से चंपई सोरेन और कल्पना सोरेन। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस से फारूक अब्दुल्ला। भाकपा से डी. राजा। माकपा से सीताराम येचुरी। शिवसेना (यूबीटी) से अनिल देसाई, भाकपा (माले) से दीपांकर भट्टाचार्य और वीआईपी से मुकेश साहनी शामिल हुए।बैठक के बाद समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। जो समुद्र की ओर चेहरा करके बैठे हैं, उसकी सच्चाई ये है कि उन्होंने जनता की ओर पीठ कर लिया है। इस बार जनता भी उनके खिलाफ खड़ी हो गई है। विपक्षी गठबंधन में आगे की रणनीति पर जो मंत्रणा हुई, उसके बारे में विपक्षी नेताओं ने चुप्पी बनाए रखी। जबकि लोगों की निगाहें इसी तरफ लगी हुई थीं कि विपक्षी गठबंधन मतगणना के दिन देशभर में वितंडा खड़ा करने की अभी से ही तैयारियों में लगा हुआ है।

बंगाल में...

इसके साथ ही बीते ढाई महीने से चल रही चुनाव की प्रक्रिया अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गई। अब सभी को 4 जून का इंतजार रहेगा, जब नतीजे आएंगे।इस पूरे चुनाव में मत प्रतिशत चर्चा का प्रमुख विषय बना है। शुरुआत में विपक्ष ने चुनाव आयोग पर देरी से वोटिंग के आंकड़े देने का आरोप लगाया जिसका आयोग ने खंडन किया। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष ने पहले ही हार मान ली है। इन तमाम आरोप-प्रत्यारोपों के बीच चुनाव आयोग ने पांच चरण में मतदान करने वाले मतदाताओं के आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों से पता चलता है कि अब तक के छह चरण में 2019 के मुकाबले मत प्रतिशत गिरा है। हालांकि, मतदान करने वालों के आंकड़े बढ़ गए। 2019 में छठे चरण तक 55.22 करोड़ लोगों ने मतदान किया था जबकि इस बार ये आंकड़ा 57.76 करोड़ हो गया है।

2019 के लोकसभा चुनाव में करीब 91 करोड़ मतदाता थे। इनमें से 61.46 करोड़ मतदाताओं ने वोट डाला था। इस बार मतदाताओं का यह आंकड़ा बढ़कर 96.88 करोड़ हो गया है। सातवें चरण में शाम पांच बजे तक कुल 63.65 करोड़ मतदाता अब तक वोट डाल चुके हैं। यानी, सातवें चरण की पांच बजे तक की वोटिंग में ही कुल 2.19 करोड़ ज्यादा वोट पड़ चुके थे।लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई थी। अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची के मुताबिक, देशभर में कुल 96.88 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत थे। देश में पुरुष मतदाताओं की संख्या 49.7 करोड़ है, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 46.5 करोड़ था। दूसरी ओर महिला मतदाता 47.1 करोड़ हैं जो पिछले चुनाव में 43.1 करोड़ थी। चुनाव आयोग के अनुसार मतदाता सूची में 2.63 करोड़ से अधिक नए मतदाताओं को शामिल किया गया था। इनमें से लगभग 1.41 करोड़ महिला मतदाता जबकि 1.22 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। नए महिला मतदाताओं की संख्या नए पुरुष मतदाताओं के मुकाबले 15 प्रतिशत अधिक है।2019 में देशभर में लोकसभा चुनाव के लिए कुल 91.05 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। चुनाव में 61.08 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। इस तरह से 2019 के लोकसभा चुनावों में 67.01 प्रतिशत वोट पड़े थे जिसमें से पुरुषों ने 67.02 प्रतिशत, महिलाओं ने 67.18 प्रतिशत और अन्य ने 14.64 प्रतिशत वोटिंग की थी।लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 102 सीटों के लिए वोट डाले गए थे। 2019 में इन 102 सीटों 69.96 फीसदी वोट पड़े थे जबकि इस बार 66.14 प्रतिशत मतदान हुआ है। दूसरे दौर में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर मतदान हुआ था। पिछले चुनाव में इन 88 सीटों पर कुल 70.09 फीसदी मतदान हुआ था जबकि इस बार का आंकड़ा 66.71 प्रतिशत रहा। यहां ध्यान देने वाली बात है कि मणिपुर की बाहरी मणिपुर लोकसभा सीट के 15 विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान हुआ था, जबकि अन्य 13 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण में मतदान कराया गया था।11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 सीटों पर तीसरे चरण का मतदान हुआ था। इन 93 सीटों पर 2019 में कुल 66.89 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था जबकि इस बार 65.68 प्रतिशत वोटिंग हुई। 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर चौथे चरण में मतदान हुआ। इन 96 सीटों पर 2019 में कुल 69.12 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। वहीं, इस बार 69.16 फीसदी मतदान हुआ है।20 मई को पांचवें चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान कराया गया। निर्वाचन आयोग की तरफ से वोटर टर्नआउट मोबाइल एप पर जारी आधिकारिक आंकड़े के अनुसार, पांचवें चरण की 49 सीटों पर 62.20 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि, इस आंकड़े में बदलाव संभव है। 2019 में इन 49 सीटों पर 62.01 फीसदी मतदान हुआ था। 25 मई को छठे चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर मतदान हुआ। छठे दौर में 63.37 प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 के चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22 प्रतिशत फीसदी वोटिंग हुई थी।पहले चरण में 102 सीटों पर कुल 16.63 करोड़ मतदाता थे और कुल मिलाकर 11 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। 2019 में पहले चरण की इन 102 सीटों पर कुल 15.74 करोड़ मतदाता थे और कुल मिलाकर 11.01 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। दूसरे दौर में 88 सीटों पर कुल कुल 15.86 करोड़ मतदाताओं में से 10.58 करोड़ ने वोट डाला। पिछले चुनाव में दूसरे चरण की इन 88 सीटों पर 14.86 करोड़ मतदाता थे और कुल 10.41 करोड़ लोगों ने मतदान किया था।2024 में तीसरे चरण में 93 सीटों पर 17.24 करोड़ वोटर थे, जबकि 11.32 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। 2019 में तीसरे दौर की इन 93 सीटों पर 15.92 करोड़ मतदाता थे और कुल 10.65 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। चौथे दौर में 96 सीटों पर कुल 17.70 करोड़ मतदाताओं में से 12.24 करोड़ मतदाताओं ने वोट डाला। पिछले चुनाव में चौथे चरण की इन 96 सीटों पर 16.40 करोड़ मतदाता थे और कुल 11.33 करोड़ लोगों ने वोटिंग की थी।पांचवें चरण में 49 सीटों पर 89.56 करोड़ मतदाताओं में से 55.71 करोड़ लोगों ने वोट डाला। 2019 में हुए चुनाव में पहले पांचवें दौर की इन 49 सीटों पर 8.36 करोड़ मतदाता थे और कुल 5.18 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। 2024 में छठे चरण में 58 सीटों पर 11.13 करोड़ वोटर थे, जबकि 7.05 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया। 2019 में छठे दौर की इन 58 सीटों पर 10.34 करोड़ मतदाता थे और कुल 6.64 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। सातवें दौर में 57 सीटों पर 1 जून को मतदान है। पिछले चुनाव में सातवें चरण की इन 57 सीटों पर 9.48 करोड़ मतदाता थे और कुल 6.19 करोड़ लोगों ने वोटिंग की थी।

चीन फैला रहा...

इन पोस्ट में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत सरकार की बुराई शामिल थी। मेटा ने अपनी आंतरिक जांच टीम के कॉर्डिनेटर इनॉथेंटिक बिहैवियर प्रोग्राम के जरिए इस पूरी रिपोर्ट को सामने रखा है।कम्युनिस्ट चीन भारत के दूसरे पड़ोसी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान का एक मजबूत सहयोगी है और पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के अंदर गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करता रहा है। कोरोना महामारी के दौरान एलएसी पर चीन-भारत के बीच काफी तनातनी रही, जो अब तक जारी है। चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश पर दावा करता रहा है, तो भारत के नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में उग्रवाद फैलाने के लिए भी बदनाम रहा है।अब चीन भारत के पंजाब में पाकिस्तान की आईएसआई के साथ मिलकर गड़बड़ी फैलाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान से आए कई ड्रोन, जो भारतीय सीमा के अंदर पकड़े गए हैं, उनका चीनी कनेक्शन भी निकला है। अब वो वैश्विक स्तर पर खालिस्तान के मुद्दे को हवा देने की कोशिश कर रहा है। इसके तहत वो अब ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, नाइजीरिया और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों में खालिस्तान के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है।

तिहाड़ जेल में...

हरिहरन ने कहा, यह निष्फल हो जाएगा। मुझे कल तक इसकी आवश्यकता है। अन्यथा मुझे आत्मसमर्पण करना होगा। न्यायाधीश ने जवाब दिया आपने कहा है कि आप अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि आदेश पांच जून को ही सुनाया जाएगा। केजरीवाल ने ट्रायल कोर्ट में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। एक याचिका में नियमित जमानत की मांग की गई है, जबकि दूसरी याचिका में चिकित्सा आधार पर सात दिनों की अंतरिम जमानत मांगी गई है। उनकी नियमित जमानत याचिका पर सात जून को सुनवाई होनी है।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को उनकी अंतरिम जमानत पर विरोध जताते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट केजरीवाल की याचिका पर विचार नहीं कर सकता, क्योंकि ट्रायल कोर्ट अंतरिम जमानत पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश में संशोधन नहीं कर सकता। ईडी की और से पेश सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा, केजरीवाल ने कल घोषणा की थी कि वह आत्मसमर्पण करने जा रहे हैं। क्या वह जोखिम उठाकर आत्मसमर्पण कर रहे हैं? मैं पूछना चाहता हूं कि क्या उनका बयान वास्तविक था? हमें प्रारंभिक आपत्तियां हैं। उनके स्वास्थ्य के बारे में गलत बयान दिए गए हैं, उन्हें दबाया गया है। हमें अंतरिम जमानत दाखिल करने पर भी आपत्ति है। यह अदालत सुप्रीम कोर्ट के आदेश में संशोधन नहीं कर सकती।एसजी मेहता ने कहा कि केजरीवाल स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में झूठ बोल रहे हैं। विशेष रूप से अंतरिम जमानत के लिए अपनी याचिका में केजरीवाल ने दावा किया था कि गिरफ्तारी के दौरान उनका 6-7 किलोग्राम वजन कम हो गया था, जिसे वे रिहा होने के बाद भी वापस नहीं पा सके। केजरीवाल ने कहा था कि अचानक वजन कम होना, साथ ही कीटोन का उच्च स्तर गुर्दे की क्षति, गंभीर हृदय संबंधी बीमारियों और यहां तक कि कैंसर का संकेत हो सकता है। एसजी मेहता ने आज इस दावे का खंडन करते हुए कहा उनका दावा कि उनका सात किलो वजन कम हुआ है, यह झूठ है। वास्तव में, उनका वजन एक किलो बढ़ा है।केजरीवाल की और से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन कहा आज उनका वजन 64 किलो है। जब उन्हें हिरासत में लिया गया था, तब उनका वजन 69 किलो था। हालांकि, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने भी बाद में ईडी के रुख को दोहराया कि केजरीवाल का दावा झूठा है। राजू ने कहा तिहाड़ में प्रवेश करते समय उनका वजन 64 किलो था। आज वे कहते हैं कि उनका वजन 65 किलो था। उनका वजन एक किलो बढ़ गया है। ये सभी बयान केवल सहानुभूति के लिए हैं।हरिहरन ने तुरंत इस पर आपत्ति जताते हुए कहा जब उन्हें ईडी की हिरासत में लिया गया था, तब उनका वजन 69 किलो था। एएसजी राजू ने भी एसजी मेहता की दलील दोहराई कि अंतरिम जमानत याचिका ट्रायल कोर्ट के समक्ष विचारणीय नहीं थी। (सुप्रीम कोर्ट) के आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वह दो जून तक आत्मसमर्पण कर देंगे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आज तक संशोधित नहीं किया गया है वह तकनीकी रूप से सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं और यह स्वीकार्य नहीं है अंतरिम जमानत के लिए उन्हें हिरासत में होना चाहिए। वह आज हिरासत में नहीं हैं।राजू ने कहा, यदि केजरीवाल धारा 45 की कठोरता तय किए बिना अंतरिम जमानत चाहते हैं, तो उन्हें उच्च न्यायालय जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि केजरीवाल यह बताने में विफल रहे कि जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, तब उन्हें अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने से मना कर दिया गया था।

किंग्स कप के फाइनल में अल हिलाल से हार के बाद फूट फूटकर रोए क्रिस्टियानो रोनाल्डो, सामने आया वीडियो

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) ।

सऊदी अरब की फुटबॉल लीग में अल नस्र से खेलने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो किंग्स कप फाइनल में कट्टर प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार के बाद फूट-फूटकर रोने लगे। मैच का परिणाम अपने पक्ष में नहीं आने के बाद रोनाल्डो मैदान पर लेट गए और रोने लगे। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम में स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद अल हिलाल ने अल नस्र को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया। अल हिलाल के गोलकीपर गोलकीपर यासीन बूनो ने दो सेव किए और अल हिलाल की जीत के हीरो रहे। शूटआउट में अल हिलाल के लिए रुबेन नेवेस और अल नस्र के लिए एलेक्स टेलेस शूट लेने पहुंचे और दोनों ने शॉट मिस किया। इसके बाद अल हिलाल की ओर से एलेक्जेंडर मित्रोविच और नस्र की ओर से रोनाल्डो शूट के लिए पहुंचे और दोनों ने बेहतरीन गोल दागा। हालांकि, इसके बाद अगले तीन प्रयासों तक अल हिलाल और अल नस्र दोनों ही ओर से गोल लगे। पांच प्रयासों के बाद स्कोर 4-4 की बराबरी पर था। फिर सडेन डेथ में अल हिलाल के सऊद अब्दुलहामिद और अल नस्र के अली अलहसन ने अपने-अपने शॉट मिस किए। अगले शॉट में अल हिलाल के नासेर ने तो गोल किया, लेकिन अल नस्र के मेहशारी अपना शॉट चूक गए। ऐसे में अल हिलाल ने 5-4 से जीत हासिल की। पुर्तगाली सुपरस्टार का व्यक्तिगत तौर पर शानदार सीजन था, लेकिन उन्होंने इसे ट्रॉफी रहित समाप्त किया। इससे ही वह दुखी हो गए और इतने संघर्ष के बाद ट्रॉफी नहीं जीत पाने से उनकी आंखों में आंसू आ गए। इस 39 वर्षीय फुटबॉलर ने हाल ही में सऊदी प्रो लीग सीजन में सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ा था। रोनाल्डो ने एक सीजन में 35 गोल किए और उन्होंने पूर्व अल नस्र स्टार अब्दरजाक हमदल्लाह का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 2019 सीजन में 34 गोल किए थे। अल-नस्र सऊदी प्रो लीग में दूसरे स्थान पर रहे। वह अपने प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल से 14 अंक पीछे रहे। अब किंग्स कप की हार के बाद अल नस्र के सीईओ गुइडो फिएंगा ने पुष्टि की कि रोनाल्डो 2023-24 अभियान के दिल तोड़ने वाले अंत के बावजूद अगले सीजन में भी क्लब में बने रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

टी20 वर्ल्ड कपः बुमराह गेंदबाजी में और ट्रेविस बल्लेबाजी में छाए रहेंगे, दोनों ने आईपीएल के 17वें सीजन में किया था शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली । अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को दो बार वनडे वर्ल्ड कप दिला चुके रिकी पोंटिंग का कहना है कि आगामी टी20 वर्ल्ड कप में भारत के जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी में और ऑस्ट्रेलिया के ओपनर ट्रेविस हेड बल्लेबाजी में छाए रहेंगे। बुमराह और हेड ने आईपीएल के 17वें सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। बेशक, मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 में बतौर टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन जसप्रीत बुमराह ने गेंदबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया। बुमराह ने 13 मैच में 20 विकेट झटके जबकि 5 बार की चैंपियन का 17वें सीजन में प्रदर्शन सबसे खराब रहा वहीं ऑस्ट्रेलिया के हेड ने 15 मैच में 567 रन बनाए। पोंटिंग ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा, 'टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट चटकाने के मामले में मैं जसप्रीत बुमराह को चुनूंगा। मुझे लगता है कि वह बेहतरीन गेंदबाज है और कई वर्षों से योगदान कर रहा है। उसने आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन किया है। वह नई गेंद को स्विंग कर सकता है, सीम अप कर सकता है। लेकिन आईपीएल के अंत में उसका इकोनोमी रेट सात रन प्रति ओवर से कम था। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स को कोचिंग देने वाले रिकी पोंटिंग ने कहा, 'वह विकेट लेता है। वह काफी मुश्किल ओवर भी डालता है। जब आप टी20 में इस तरह के मुश्किल ओवर डालते हो तो इससे आपको काफी विकेट झटकने का भी मौका मिलता है। इसलिए मेरी पसंद वही होंगे।' हेड हालांकि आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर रहे लेकिन उन्होंने सभी को अपनी बल्लेबाजी के तरीके से प्रभावित किया। आईपीएल के ज्यादातर समय में उनका स्ट्राइक रेट 200 से अधिक का रहा और उन्होंने 15 मैच में 567 रन बनाए जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल थे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श की फिटनेस पर सस्पेंस, ओमान के खिलाफ नहीं करेंगे गेंदबाजी

पोर्ट ऑफ स्पेन । ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर अब भी सस्पेंस बना हुआ है।

हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से उन्हें फिट बताया जा रहा है लेकिन वह ओमान के खिलाफ बतौर ऑलराउंडर नहीं बल्कि बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे। भारत में आईपीएल खेलने के दौरान मार्श अप्रैल में हैमस्ट्रिंग की चोट का शिकार हो गए थे, जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। टी20 विश्व कप 2024 के आगाज से पहले, इस सप्ताह की शुरुआत में हुए दो अभ्यास मुकाबलों में वह फिर से मैदान पर लौटे। दोनों ही मैचों में उन्होंने पूरी पारी में फील्डिंग नहीं की। हालांकि, एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने पुष्टि की है कि मार्श 6 जून को बारबाडोस में ओमान के खिलाफ मैच खेलेंगे, लेकिन केवल बल्लेबाज के रूप में। गेंदबाजी में उनकी वापसी अभी भी अनिश्चित है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने एंड्रयू मैकडोनाल्ड के हवाले से कहा, मिचेल के लिए, (वार्म-अप मैच) उनके शरीर की स्थिति को परखने के बारे में थे। उन्होंने अधिक ओवर फील्डिंग की, वह अधिक स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ पाए, इसलिए उन्होंने वहां थोड़ा आत्मविश्वास हासिल किया। ऐसा लग रहा है कि वह पहले मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, दूसरा भाग तब होगा जब गेंदबाजी फिर से शुरू होगीज्यह पहला गेम नहीं होगा। मार्श ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान के रूप में सेवानिवृत्त हुए आरोन फिंच की जगह ली।

पहले मैच में मिली हार, दूसरे मैच में उलटफेर कर तृषा-गायत्री ने की सेमीफाइनल में एंट्री

नई दिल्ली । भारतीय महिला युगल जोड़ी तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने दूसरे मैच में उलटफेर करते हुए शानदार जीत दर्ज की। दोनों ने छठी वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरियाई जोड़ी किम सो यियोंग और कोंग ही योंग को कड़े मुकाबले में हराकर सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में 12-18 से पिछड़ रही थी, फिर उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 18-21, 21-19, 24-22 से जीत हासिल की। इस तरह दुनिया की 30वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने पिछले साल हांग्जो एशियाई खेलों में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार की भरपाई कर ली। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी तृषा और गायत्री ने राउंड ऑफ 16 में दुनिया की दूसरे नंबर की कोरियाई जोड़ी बेक हा ना और ली सो ही को हराया था। सेमीफाइनल में तृषा और गायत्री का मुकाबला चौथी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा से होगा।

टी-20 विश्वकप

भारत और आयरलैंड की टीमें 5 जून को होंगी आमने सामने, रोहित शर्मा बल्ले से बना सकते हैं बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) ।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत और आयरलैंड की टीमें 5 जून को आमने सामने होंगी। इस मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा बल्ले से बड़ा रिकॉर्ड बना सकते हैं। वर्ल्ड क्रिकेट में 'हिटमैन' के नाम से विख्यात रोहित के पास धाकड़ ओपनर क्रिस गेल के रिकॉर्ड को तोड़कर टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंचने का मौका है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम अमेरिका पहुंच चुकी है। टीम इंडिया अपने टी20 वर्ल्ड कप के अपने चारों ग्रुप स्टेज के मुकाबले अमेरिका में खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ 3 रन बनाते ही रोहित क्रिस गेल के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर तीसरे नंबर पर आ जाएंगे। गेल ने टी20 वर्ल्ड कप में 33 मैचों की 31 पारियों में 965 रन बनाए हैं जिसमें 2 सेंचुरी और 7 हाफ सेंचुरी शामिल है। वहीं रोहित ने 39 मैचों में 127.88 के स्ट्राइक रेट से 963 रन बनाए हैं। रोहित का बेस्ट स्कोर नाबाद 79 रन है। रोहित के बल्ले से 9 अर्धशतक निकले हैं। टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने 27 मैचों में 1141 रन बनाए हैं जिसमें 14 हाफ सेंचुरी शामिल है। विराट का विश्व कप में बेस्ट स्कोर नाबाद 89 रन है। विराट के बाद दूसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहेला जयवर्धने हैं। जयवर्धने ने 31 मैचों में 1016 रन जुटाए हैं। उनके नाम 1 शतक और 6 अर्धशतक दर्ज हैं। टी20 वर्ल्ड कप में सिर्फ विराट और जयवर्धने ही 1000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं।टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष 5 में शामिल सिर्फ 2 बल्लेबाज ही अभी भी क्रिकेट खेल रहे हैं। बाकी तीन ने संन्यास ले लिया है। विराट और रोहित सक्रिय हैं जबकि जयवर्धन, गेल और तिलकरत्ने दिलशान क्रिकेट छोड़ चुके हैं। ऐसे में इस बाद टॉप 5 में नए खिलाड़ियों की एंट्री हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 806 रन के साथ छठे नंबर पर हैं जबकि इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर 799 रन के साथ सातवें नंबर पर विराजमान हैं। शाकिब अल हसन के नाम 742 रन दर्ज है। बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा रिकॉर्ड 9वीं बार टी20 वर्ल्ड कप में शिरकत करने गए हैं। उन्होंने 2007 से लेकर अभी तक जितने भी टी20 वर्ल्ड कप आयोजित हुए हैं, उन सभी में 'हिटमैन' ने हिस्सा लिया है। भारतीय टीम विंडीज और अमेरिका में आयोजित होने वाले इस विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत कमजोर आयरलैंड टीम के खिलाफ करेगी।

यूट्यूबर जेक पॉल से माइक टायसन का मुकाबला स्वास्थ्य कारणों से स्थगित फैंस को हाथ लगी निराशा

लंदन । माइक टायसन की यूट्यूबर जेक पॉल के खिलाफ रिंग में वापसी को लेकर फैंस को अभी और इंतजार करना होगा। पूर्व हैवीवेट चैंपियन फिलहाल स्वास्थ्य समस्याओं से गुजर रहे हैं और इसी के डर ने उन्हें वापसी करने से रोक लिया। मैच को इसके बाद स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने इसकी पुष्टि की। टायसन जब पिछले मियामी से लॉस एंजिल्स आ रहे थे, तो उन्हें चिकित्सा उपचार की जरूरत पड़ी थी। चक्कर आना की शिकायत के बाद उन्हें ट्रीटमेंट के लिए ले जाया गया था। 20 जुलाई को टेक्सास में पॉल के साथ उनका मैच था। आयोजकों ने एक बयान में कहा कि टायसन को डॉक्टरों के साथ फॉलो-अप के बाद आने वाले हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग की सलाह दी गई है। इसके बाद पता चला की उन्हें अल्सर है, जिसके बढ़ने से उन्हें फ्लाइट में समस्याएं आई थीं। बयान में कहा गया- माइक टायसन को सलाह है कि वह अगले कुछ हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग करें और फिर जब मन करे तब पूरी फिटनेस ट्रेनिंग के लिए लौटें। माइक और जेक दोनों इस बात से सहमत हैं कि यह सुनिश्चित करना उचित है कि दोनों एथलीट इस महत्वपूर्ण मैच के लिए तैयार हैं या नहीं। आयोजकों ने कहा- एथलीट्स का स्वास्थ्य और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम माइक को जरूरी समय लेने में पूरी तरह से समर्थन करते हैं ताकि वह उस स्तर पर प्रदर्शन कर सकें जिसकी वह खुद से अपेक्षा करते हैं।

जलेबी वाले ने गलतियां गिनाई, तो भड़के नसीम शाह

कहा- हम सब इंसान हैं गलतियां सबसे होती हैं, इंग्लैंड से वर्ल्ड कप फाइनल हारे थे

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) ।

बड़ी हार के बाद फैंस की क्रिकेटर्स पर नाराजगी आमबात है, लेकिन उलटा क्रिकेट फैंस पर भड़क जाए ऐसा कम ही होता है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह ने कुछ ऐसा ही किया। मामला 2022 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद का है। इंग्लैंड से फाइनल हारने के बाद पाकिस्तानी पेसर को उनके घर के बाहर जलेबी बेचने वाले ने उन्हें गलतियां गिनाई। इस पर शाह उस जलेवी वाले पर भड़क गए। यह किस्सा नसीम ने खुद द क्रिकेट मंथली के साथ साझा किया है। नसीम ने कहा- 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मिली हार के बाद वो अपने शहर लौट गए थे। वहां जब वो अपने घर के बाहर जलेबी वाले के पास जलेबी लेने गए, तो उसने मुझे फाइनल की गलतियों को बताना शुरू कर दिया। इस पर मैंने कहा मैं आपके यहां पिछले दो साल से जलेबी खा रहा हूं। इस दौरान कई बार जलेबी का शेप गलत थाज्क्या मैंने आपसे इसकी शिकायत की। हम इंसान है हम सबसे गलती हो जाती है। फिर मैंने फाइनल में हुए गलती को स्वीकार करते हुए दुकानदार से माफी मांग ली। वर्ल्ड कप 2022 का फाइनल हारी थी पाकिस्तान

2022 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया था। पाकिस्तान ने पहली बैटिंग करते हुए 8 विकेट खोकर 137 रन बनाए थे। जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 19 ओवर में 138 रन बनाकर जीत हासिल कर ली थी। इसके बाद ही पाकिस्तान की बॉलिंग को लेकर सवाल खड़े हुए थे। पाकिस्तानी टीम अमेरिका पहुंचीं पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप के लिए न्यूयॉर्क पहुंच गई है। वो अपने कैंपेन की शुरुआत 6 जून को मेजबान अमेरिका के खिलाफ करेगी। टीम ने पहले ही टी20 वर्ल्ड कप 2024 में वॉर्म अप मैच खेलने से मना कर दिया है।

निशांत देव ने हासिल किया पेरिस ओलंपिक कोटा,ऐसा करने वाले पहले पुरुष मुक्केबाज बने

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) ।

निशांत देव (71 किग्रा) यहां मुक्केबाजी ओलंपिक क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंचकर पेरिस खेलों के लिए कोटा हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बन गए। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जो पिछले क्वालिफायर में ओलंपिक बर्थ से चूक गए थे, उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मोल्दोवा के वासिल सेबोटारी को 5-0 से हराकर कोटा हासिल किया।

यह भारत का चौथा कोटा स्थान है, जिसमें महिला मुक्केबाज निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीत पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पहले ही पेरिस के लिए अपना रास्ता सुरक्षित कर चुकी हैं।71 किग्रा भार वर्ग में पाँच कोटा उपलब्ध हो गए हैं। देव पूरे टूर्नामेंट में हावी रहे। उन्होंने शानदार शुरुआत की। अंकुशिता बोरो की विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालिफायर्स में यहां स्वीडन की एग्नेस एलेक्सियसन से 2-3 से हार के साथ ही भारत की महिलाओं के 60 किग्रा भार वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल करने की उम्मीदें भी समाप्त हो गई। भारत की 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी स्वीडिश प्रतिद्वंदी के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन यूरोपीय खेलों की पूर्व पदक विजेता खिलाड़ी ने अपने अनुभव के दम पर बोरो को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

पेरिस खेलों से पहले नीरज चोपड़ा को मिली बड़ी राहत, खेल मंत्रालय ने लिया अहम फैसला

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) ।

भारत ने इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियां को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। भारत की पेरिस खेलों में पदक की सबसे बड़ी उम्मीद भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से है जो पेरिस ओलंपिक में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने उतरेंगे। खेल मंत्रालय ने विश्व चैंपियन नीरज की ओलंपिक की तैयारियों के लिए यूरोप में 60 दिन की ट्रेनिंग लेने की योजना को मंजूरी दी है। इस दौरान नीरज के साथ कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो ईशान मारवाह भी होंगे।

नीरज ने रचा था इतिहास

नीरज ने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड पदक जीतने वाला पहला भारतीय बनकर इतिहास रच दिया था। वह 29 मई से 28 जुलाई तक यूरोप में अलग-अलग स्थानों पर ट्रेनिंग करेंगे। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के अंतर्गत वित्तीय सहायता में हवाई यात्रा का

किराया, रहना और खाना, मेडिकल बीमा, स्थानीय यात्रा के खर्चे के अलावा अन्य भत्ते भी शामिल होंगे जो भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के मानदंड के अनुसार दिए जाएंगे।

विनेश के कोच को ले जाने का प्रस्ताव भी स्वीकार

नीरज के अलावा खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ने एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश फोगाट के हंगरी में 10 से 21 जून तक होने वाले अंतरराष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर में स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच वेन पैट्रिक लोम्बार्ड को शामिल करने का प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया। पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा वर्ग भाग लेने वाली विनेश ने लोम्बार्ड के हंगरी की यात्रा, वीजा तथा रहने और स्थानीय यात्रा के लिए मदद देने का अनुरोध किया था। वह छह से नौ जून तक बुडापेस्ट में यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग की दूसरी रैंकिंग सीरीज पोलयाक इमरे एवं वरगा जानोस मेमोरियल में हिस्सा लेंगी। एमओसी ने मैड्रिड में पांच से सात जुलाई तक स्पेन में होने वाली ग्रांप्रि में हिस्सा लेने के लिए उनके प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। विनेश की सहयोगी टीम में फिजियो अश्विनी जीवन पाटिल, स्पारिंग जोड़ीदार अरविंद और कोच वोलर अकोस शामिल होंगे। इनके साथ ही एमओसी ने लंबी कूद एथलीट शैली सिंह के यूरोप में ट्रेनिंग शिविर को 23 जून तक बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

कम्पाला की झुग्गियों में बीता है जुमा मियागी का बचपन लगभग 60 फीसदी आबादी रहती है यहां झुग्गियों में

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) ।

टी20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में युगांडा की टीम पहली बार खेलती हुई नजर आएगी। युगांडा ने पिछले साल नवंबर में टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया। इस टीम में एक ऐसा तेज गेंदबाज है जिसका बचपन युगांडा की राजधानी कम्पाला की झुग्गियों में बिता है। कम्पाला में लगभग 60 फीसदी आबादी झुग्गियों में रहती है और तेज गेंदबाज जुमा मियागी उनके लिये प्रेरणास्रोत हैं।फुटबॉल के शौकीन यहां के निवासी उनकी वजह से चाव से क्रिकेट देखते हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप में युगांडा क्रिकेट टीम का पदार्पण उनके लिए किसी सपने से कम नहीं। जुमा मियागी कम्पाला के बाहरी इलाके में नागुरू झुग्गी बस्ती में बड़े हुए। दो साल तक युगांडा की अंडर 19 टीम के लिए खेलने के बाद अब वह एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में सीनियर

टीम की गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। युगांडा ने पिछले साल नवंबर में पहली बार क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। अब तक 21 टी20 मैचों में 34 विकेट ले चुके मियागी झुग्गियों में बड़े हुए और अभी भी अपने परिवार के साथ वहीं रहते हैं। टी20 विश्व कप में शामिल सिमोन सेसाजी और रिजर्व खिलाड़ी इनोसेंट एमवेबाजे भी झुग्गी से ही निकले हैं। उनके इलाकों में पीने का साफ पानी, सीवेज की व्यवस्था नहीं थी और ना ही स्वास्थ्य सुविधाएं थी। उनकी कठिनाइयों की कहानी ने युगांडा के भारतीय कोच अभय शर्मा को भी विचलित कर दिया जो टी20 विश्व कप से पहले ही टीम के साथ जुड़े हैं। ऐसा नहीं है कि अभया शर्मा ने कभी झुग्गी बस्ती देखी नहीं है लेकिन कम्पाला की झुग्गियां मुंबई की धारावी से अलग हैं। खिलाड़ियों के साथ समय बिताकर शर्मा का उनके प्रति सम्मान कई गुना बढ गया। उन्होंने त्रिनिदाद से कहा, 'मैंनेसोचा नहीं था कि वे इन हालात में रहते हैं।वे अपने कोचों का काफी सम्मान करते हैं और उन्हें लगता है कि हम उनकी जिंदगी बदल सकते हैं।'युगांडा को विश्व कप में तीन जून को पहले मैच में अफगानिस्तान से खेलना है। युगांडा क्रिकेट टीम के कोच अभय शर्मा ने यह भी कहा कि केन्या की तरह के हश्र से बचने के लिए युगांडा क्रिकेट में कुछ बदलाव करने होंगे। कीनिया 2011 के बाद से आईसीसी टूर्नामेंट नहीं खेला है।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने आईबीए से तोड़ा नाता, थामा विश्व मुक्केबाजी का दामन, अध्यक्ष ने की पुष्टि

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने आईबीए से नाता तोड़ लिया। इसके बाद बीएफआई ने विश्व मुक्केबाजी का दामन थाम लिया। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने महीनों पहले चेताया था कि अगर राष्ट्रीय महासंघ अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) से जुड़े रहे तो 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से इस खेल को हटाया जा सकता है। बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, मुक्केबाजी का ओलंपिक दर्जा बरकरार रहना खेल के लिए जरूरी है लिहाजा हम विश्व मुक्केबाजी से जुड़कर खुश हैं। सिंह ने कहा कि वह खेल के विकास के लिए विश्व मुक्केबाजी के कार्यकारी बोर्ड के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि दुनिया भर के मुक्केबाजों को अच्छा भविष्य मिल सके। वहीं, आईबीए अध्यक्ष पद के पूर्व दावेदार बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी के लिए भारत बहुत महत्वपूर्ण देश है और हम बीएफआई का विश्व मुक्केबाजी परिवार में स्वागत करते हैं। यह बेहद रोमांचक कदम है जिससे एशिया में हमारी मौजूदगी बढ़ेगी। हम बीएफआई के साथ मिलकर संयुक्त लक्ष्य के लिए काम करेंगे।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

अमेरिका-जापान ने की उत्तर कोरिया के असफल रॉकेट लॉन्च की निंदा, बचाव में उतरे चीन-रूस

न्यूयॉर्क, 01 जून (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया द्वारा सैन्य जासूसी उपग्रह लॉन्च करने के असफल प्रयास के बाद तत्काल बैठक बुलाई। इस बैठक में प्योंग्यांग पर कार्रवाई को लेकर अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के विचार रूस और चीन के विचारों से अलग थे। जहां एक तरफ अमेरिका और उसके सुरक्षा सहयोगियों ने रॉकेट लॉन्च के प्रयास के लिए प्योंग्यांग की आलोचना की, तो दूसरी तरफ रूस और चीन ने उत्तर कोरिया का बचाव किया। उत्तर कोरिया ने 27 मई को सैन्य जासूसी उपग्रह लॉन्च करने की कोशिश की थी, जिसे 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र निकाय प्रस्तावों का उल्लंघन बताया जा रहा है। यह कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति और निरस्त्रीकरण के लिए गंभीर खतरा है।

27 मई को विफल हुआ था उत्तरी कोरिया का रॉकेट लॉन्च - उत्तर कोरिया ने 27 मई को बताया था कि एक नया उपग्रह ले जाने वाला रॉकेट लॉन्च करने का उनका प्रयास बीच हवा में विस्फोट के कारण विफल हो गया। इससे पहले पिछले साल नवंबर में उत्तर कोरिया ने रॉकेट लॉन्च किया था, जो सफल रहा। दिसंबर में प्योंग्यांग ने घोषणा की थी कि वह तीन और सैन्य उपग्रह को लॉन्च करने वाले हैं। मध्य पूर्व और एशिया और प्रशांत के लिए सहायक महासचिव खालिद खियारी ने कहा, उत्तर कोरिया ने संबंधित अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों को सुरक्षा अधिसूचना जारी नहीं की थी, जो कि अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन और समुद्री यातायात के लिए खतरा साबित हो सकता था। भले ही उत्तर कोरिया का ये प्रयास असफल रहा, लेकिन 2022 से ही यह अपनी मिसाइल लॉन्च गतिविधियों में तेजी से वृद्धि कर रहा है।

अमेरिका समेत इन देशों के प्रतिनिधियों ने किया उत्तर कोरिया का विरोध - अमेरिकी प्रतिनिधियों ने कहा कि उत्तर कोरिया अपने गैरकानूनी हथियार कार्यक्रम को तेजी से बढ़ा रहा है। अमेरिका ने वीटो अधिकार वाले यूएन सदस्यों से इस पर विचार करने का आह्वान किया, जिससे कि उत्तर कोरिया के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। उत्तर कोरिया के राजदूत किम सोंग ने कहा कि सुरक्षा परिषद उपग्रह के लॉन्च के मुद्दे को बार बार उठाकर शर्मनाक हरकत को दोहरा रही है। यह संप्रभु देशों का वैध और सार्वभौमिक अधिकार है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान का दो भारतीयों तक राजनयिक पहुंच का ब्योरा साझा करने से इनकार, जासूसी के आरोप में गिरफ्तारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए गए दो भारतीय नागरिकों तक राजनयिक पहुंच के बारे में जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही इस्लामाबाद ने कहा कि इस तरह की पहुंच समय-समय पर उपलब्ध कराई गई थी। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने यह टिप्पणी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान की, जब उनसे गिलगित-बाल्टिस्तान में कथित तौर पर जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार दो भारतीयों तक राजनयिक पहुंच के बारे में पूछा गया। बलोच ने कहा, मैं इस तरह के संवाद के विस्तार में नहीं जाऊंगी। हालांकि, पाकिस्तान समय-समय पर अपने नागरिकों तक भारतीय उच्चायोग के लिए राजनयिक पहुंच की व्यवस्था करता रहता है। इस हफ्ते की शुरुआत में अपनी खबर में बताया कि पाकिस्तान के अधिकारियों ने 2020 में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए गए दो भारतीय नागरिकों के साथ मुलाकात के लिए भारत को राजनयिक पहुंच प्रदान की। भारत सरकार के अनुरोध पर राजनयिक पहुंच प्रदान की गई थी। भारतीय राजनयिकों और कथित जासूसों के बीच मुलाकात हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर निवासी दो व्यक्तियों को 2020 में जासूसी के आरोप में गिलगित-बाल्टिस्तान में गिरफ्तार किया गया था। उनकी पहचान फिरोज अहमद लोन (29 वर्षीय) और नून मुहम्मद वानी (24 वर्षीय) के रूप में हुई है।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप और कैनेडी के साथ टाउनहॉल बैठक की मेजबानी करेगा एक्स, एलन मस्क ने की पुष्टि

न्यूयॉर्क । अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। इन चुनाव से पहले सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और रॉबर्ट एफ कैनेडी के साथ टाउनहॉल का आयोजन करेगा। टाउनहॉल जो कि तीन साल पहले 6 जनवरी को हुआ था, लेकिन दंगों के बाद ट्रंप को साइट से निलंबित किए जाने के बाद इस साल नवंबर में आयोजित होगा। अमेरिका में 5 नवंबर को चुनाव होना है। इसे एलन मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स राष्ट्रपति चुनाव से पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ टाउनहॉल आयोजित करेगा। एक्स टाउनहॉल की योजना रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के साथ तैयार कर रहा है। एफ. कैनेडी जूनियर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि बृहस्पतिवार को डोनाल्ड ट्रंप को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देने के मामले में दोषी ठहराया गया था। वे यहां लाइवस्ट्रीम कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत प्रश्नों का उत्तर देंगे। एलन मस्क ने एक ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम दिलचस्प होगा। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन को भी एक्स ने एक बहस या टाउनहॉल करने के लिए आमंत्रित भेजा था, जिसे द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार उन्होंने मना कर दिया। हालांकि टाउन हॉल की तिथि, स्थान और मॉडरेटर की घोषणा अभी नहीं की गई है।

छोटा सा जीव मार सकता है 26 स्वस्थ लोगों को

लंदन । आज हम एक ऐसे ही जीव की बात करेंगे, जो देखने में खूबसूरत है, छोटा सा है लेकिन इसका ज़हर साइनाइड से भी तेज़ है। अगर आप सांप को सबसे ज़हरीला मानते हैं, तो चलिए आज आपको एक ऐसे छोटे से जीव के बारे में बताते हैं, जो अपने आपमें इतना ज़हर समेटे है कि 26 स्वस्थ लोगों को मार सकता है। ऑक्टोपस के बारे में तो हम सभी जानते हैं लेकिन ब्लू रिंग्ड ऑक्टोपस इसकी ऐसी प्रजाति है, जिसके ज़हर से एक इंसान 20 मिनट के अंदर इस दुनिया से विदा हो सकता है। इस जीव का एक वीडियो इस वक्त वायरल हो रहा है, जिसमें उसे चमकदार नीले रंग के रिंग्स के साथ समुद्र में तैरते देखा जा सकता है। लेविस पुग फाउंडेशन की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ये वीडियो शेयर किया गया है। इसके कैप्शन में बताया गया है कि इस ऑक्टोपस के ज़हर से इंसान 20 मिनट के अंदर मर सकता है। हालांकि ये अपना ज़हर सिर्फ आत्मरक्षा में ही छोड़ता है। आमतौर पर ये केकड़े जैसे समुद्री जीवों को खाता है। नीले घेरे वाले इस ऑक्टोपस के जहर में टेट्रोडोटॉक्सिन पाया जाता है, जो एक शक्तिशाली न्यूरोटॉक्सिन है। ये इंसानों के शरीर के लिए साइनाइड की तुलना में एक हजार गुना ज्यादा पावरफुल होता है। टेट्रोडोटॉक्सिन पहली बार फर फिश में खोजा गया था।

युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा, जब तक हासिल नहीं हो जाते सभी लक्ष्य, इजराइल की चेतावनी

तेल अवीव, 01जून (एजेंसियां)।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वार्ताकारों को गाजा में बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई का प्रस्ताव पेश करने के लिए अधिकृत किया है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि गाजा में युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा जब तक कि सभी बंधकों की वापसी और हमास के खात्मे सहित सभी लक्ष्यों को हासिल नहीं किया जाता है।

नेतन्याहू को संबोधन के लिए किया आमंत्रित

वहीं, अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने नेतन्याहू को कैपिटल हिल पर एक संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया है। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, अल्पसंख्यक नेता हकीम जेप्रीज, न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सांसद चक शूमर और रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल की ओर से इजराइली प्रधानमंत्री को साझा पत्र लिखकर आमंत्रित किया गया है। जिसमें सात अक्तूबर के हमासे के आतंकवादी हमले के मद्देनजर इजराइल के सात अमेरिका की एकजुटता पर जोर दिया गया।

पत्र में लिखा गया, पिछले साल कांग्रेस को हमारे दोनों लोकतंत्रों के बीच दोस्ती और साझेदारी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए वॉशिंगटन में इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग की मेजबानी करने पर गर्व महसूस हुआ था। लेकिन तीन महीने से भी कम समय के बाद सात अक्तूबर के हमलों ने दुनिया को झकझोर दिया और इजराइल को अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर कर दिया। हम आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में इजराइल के साथ खड़े हैं। हमास अमेरिकी और इजराइली नागरिकों को बंदी बना रहा है और इसके नेता क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डाल रहे हैं।

खबर के मुताबिक, हमास के साथ संघर्ष से निपटने में अलग-अलग दृष्टिकोणों को लेकर बाइडन प्रशासन और इजराइल में तनाव के बीच यह निमंत्रण आया है। हमास के 7 अक्तूबर के हमलों में करीब 1200 इजराइली नागरिकों की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर नागरिक इजराइली और 33 अमेरिकी थे। इसके बाद नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ युद्ध का एलान किया और गाजा पट्टी में हमले किए। युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में 35 हजार से ज्यादा फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं।

इजराइल के नए युद्धविराम प्लान पर बोले बाइडन- इसे स्वीकार करे हमास, यह अच्छा मौका

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हमास के आतंकवादियों से गाजा युद्ध विराम के बदले बंधकों को रिहा करने के इजराइल के नए प्लान पर सहमत होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस जानलेवा संघर्ष को खत्म करने का यही सबसे अच्छा तरीका है। बाइडन ने कहा कि संघर्ष विराम से मदद उन सभी लोगों तक प्रभावी ढंग से वितरित की जा सकेगी, जिन्हें इसकी जरूरत है। बाइडन ने कहा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसकी इजराइल के लिए आजीवन प्रतिबद्धता रही है। एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में जो युद्ध के समय इजराइल गया है। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने ईरान द्वारा हमला किए जाने पर इजराइल की रक्षा के लिए सीधे अमेरिकी सेना भेजी थी, मैं आपसे एक कदम पीछे हटने का आह्वान करता हूं। सोचें कि अगर यह क्षण चला गया तो क्या होगा। हम इस अवसर को खो नहीं सकते। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इजराइल ने अब एक स्थायी युद्धविराम और सभी बंधकों की रिहाई के लिए एक रोड मैप की पेशकश की है। कल यह प्रस्ताव कतर द्वारा हमास को भेजा गया है। युद्ध विराम के इस प्रस्ताव के मुताबिक पहले चरण में एक पूर्ण युद्ध विराम होगा। गाजा में आबादी वाले क्षेत्रों से इजराइल की सेना की वापसी होगी। कुछ बंधकों की रिहाई होगी। फलस्तीनी नागरिक गाजा में अपने घरों में लौट सकेंगे और मानवीय मदद बढ़ाई जाएगी। दूसरे चरण में शत्रुता का स्थायी अंत होगा। रिहाई के लिए बंधकों की अदला-बदली होगी। इजराइली सेना गाजा से हट चुकी होगी। जबकि तीसरे चरण में गाजा के पुनर्निर्माण की योजना होगी। बंधकों के अवशेष उनके परिवारों को लौटाएं जाएंगे। इस साल की शुरुआत में एक समझौते में छह हफ्ते के संघर्ष विराम के बदले गाजा में बीमार, बुजुर्ग और घायल बंधकों की रिहाई का आह्वान किया गया था। लेकिन इस समझौता तब टूट गया था, जब इजराइल ने युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करने इनकार कर दिया था और गाजा के दक्षिण शहर राफा में हमले तेज कर दिए। हमास ने कहा कि उसने मध्यस्थों से कहा था कि वह इजराइल की ओर से जारी आक्रामकता के दौरान किसी भी तरह की वार्ता में भाग नहीं लेगा। हालांकि, अगर इजराइल युद्ध रोक देता तो वह पूर्ण समझौते के लिए तैयार था, जिसमें बंधकों और कैदियों की अदला-बदली शामिल थी। गाजा युद्ध में इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम की व्यस्था करने के लिए मिस्र, कतर और और अन्य लोगों की मध्यस्थता में वार्ता बार-बार रुकी है। दोनों पक्षों ने संघर्ष विराम के समझौते में प्रगति न होने के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया था। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सुलाहकार जेक सुलिवन 17 देशों के राजनयिकों के साथ मुलाकात करेंगे, जिनके नागरिकों ने हमास ने बंधक बनाया है।

पाकिस्तान का हिस्सा नहीं पीओके इस्लामाबाद हाईकोर्ट में शहबाज सरकार का कबूलनामा

इस्लामाबाद, 01 जून (एजेंसियां)।

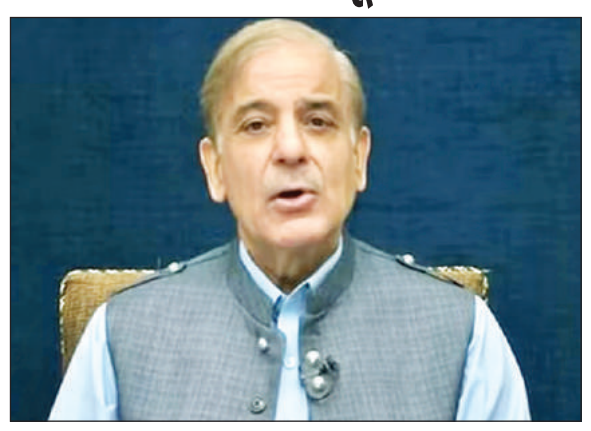

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने हाल ही में माना था कि पाकिस्तान ने 1999 में भारत के साथ समझौता तोड़ा। अब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर पाकिस्तानी सरकार ने एक नया बयान जारी किया। दरअसल, पीओके के कवि और पत्रकार अहमद फरहद शाह के दो सप्ताह से गायब होने को लेकर सुनवाई के दौरान पाकिस्तान सरकार ने कहा कि पीओके उनका हिस्सा नहीं है, यह एक विदेशी क्षेत्र है। नवाज शरीफ सरकार के इस बयान को सुनकर पाकिस्तान के लोग हैरान हैं।

पीओके के कवि अहमद फरहाद को लेकर पाकिस्तान की सरकार के तरफ से वकील ने अदालत में कहा, अहमद फरहाद को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि पीओके हमारा नहीं बल्कि एक विदेशी क्षेत्र है। हालांकि, सरकारी वकील के इस दावे पर हाईकोर्ट भी हैरान है। कोर्ट ने पूछा कि जब पीओके एक विदेशी क्षेत्र है तो पाकिस्तानी रेंजर्स वहां कैसे प्रवेश कर गए।पाकिस्तानी वकील ने जताई नाराजगी सरकारी वकील के इस बयान पर पाकिस्तान के पत्रकार हामिद मीर ने नाराजगी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, सरकारी वकील का यह दावा पीओके की स्थिति पर कई सवाल खड़े कर रहा है। अगर आजाद कश्मीर हमारा नहीं, तो फिर वहां पाकिस्तानी सैनिकों की तैनाती कैसे हुई। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान पीओके को बहुत नकारात्मक रूप से पेश कर रहा है। उन्होंने इस्लामाबाद से एक कवि का अपहरण कर लिया। उन्होंने पीओके में उसे गिरफ्तार किया और इस्लामाबाद हाईकोर्ट में पीओके को एक विदेशी क्षेत्र बताया। इसका मतलब है कि उनके पास पीओके में कब्जा करने वाली सेना का अधिकार है, लेकिन पाकिस्तानी अदालतों का कोई क्षेत्राधिकार नहीं है। बता दें कि पीओके के कवि अहमद फरहाद अपनी विद्रोही शायरी के लिए काफी मशहूर हैं। उन्हें उनके घर से अगवा कर लिया गया था। अटॉर्नी जनरल मंसूर उस्मान अवान ने कोर्ट में बताया कि फरहाद को गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह पीओके पुलिस की हिरासत में है।

भारत-अमेरिका के संबंध समान विचार पर आधारित शांगरी ला डायलॉग में बोले अमेरिकी रक्षा मंत्री

सिंगापुर, 01 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बताया कि भारत-अमेरिता के रिश्ते समान दृष्टि और समान विचार पर आधारित है। इन दोनों देशो के बीच के संबंधों में रफ्तार भी बढ़ेगी। ऑस्टिन की यह टिप्पणी शांगरी ला डायलॉग में द्विपक्षीय संबंधों को लेकर पूछे गए सवाल पर आई। बता दें कि शांगरी ला डायलॉग एशिया का प्रमुख रक्षा शिखर सम्मेलन है।

लॉयड ऑस्टिन ने भारत-अमेरिका के संबंधों का विवरण दिया

भारत-अमेरिका के रिश्ते को लेकर एक प्रतिनिधि ने अमेरिकी रक्षा मंत्री से सवाल किया। उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा, मौजूदा समय में भारत के साथ हमारे संबंध अच्छे हैं। यह उतना ही अच्छा और बेहतर है, जितना पहले था। उन्होंने आगे कहा, हम भारत के साथ मिलकर बख्तरबंद वाहनों का सह-उत्पादन कर रहे हैं। इस परियोजना में प्रगति हुई है। ऑस्टिन ने आगे कहा, भारत-अमेरिका के संबंध समान दृष्टि और समान विचार पर आधारित है। इसलिए मुझे लगता है कि इस रिश्ते में जो गति हम देख रहे हैं, वह न केवल जारी रहेगा बल्कि ये रफ्तार भी पकड़ेगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर ऑस्टिन ने कहा, इस क्षेत्र में अपने दोस्तों के साथ, रक्षा उद्योग को बेहतर तरीके से एकीकृत करने के लिए हम राष्ट्रीय बाधाओं को तोड़ रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि हिंद-प्रशांत में अमेरिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। ऑस्टिन ने बताया क्यों एशियाई क्षेत्रों में अमेरिका अपनी उपस्थिति बनाए हुए है हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अंतर्गत हिंद महासागर और दक्षिणी चीन सागर समेत ताइवान, फिलीपींस. ब्रुनेई, मलयेशिया और वियतनाम शामिल है।

सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री बोले-अपना मुंह बंद रखें इमरान खान

इस्लामाबाद, 01 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक सोशल मीडिया पोस्ट पर विवाद बढ़ गया है। जिसके बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर इमरान खान देश में राजनीतिक तनाव को कम करना चाहते हैं तो उन्हें अपना मुंह बंद रखना चाहिए। दरअसल इमरान खान ने बीती 26 मई को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा था कि हर पाकिस्तानी को हमूद उर रहमान आयोग की रिपोर्ट को पढ़ना चाहिए, तभी पता चलेगा कि असली गद्दार कौन था, जनरल याहया खान या फिर शेख मुजीबुर रहमान। साल 1971 में पाकिस्तान की हार के बाद हमूद उर रहमान आयोग का गठन किया गया था, जिसने पाकिस्तान की हार पर अपनी रिपोर्ट दी थी। इमरान खान के इस पोस्ट पर काफी विवाद हुआ और इसे जमकर साझा किया गया। वहीं कुछ यूजर्स ने इस पर आपत्ति भी जताई। अब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के संस्थापक देश में तनाव को बढ़ाना चाहते हैं। आसिफ ने इमरान खान को अपना मुंह बंद रखने की सलाह दी ताकि देश में तनाव कुछ कम हो सके।

पाकिस्तान की जेल में बंद चार भारतीय स्वदेश लौटे पाकिस्तान की जेल में बंद चार भारतीय नागरिक इसी हफ्ते भारत लौट आए हैं। भारत लौटने वाले कैदियों में सूरज पाल, वहिदा बेगम उसका बेटा फैज खान और शाबिर अहमद डार का नाम शामिल है। अभी तक ये पता नहीं चला है कि चारों के खिलाफ क्या आरोप थे और चारों कब से पाकिस्तान की जेल में कैद थे। कश्मीरी कवि को कोर्ट में पेश करने का आदेश पाकिस्तान की अदालत ने कश्मीरी कवि अहमद फरहाद को कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है। फरहाद बीती 14 मई से लापता थे। फरहाद की पत्नी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पति को ढूंढने की गुहार लगाई थी। इस पर हाईकोर्ट ने देश की खुफिया एजेंसियों और विभिन्न विभागों और मंत्रियों को नोटिस जारी कर फरहाद के बारे में जानकारी मांगी। जिसके बाद पता चला कि फरहाद पीओके पुलिस की हिरासत में कैद हैं। पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट में अपील की कि फरहाद पुलिस की हिरासत में है और अब उसके लापता होने का मामला खत्म कर देना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने फरहाद के कोर्ट में पेश होने तक मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान प्रधानमंत्री के खिलाफ याचिका दायर पाकिस्तान में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर हुई है। आरोप है कि पाकिस्तानी पीएम ने न्यायपालिका के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की और उनके खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए।

22 लोगों की गवाही के बाद ट्रंप दोषी, छह सप्ताह चला मुकदमा, रिपब्लिकन नेताओं ने बताया शर्मनाक मामला

न्यूयॉर्क, 01 जून (एजेंसियां)।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स से रिश्ते छिपाने समेत 34 आरोपों में दोषी करार देने से पहले अदालत ने छह हफ्ते में 22 गवाहों को सुना। इनमें स्टॉर्मी डेनियल्स भी शामिल थीं। 12 सदस्यों की ज्यूरी ने यह घोषणा की। अब ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। इस केस के सरकारी वकील एल्विन ब्रैग की साख दांव पर लगी थी। कुछ लोग इसे जॉम्बी यानी मरा हुआ केस मान रहे थे। फैसला आने के बाद विशेषज्ञों ने कहा कि ब्रैग ने वाकई अपनी दलीलों से मरा हुआ केस जिंदा कर दिया। केस को नतीजे तक पहुंचा कर एल्विन ने अमेरिकी इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वो पहले सरकारी वकील हैं, जिनकी दलीलों से कोई पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति दोषी साबित हुआ है। सुनवाई के बाद ब्रैग ने कहा, मैंने सिर्फ अपना काम किया है। फैसला आने के बाद रिपब्लिकन स्पीकर माइक जॉनसन ने इसे 'शर्मनाक' बताया। उन्होंने कहा, आज का दिन अमेरिकी इतिहास में बेहद शर्मनाक है।

अधिकतम 4 वर्ष की हो सकती है सजा

मामले में अधिकतम सजा 4 साल हो सकती है, लेकिन ट्रंप को प्रोबेशन मिलने की अधिक संभावना है। वरिष्ठ कानूनी विश्लेषक एली होनिंग ने कहा, न्यूयॉर्क में क्लास ई में गुंडागर्दी के कई मामलों में गैर-कारावास सजा का प्रावधान है। ट्रंप यदि चुनाव जीते तो कोई भी सांविधानिक प्रावधान ट्रंप को राष्ट्रपति रहकर जेल से सरकार चलाने से नहीं रोक सकेगा। अमेरिकी कानून के मुताबिक इस तरह के अपराधियों पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। हालांकि व्यवहारिक रूप से संकट जरूर पैदा होगा, जिसका समाधान कोर्ट को करना होगा। हालांकि ट्रंप को जेल के बजाय जुर्माना लगने की ज्यादा संभावना है। ट्रंप यदि चुनाव जीते तो कोई भी सांविधानिक प्रावधान ट्रंप को राष्ट्रपति रहकर जेल से सरकार चलाने से नहीं रोक सकेगा। अमेरिकी कानून के मुताबिक इस तरह के अपराधियों पर कोई कानूनी

प्रतिबंध नहीं है। हालांकि व्यवहारिक रूप से संकट जरूर पैदा होगा, जिसका समाधान कोर्ट को करना होगा। हालांकि ट्रंप को जेल के बजाय जुर्माना लगने की ज्यादा संभावना है।

अधिकतम 4 वर्ष की हो सकती है सजा

मामले में अधिकतम सजा 4 साल हो सकती है, लेकिन ट्रंप को प्रोबेशन मिलने की अधिक संभावना है। वरिष्ठ कानूनी विश्लेषक एली होनिंग ने कहा, न्यूयॉर्क में क्लास ई में गुंडागर्दी के कई मामलों में गैर-कारावास सजा का प्रावधान है।

कोई भी शख्स कानून से ऊपर नहीं: बाइडन

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। ट्रंप लोकतंत्र पर खतरा थे।

जूनियर ट्रंप ने लिखा 'नेवर सरेंडर'...

दोषी ठहराने के फैसले के बावजूद, ट्रंप ने अपनी बेगुनाही बरकरार रखी और आगामी आम चुनाव को इस मामले पर जनता की राय का सही मापदंड बताया। उन्होंने कहा कि असली फैसला जनता की ओर से 5 नवंबर को होने वाला है। ट्रंप ने मामले पर अपने प्रभाव का निराधार दावा करते हुए मैनहट्टन जिला अटॉर्नी और बाइडन प्रशासन की भी आलोचना की। उन्होंने मुकदमे को फर्जी बताया। वहीं, जूनियर ट्रंप ने अपने पिता के समर्थन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा 'नेवर सरेंडर'।

राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकते हैं डोनाल्ड ट्रंप

ट्रंप को अदालत में दोषी करार दिए जाने के बावजूद उनके राष्ट्रपति चुनाव लड़ने और राष्ट्रपति बनने पर कोई खतरा नहीं हैं। इससे ही जुड़े पांच अन्य प्रमुख सवालों के जवाब क्या राष्ट्रपति चुनाव में अन्य को उम्मीदवार बना सकते हैं नहीं, क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप रिपब्लिकन कन्वेंशन के लिए प्रतिनिधियों का समर्थन जुटा चुके हैं। क्या ट्रंप को मताधिकार मिलेगा ट्रंप के लिए वोट देना मुश्किल हो सकता है और यह काफी हद तक उनकी सजा पर निर्भर करेगा।

4वें संशोधन के बारे में क्या

ट्रंप को वोटिंग के लिए राज्य अपने मतपत्रों से बाहर नहीं रख सकते। ट्रंप जेल में रहते अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए तो क्या होगा इस बारे में कोई भी नहीं जानता। यह सिर्फ अनुमानों पर निर्भर है। कानूनी तौर पर, ट्रंप जेल जाने के बाद भी राष्ट्रपति बने रहने के योग्य बने रहेंगे। अदालत में मामले चलने के दौरान चुने गएतो क्या दोनों ही संघीय मामलों में सबसे अधिक संभावना है कि डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नियुक्त अटॉर्नी जनरल आरोप वापस ले लेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 02 जून, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

रेवंत रेड्डी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल को किया आमंत्रित

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को रविवार को आयोजित होने वाले राज्य स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। श्री रेड्डी ने शनिवार को राजभवन जाकर राज्यपाल से दो जून को इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया। उनके साथ उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क भी थे।

राज्य सरकार ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद और टैंकबंड में विस्तृत व्यवस्था की है। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मुख्यमंत्री, राज्य के मंत्रियों, जन प्रतिनिधियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के भाग लेने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री सुबह गन पार्क में शहीद स्तूप पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

परेड मैदान के परिसर में विशेष चिकित्सा शिविर भी

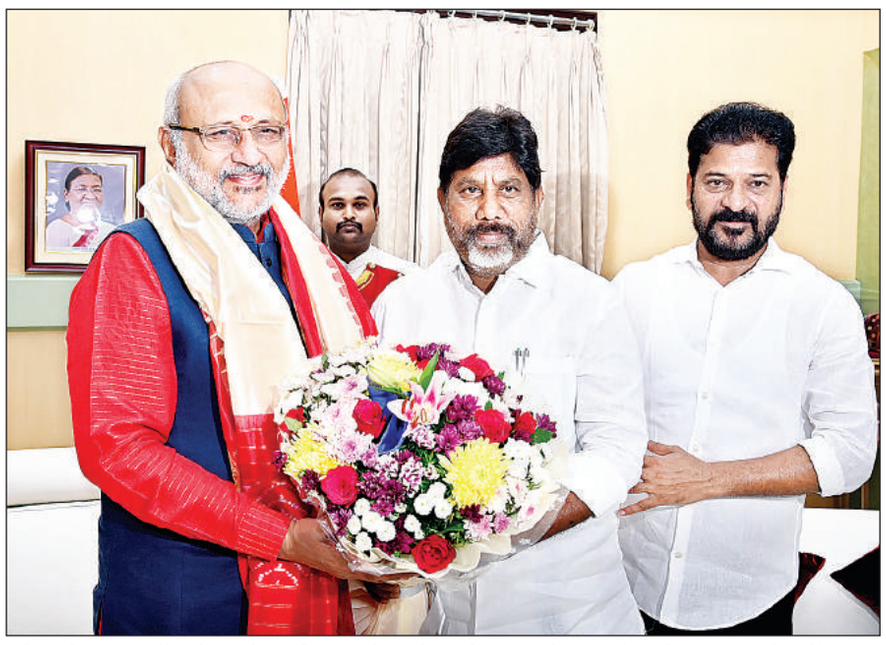

स्थापित किए गए हैं और पीने के पानी और उचित शौचालय की सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

इसके अतिरिक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में एलईडी स्क्रीन और कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर दो जून की शाम को टैंक बंड पर कार्निवल, आतिशबाजी, लेजर शो और भोजन और गेमिंग स्टॉल सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री, मंत्रीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

कार्निवल में राज्य के विभिन्न जिलों से विभिन्न सांस्कृतिक मंडलियों द्वारा मुख्य मंच पर लोक, वैज्ञानिक और डेक्कन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाएगा। तेलंगाना राज्य के आधिकारिक गान जय जय हे तेलंगाना की धुन पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया जाएगा। टैंक बंड पर लगभग 80 स्टॉल लगाए जा रहे हैं। इन स्टालों में राज्य के हस्तशिल्प, स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पाद, हथकरघा की वस्तुएं और शहर के प्रमुख होटलों के प्रसाद शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि बच्चों के लिए गेमिंग शो की भी व्यवस्था की जा रही है। पुलिस ने शनिवार सुबह से रविवार आधी रात तक परेड ग्राउंड और टैंक बंड के कुछ इलाकों में यातायात प्रतिबंध भी लगाया है।

राज्यपाल ने तेलंगाना स्थापना दिवस की प्रदेश वासियों को दी बधाई

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने शनिवार को एक संदेश में कहा, तेलंगाना खुशी से अपने राज्य गठन के दशक का जश्न मना रहा है, मैं यहां के सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने कहा, तेलंगाना स्थापना दिवस एक अलग राज्य की मांग में अनगिनत युवाओं द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदानों को याद दिलाता है। मैं तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को उनके अटूट समर्पण के लिए विनम्रतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। श्री राधाकृष्णन ने कहा कि राज्य के लिए संघर्ष में समाज के सभी वर्गों की उत्साही भागीदारी देखी गई। इस जन आंदोलन ने इस मुद्दे की वकालत करने वाले छात्रों और युवाओं के असंख्य बलिदानों के साथ महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि लोगों, कर्मचारियों, नेताओं और नीति निर्माताओं की आकांक्षाएं और कड़ी मेहनत तेलंगाना की विशिष्ट पहचान की रक्षा करना और संसाधनों और अवसरों में उसका उचित हिस्सा सुरक्षित करना जारी रखेगी। राज्यपाल ने कहा, मैं ईमानदारी से कामना करता हूं कि तेलंगाना की यह भावना हर गुजरते दिन के साथ मजबूत होती जाए।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण दक्षिणी क्षेत्र हैदराबाद में 34 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए स्टोर मैनेजर आर नागमोहन को माला और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते उप महानिदेशक ललन प्रसाद सिंह, डीडीजी अंशुमान आचार्य, एसएन महापात्रा, प्रशासनिक अधिकारी मधिरा सत्यनारायण, रत्ना माला, के पावनी, एम. कल्याणी, आई. झांसी रानी और अन्य लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर ललन प्रसाद सिंह ने कहा कि उन्होंने जीएसआई के विकास के लिए काफी मेहनत की है।

जन सेवा संघ केंद्रीय समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जन सेवा संघ केंद्रीय समिति की बैठक संघ के महासचिव राजीव चौबे के नेतृत्व में खैरताबाद में आयोजित हुई। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे ने सभी सदस्यों से संस्था की प्रगति के संदर्भ में गहरा विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि संस्था को मजबूत करने के लिए सभी को समर्पण भाव से कार्य करना है। जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर पी सिंह ने बताया कि हर जोनल प्रेसिडेंट के साथ बैठक की जाएगी एवं सदस्यता नवीनीकरण और नए सदस्यों को जोड़ने का आग्रह किया जाएगा। देश के लिए कुछ करने के लिए चाह रखने वाले लोगों को जोड़ा जाएगा। संघ के कोषाध्यक्ष विनीत सिंह ने बताया कि हमें सदस्यता अभियान का आयोजन निरंतर करते रहना है।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सक्रिय सदस्य कितने हैं इसकी जानकारी ली जाएगी। हर संभाग को अपने संभाग में चार समिति का हर माह गठन करना है। केंद्रीय समिति दानदाताओं की सूची तैयार करेगी। संभागीय अध्यक्ष को अपने क्षेत्र में हर माह चार समिति का गठन करना है जिस क्षेत्र में समिति सक्रिय नहीं है। क्षेत्रीय समितियो को बताना है कि वह अपने क्षेत्र में सक्रिय सदस्यों का सूची बनाएं और अच्छे लोगों को क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाएं जो की क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर सकें और अच्छे दस लोगों को जोड़ना है जो जरूरत पड़ने पर समस्या का समाधान कर सकें अगर समाधान न हो पाए तो जोनल समिति के माध्यम से केंद्रीय समिति से संपर्क करें। इस अवसर पर आर पी सिंह, राजीव चौबे, विनीत सिंह, मदन लाल रावल, एस पी सिंह, एम डी मुन्नाव्वर, राधे श्याम राय यादव आदि उपस्थित हुए।

सहकारी प्रबंधन संस्थान में सहकार समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सहकारी समितियों में मानव संसाधन के विकास के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों और कार्यक्रमों के बारे में जागरुकता लाने और उन्हें संबंधित संगठनों दद्वारा लागू करने के लिए सलाहकार समिति की बैठक 31 मई को सहकारी प्रबंधन संस्थान, राजेंद्र नगर हैदराबाद के परिसर में आयोजित की गई है।

तेलंगाना सरकार के सहकारी समितियों के अतिरिक्त रजिस्ट्रार जी. श्रीनिवास राव की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई। डॉ. आर. गणेशन, निदेशक, आईसीएम और बैठक के सदस्य संयोजक ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि समिति भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करके सहकारी समितियों को मजबूत करने के लिए निर्धारित की गई है, जिससे निश्चित रूप से सहकारी समितियों की ताकत में सुधार होगा। डॉ. गणेशन ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षण के महत्व को विस्तार से बताया।

भारत सरकार के राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के मुख्य कार्यकारी डॉ. बी. के. बेहरा, आंध प्रदेश महेश सहकारी बैंक, हैदराबाद के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, नार्म के वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस. सेधिन विनयगम मंच पर उपस्थित रहे। प्रो. जयशंकर कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. पी. रघुरामी रेड्डी, तेलंगाना राज्य सहकारी संघ की कार्यकारी अधिकारी श्रीवल्ली, नागरिक सहकारी समिति के प्रबंध निदेशक के. वी. सुब्बैया, नाबार्ड, तेलंगाना एवं आंध प्रदेश राज्यों के डीजीएम, इफको के राज्य विपणन प्रबंधक, हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग के संयुक्त निदेशक, केवीआईबी, तेलंगाना के सहायक निदेशक और तेलंगाना एवं आंध प्रदेश के सहकारी विभाग के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।इस अवसर पर बोलते हुए सहकारी समिति के अतिरिक्त रजिस्ट्रार जी. श्रीनिवासराव ने कहा कि दोनों तेलुगु राज्यों में सहकारी समितियों को भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं के माध्यम से अपने वित्तीय संसाधनों को बढ़ाना चाहिए तथा पूर्ण कम्प्यूटरीकरण किया जाना चाहिए, ताकि अपने सदस्यों को पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना आसान हो सके।मत्स्य विकास बोर्ड के मुख्य कार्यकारी डॉ. बेहरा ने कहा कि सरकार के पूर्ण सहयोग से, दोनों तेलुगु राज्यों-तेलंगाना और आंध प्रदेश में मत्स्य बोर्ड आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन तथा नई समितियों के गठन में अपना सहयोग देने के लिए तैयार है।महेश सहकारी बैंक के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग ने कहा कि सहकारी समितियां देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा गलाकाट प्रतिस्पर्धा संस्कृति में, सहकारी समितियों को प्रबंधन, सदस्यों और कार्यबल के बीच व्यावसायिकता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अच्छा सहकारी शासन एक मानसिकता, मूल्य प्रणाली का प्रश्न और अच्छी तरह से परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए गुणवत्ता प्रबंधन का प्रतिबिंब है।इस वित्तीय वर्ष में तेलंगाना राज्यों में सहकारी समितियों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी समन्वयक प्रो. एस. एन. एन.टी. श्रीनिवास ने दी। बैठक अध्यक्ष के पक्ष में मत के साथ संपन्न हुई।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झुला शाखा का जागरूकता शिविर आज

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झुला शाखा के योगेन्द्र कटारुका ने बताया कि शाखा के सौजन्य से श्री राणी सती दादीजी मन्दिर में आज रविवार दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक डा. वंदना अग्रवाल एवं डा.वेणुगोपाल द्वारा हृदय घात, ब्रेन स्ट्रोक, मिर्गी, जलने, नाक से खून आना,दम घुटना व अन्य इमरजेंसी में मरीज को अस्पताल ले जाने से पहले किस तरह से फर्स्ट एड दी जाए इस विषय पर एक जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नि: शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। उक्त आशय का निर्णय शाखा की वार्षिक साधारण सभा के दौरान लिया गया था। शाखा के सभी सदस्य इस कार्यक्रम में आमंत्रित हैं।

ऋषि श्रृंग भवन पर सर्व राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा 15 जून को आयोजित होने वाले जॉब मेला 2024 कार्यक्रम उद्घाटनकर्ता समाज सेवी अमृत कुमार जैन को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करते हुए फाउंडेशन के रामदेव नागला, संदीप जायलवाल, मुरलीधर तिवाड़ी, विजय शर्मा सिखवाल एवं अन्य।

पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी की पुण्यतिथि के अवसर पर टीपीसीसी उपाध्यक्ष टी कुमार राव और टीपीसीसी सचिव मणिलाल शाह द्वारा गांधी भवन में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा ने पक्षियों के लिए की दाना-पानी की व्यवस्था

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा गर्मी के प्रकोप से पक्षियों को राहत दिलाने हेतु दाना-पानी देने का संकल्प लिया गया। शाखा मंत्री शीतल जैन के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रकल्प जीवदया एवं पशु संरक्षण के तहत टैंक बंड पर अबोल पक्षियों के भोजन हेतु दाने की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्तदान संयोजन पूनम बोहरा, पुष्पा कोठारी, कविता मांडण, मीना जैन, सुनीता डूंगरवाल, कला गांधी, सीता गांधी आदि का सहयोग रहा। शाखा मंत्री शीतल जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

BHAGWAN DAS CHANDAK - 9392473536
VINOD KUMAR CHANDAK - 9866585455
NITIN SUGARS
Wholesale Dealers in Sugar, Atta, Maida, Rawa, Idly Rawa, Merchants & Commission Agents
Why choose us?
- Premium Quality
- Extensive Variety
- Competitive Wholesale Prices
- Reliability & Trust
- Personalized Service
Address: 15-8-214/B, Begum Bazar, Hyderabad - 500012

दुल्हन की तरह सजा शहर

02 जून यानी आज तेलंगाना राज्य के 10वें स्थापना दिवस पर शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। सरकारी प्रतिष्ठानों से लेकर शहर के पार्क तथा सार्वजनिक स्थान तिरंगा रंगों से जगमगाने लगे हैं। इन्हीं सब के बीच तेलंगाना सरकार राज्य के 10वें स्थापना दिवस को 10 वर्षीय त्यौहारिक उत्सव के रूप में मना रही है। जिसका मुख्य कार्यक्रम टैंकबंड पर सायं 5.00 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में लेजर शो, आतिशबाजी, कार्निवल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सुबह 9.30 बजे गन पार्क शहीद स्तूप पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और परेड ग्राउंड में सुबह 10.00 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार करेंगे।

समूह-1 सेवाओं के अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं हॉल टिकट : कलेक्टर

हनुमाकोंडा, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने एक बयान में कहा कि जिन आवेदकों ने समूह-1 सेवाओं के लिए आवेदन किया है, वे शनिवार 01 जून से आयोग की वेबसाइट पर परीक्षा शुरू होने तक हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में सुबह 9:00 बजे से प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षा केंद्र का गेट सुबह 10 बजे बंद कर दिया जाएगा और 10 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। अभ्यर्थियों को पूर्व-मुद्रित विवरण के साथ एक व्यक्तिगत मान्य ओएमआर उत्तर पुस्तिका प्रदान की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा शुरू करने से पहले ओएमआर उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र पर छपे निर्देशों का पालन करें। इसलिए उम्मीदवार की सुविधा के लिए अंतिम समय में भ्रम से बचने के लिए नमूना ओएमआर शीट आयोग की वेबसाइट https://www.tspsc.gov.in पर उपलब्ध कराई जाएगी ताकि बबलिंग आदि के संबंध में निर्देशों और प्रक्रिया को समझा जा सके। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे डाउनलोड करें मॉडल ओएमआर। अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे परीक्षा समय पूरा होने तक परीक्षा कक्ष से बाहर न आएं और परीक्षा कक्ष छोड़ने से पहले अभ्यर्थी ओएमआर उत्तर पुस्तिका पर्यवेक्षकों को सौंप दें। हॉल टिकट पर मुद्रित निर्देश भी उम्मीदवारों को उपलब्ध कराए जाते हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपस्थित होते समय निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और उनका पालन करें। ओएमआर या उत्तर पुस्तिका/हॉल टिकट/प्रश्न पत्र पुस्तिका पर मुद्रित निर्देशों के उल्लंघन में उम्मीदवारों द्वारा की गई किसी भी गलती के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा। उम्मीदवारों को आवंटित परीक्षा हॉल में बायोमेट्रिक पर्यवेक्षकों द्वारा उम्मीदवारों के बायोमेट्रिक्स को कैप्चर करना सुबह 9:30 बजे शुरू होगा और उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि उन्हें तब तक परीक्षा हॉल नहीं छोड़ना चाहिए जब तक कि उनके बायोमेट्रिक्स पर्यवेक्षक द्वारा कैप्चर नहीं कर लिए जाते। यदि कोई अभ्यर्थी अपना बायोमेट्रिक्स उपलब्ध नहीं कराता है तो उसकी ओएमआर उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने साथ कैलकुलेटर, सेल फोन, ब्लूटूथ, स्मार्ट घड़ी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामान न लाएं और बिना जूते पहने सैंडल पहनकर आएं। उम्मीदवारों को अपनी उंगलियों पर मेहंदी, टैटू, या कोई अमूर्त सामग्री कवर नहीं करना चाहिए जो बायोमेट्रिक रिकॉर्डिंग में हस्तक्षेप कर सकता है और आयोग उम्मीदवारों के सामान रखने के लिए कोई घड़ी/भंडारण सुविधा प्रदान नहीं करेगा। उम्मीदवारों की सुविधा के लिए समय का अनुमान लगाने के लिए हर आधे घंटे के पूरा होने के बाद एक चेतावनी घंटी बजाई जाएगी या वे परीक्षा कक्ष पर्यवेक्षकों से समय के बारे में भी पूछ सकते हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में शामिल होने से पहले अपने हित में निर्देशों को समझ लें। कलेक्टर ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी खारिज करना अमान्य होगा।

नकली बीज बेचने वालों के खिलाफ की जाएगी कानूनी कार्रवाई : कृषि अधिकारी

मदनूर, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंडल कृषि अधिकारी राजू और स्थानीय एसआई श्रीकांत ने पेद्दा एकलरा, मेनुरु और मदनूर गांवों में बीज और उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि बीज विक्रेता नकली बीज बेचते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लाए गए बीज का बिल, इनवॉइसिंग, पीसी, स्टॉक रजिस्टर, स्टॉक बोर्ड और लाइसेंस उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया है कि किसानों को बीज एवं उर्वरक कीमत पर ही उपलब्ध कराया जाए तथा मंडल कृषि अधिकारी ने डीलरों को सूचित किया है कि किसानों को बीज एवं उर्वरक एमआरपी मूल्य पर ही बिक्री किया जाएं तथा बिक्री करने वालों को रसीद अवश्य दी जाए।

किसानों को लाइसेंस प्राप्त डीलरों से बीज और उर्वरक खरीदना चाहिए और रसीद प्राप्त करनी चाहिए। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि खुले तौर पर बेचे जाने वाले बीज न खरीदें और मंडल कृषि अधिकारी ने उनसे कहा है कि यदि कोई बाहरी व्यक्ति गांवों में बीज और उर्वरक बेचता है तो कृषि अधिकारियों को सूचित करें। उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

इस कार्यक्रम में स्थानीय एसआई श्रीकांत और कांस्टेबल गोविंद शामिल हुए।

विवेकानंद रॉक पर पीएम का ध्यान तीर्थयात्रियों के लिए बाधक : कांग्रेस

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए दावा किया कि कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल में उनके 45 घंटे के लंबे ध्यान के कारण हजारों तीर्थयात्रियों को दैनिक दर्शन करने में बहुत असुविधा हुई है।

शुक्रवार को जारी एक बयान में निरंजन ने मांग किया कि मोदी प्रभावित लोगों से माफी मांगें। उन्होंने सवाल किया कि स्मारक के आयोजक आगंतुकों की समस्याओं की अनदेखी करते हुए मोदी को विस्तारित ध्यान की अनुमति कैसे दे सकते हैं। श्री निरंजन ने कहा कि मोदी के ध्यान कार्यक्रम से अनजान कई तीर्थयात्री देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से कन्याकुमारी आए और स्मारक पर गए बिना ही लौट गए। उन्होंने दावा किया कि इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि मोदी जनता की जरूरतों और सुविधा की परवाह नहीं करते हैं, इसके बजाय अपने व्यक्तिगत एजेंडे को प्राथमिकता देते हैं।

आंध्र में दो अंतर-जिला कुख्यात चोर गिरफ्तार

एलुरु (आंध्र प्रदेश), 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस ने पश्चिम गोदावरी जिले के तनुकु के पास दो अंतर-जिला कुख्यात चोरों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 47 लाख रुपये के सोने और चांदी के गहने और दो बाइक बरामद कीं। उपनिरीक्षकों के. चंद्रशेखर और डी. आदिनारायण के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने तनुकू के निकट अजाराम रोड पर उन्हें गिरफ्तार किया।सर्किल इंस्पेक्टर जीवीवी नागेश्वर राव ने शुक्रवार को तनुकू ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मीडिया से कहा कि पुलिस टीम ने पंडिरी वेंकटरमण और नागरापु ईश्वरा राव को गिरफ्तार किया, जो पश्चिम गोदावरी, एलुरु और कोनासीमा जिलों में कई मामलों में शामिल थे।

प्रखर राष्ट्रभक्ति ही देश कि समस्याओं का एकमात्र समाधान है : भाडेसिया

किनवट, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देवगिरी प्रांत के तत्वावधान में किनवट तहसील के शिवबाबा माध्यमिक आश्रम स्कूल चिखली में 16 से 31 मई तक चले संघ शिक्षा प्रशिक्षण शिविर का शुक्रवार को विधिवत समापन हुआ। शिविर में मुख्य अतिथि हभप नारायण महाराज रहे जबकि मुख्य वक्ता के रुप मे गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र क्षेत्र संघचालक डॉ. जयंती भाई भाडेसिया शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन सत्र मे डॉ. जयंती भाई भाडेसिया ने कहा की प्रखर राष्ट्रभक्ति ही देश कि समस्याओं का एकमात्र समाधान है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 1925 से अपनी शाखा एवं कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र भाव का जागरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भारत सभी क्षेत्रों में अग्रेसर हो रहा है। कोराना समय भारत ने वैकसीन बनाए। चंद्रयान अभियान, धारा 370 हटना, श्रीराम मंदिर निर्माण का जिक्र कर कहा कि यह सभी नए शक्तिशाली भारत की पहचान है। आतंकवाद का खात्मा, पर्यावरण समस्या, कुटुंब व्यवस्था, स्वास्थ्य समस्या जैसी अनेक समस्याओं का समाधान भारतीय विचारों में मिलता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के अधूरे सपने को साकार करने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है। राजमाता अहिल्यादेवी होलकर जयंती को लेकर भी उनके जीवन कार्य पर प्रकाश डाला और हिंदुत्व स्वदेशी के साथ बौद्धिक मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि दिनचर्या भी एक विशेष प्रकार की होती है। प्रशिक्षणार्थी स्वयंसेवक भीषण गर्मी मे शारीरिक, सभी सुख सुविधाओं को त्याग कर और अपने प्रशिक्षण का शुल्क देकर सहर्ष ही अपना प्रशिक्षण पूरा करता है। शिविर मंओ प्रशिक्षण लेना एक प्रेरणात्मक बात है। हभप नारायण महाराज ने कहा आज लाखों स्वयंसेवको के माध्यम से संघ का कार्य जारी है। संघ कार्य से समाज को दिशा मिलती है। उन्होंने संघ कार्य को ईश्वरीय कार्य भी बताया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को बौद्धिक सत्र मे मूल्य संवर्धन, राष्ट्रीय सांस्कृतिक, सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई। समापन समारोह की शुरुआत स्वयंसेवकों द्वारा ध्वज प्रणाम के साथ की गई। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे स्वयंसेवकों ने घोष के साथ शाखा स्थल पर पथसंचलन किया। शिविर के प्रशिक्षण मे बडी संख्या से स्वयंसेवक शामिल रहे। समारोह में राजनीतिक, सामाजिक संगठनों के अलावा महिला, पुरुष काफी संख्या मे शहरवासी शामिल हुए।

इजरायल द्वारा फिलिस्तीनियों के नरसंहार के खिलाफ वामपंथी दलों ने शनिवार को आरटीसी एक्स रोड पर विरोध प्रदर्शन किया।

मेजर जनरल हर्ष छिब्बर ने कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट के कमांडेंट का पदभार किया ग्रहण

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेजर जनरल हर्ष छिब्बर ने शुक्रवार को रियर एडमिरल संजय दत्त से सिकंदराबाद स्थित कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सीडीएम) के कमांडेंट का पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र मेजर जनरल छिब्बर को दिसंबर 1988 में सैन्य सेवा कोर में कमीशन दिया गया था। रक्षा विभाग की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि मेजर जनरल छिब्बर ने शुक्रवार को सीडीएम के कमांडेंट के तौर पर कमान संभाली।

अपनी सेवा के दौरान मेजर जनरल छिब्बर ने लगातार असाधारण शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन किया है। उनके पास पब्लिक पॉलिसी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) के साथ-साथ बिजनेस मैनेजमेंट और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में दो एम.फिल डिग्री हैं। उन्होंने तकनीकी स्टाफ अधिकारी पाठ्यक्रम (टीएसओसी), उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (एचडीएमसी) और लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) का पाठ्यक्रम भी पूरा किया है, जिससे पेशेवर विकास के प्रति उनका समर्पण और भी स्पष्ट होता है।

मेजर जनरल छिब्बर का सैन्य अनुभव बहुत बड़ा है और इसमें पूर्वी, उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में पैरा एएससी कंपनी, एक एएससी बटालियन और एएससी प्रशिक्षण केंद्र की कमान सहित कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। वह पूर्वी क्षेत्र में ब्रिगेडियर जनरल स्टाफ (सूचना प्रणाली) और उत्तरी क्षेत्र में मेजर जनरल (ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स) भी रह चुके हैं। मेजर जनरल छिब्बर ने आर्मी सर्विस कोर सेंटर एंड कॉलेज में प्रशिक्षक के रूप में और कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट में वित्तीय प्रबंधन विभाग के निदेशक कार्मिक तथा प्रमुख के रूप में भी काम किया है। उनके द्वारा विकसित एवं कार्यान्वित किए गए सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन बड़ी संख्या में कई इकाइयों में उपयोग किये जा रहे हैं।

अपनी शैक्षणिक और सैन्य उपलब्धियों से परे, जनरल ऑफिसर एक उत्साही साहसी व्यक्ति हैं। एक कुशल स्काईडाइवर, पर्वतारोही और कार रैली चालक, वह साहस और दृढ़ संकल्प की भावना का उदाहरण हैं, जो भारतीय सेना को परिभाषित करती है। गणतंत्र दिवस 2022 पर प्रतिष्ठित विशिष्ट सेवा मेडल (वीएसएम), चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन कार्ड और जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ कमेंडेशन कार्ड (दो बार) सहित कई पुरस्कारों के माध्यम से उनकी विशिष्ट सेवा को मान्यता दी गयी है। वह रक्षा प्रबंधन कॉलेज के कमांडेंट के रूप में अपने विशाल अनुभव और नेतृत्व गुण से सैन्य नेतृत्वकर्ताओं की भावी पीढ़ियों का कुशल मार्गदर्शन करेंगे।

जम्मू हादसा: अंडमान एक्सप्रेस ट्रेन से 11 शव लाए गए मथुरा जंक्शन

घरों में मची चीख पुकार

मथुरा, 01 जून (एजेंसियां)। तीर्थनगरी मथुरा से करीब 20 लोग वैष्णों देवी की यात्रा के लिए जम्मू गए थे। इनकी बस दो दिन पहले गुरुवार की दोपहर 12 बजे पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर अखनूर के टूंगी मोड़ पहुंची। यहां से जम्मू से शिवखौड़ी धाम जाते समय हादसा हो गया। बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई गंभीर रूप से घायल हैं।

शनिवार को 11 शव अंडमान एक्सप्रेस ट्रेन से मथुरा जंक्शन पहुंचे। यहां से संबंधित गांव ले जाए गए। खबर मिली तो मृतकों के घरों में लोगों का जमावड़ा हो गया। घरवालों का रो रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे।

जम्मू के अखनूर हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है। शनिवार शाम ट्रेन संख्या 16032 अंडमान एक्सप्रेस से 11 लोगों के शव शाम 6 बजकर 3 मिनट पर जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर आठ पर पहुंचे। सभी शवों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एंबुलेंस में रखवाया गया। फिर उन्हें अधिकारियों की निगरानी में गंतव्य के

लिए रवाना कर दिया गया।

अंडमान एक्सप्रेस से अलीगढ़ के नाया निवासी लक्ष्मण प्रसाद, अनामिका, रुद्र, नैना, सीमा देवी, समरजीत, अंजली, संजय, तनुज, सुरेश सिंह और सुनीता देवी के शव लाए गए। पुलिस अधिकारियों ने एक एक कर सभी शवों को नीचे उतरवाया।

इस दौरान जंक्शन पर रेल यात्रियों की भीड़ जुट गई। एक के बाद एक 11 शव देखकर लोगों की आंखें नम हो गई। अलीगढ़ से आए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी शवों को अपने साथ लेकर रवाना हुए।

जम्मू हादसे में नाया अलीगढ़ निवासी अंजली की मौत हुई है। अंजली ने नगला बरी जाबरा मांट निवासी भानु प्रकाश से पहली पत्नी के रहते हुए दूसरी शादी की थी। अंजली का 10 साल का बेटा है। जो इन दिनों ननिहाल में हैं। भानु प्रकाश ने बताया कि अंजली 22 मई को अपने मायके नाया अलीगढ़ गई थी। बेटा यश भी उसके साथ गया था।

वहां से अंजली अपने ताऊ सुरेश और तैयेरे भाई संजय के साथ उसे बिना बताए वैष्णो देवी के दर्शन करने चली गई। बेटे यश को ननिहाल में छोड़ गई। उन्हें बहन प्रेमवती ने मेरठ से फोन कर हादसे की जानकारी दी। भानु प्रकाश, अंजली के शव को अपने साथ ले जाना चाहते थे लेकिन अंजली के भाई गजेंद्र ने इस बात का विरोध किया। मामला उलझते देख अधिकारियों ने अंजली के शव को गजेंद्र के साथ अलीगढ़ के लिए रवाना कर दिया।

बताया जा रहा है कि अंजली ने जब वैष्णो देवी घूमने जाने की बात की। उसका बेटा यश भी मां के साथ जाने की जिद करने लगा लेकिन अंजली उसे अपने साथ नहीं ले गई। यश घर पर ही नानी के पास रह गया। जबकि मां उसे अकेले छोड़कर चली गई।

बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार हुए सभी लोग अलीगढ़ और हाथरस के रहने वाले हैं।

अधिकांश लोग आपस में एक दूसरे के परिचित हैं। सभी एक साथ बस से सफर करने के लिए निकले थे लेकिन इनमें से 22 लोगों का ये सफर आखिरी सफर साबित हुआ। इस हादसे की याद आते ही घायल सिहर उठते हैं। उन्हें यकीन नहीं हो रहा है कि वो मौत के मुंह से बाहर निकल आए हैं।

जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह ने कहा कि सभी शवों और घायलों को पुलिस की निगरानी में गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया है। हादसा बहुत दुखद है।

यूपी में बदला मौसम : पारे में आई पांच डिग्री की गिरावट

घट गया लू का दायरा, झांसी रहा प्रदेश में सबसे गर्म

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियां)। प्रदेश में रिकार्ड तोड़ गर्मी कुछ शांत होने लगी है। शनिवार को लू का दायरा सिमटा और लगातार चढ़ रहे पारे की रफ्तार थमी। प्रदेश के अधिकतम तापमान में पांच डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। पारे के उतार-चढ़ाव के बीच झांसी में दिन का तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस, कानपुर में 45.4 डिग्री और उरई में 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार की तुलना में तीनों ही शहरों का पारा लुढ़का है। शुक्रवार को झांसी का तापमान 47.6, कानपुर का 48.2 और उरई का 46.8 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं प्रयागराज में तो तापमान 5 डिग्री से अधिक गिरा। शुक्रवार के 46.8 डिग्री की तुलना में यहां पर तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। लखनऊ में भी पारा 45.2 डिग्री से लुढ़कर 42.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम

वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, मंगलवार तक मौसम ऐसा ही रहेगा। क्रमिक कमी का सिलसिला जारी रह सकता है। मंगलवार को बाद फिर लू और भीषण गर्मी का दौर लौटेगा।

झांसी में रात का पारा 34. 8 डिग्री तक पहुंच चुका है। हालांकि शुक्रवार के 33.9 डिग्री की अपेक्षा इसमें मामूली बदलाव है, लेकिन रात गर्म बनी हुई है। वहीं बाराबंकी में पारा शुक्रवार के 26 डिग्री की अपेक्षा 27 डिग्री हो गया। जबकि हरदोई, फतेहगढ़, फुरसतगंज, वाराणसी, सुल्तानपुर व अन्य शहरों में रात का तापमान 29 और 30 के पार बना हुआ है।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, रविवार को बूंदाबांदी के आसार हैं। कहीं-कहीं बौछारें पड़ सकती हैं। धूल भरी हवा, बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। मंगलवार तक मौसम कुछ राहत देने वाला रहेगा, इसके बाद फिर गर्मी बढ़ेगी।

लोकतंत्र के उत्सव में हिस्सा लेने सात समंदर पार से काशी आए मतदाता

लोगों में दिखा उत्साह

वाराणसी, 01 जून (एजेंसियां)। लोकतंत्र की भागीदारी के लिए मतदाताओं का उल्लास ऐसा कि सात समंदर पार से खिंचे चले आए। वयोवृद्ध, नौकरीपेशा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं ने स्वस्थ लोकतंत्र के लिए वोट किया। अमेरिका तो कोई पेरिस और पुणे, नई दिल्ली, मुंबई से कठिन सफर झेल पहुंचे।

अर्दली बाजार स्थित महावीर ग्रीन्स सोसायटी में रहने वाली कमला देवी (83) ने मत डाला। 15 दिन पहले ही वह अमेरिका

में रहने वाली अपनी बेटी के यहां से वाराणसी पहुंचीं। उधर, पेरिस से अवकाश लेकर आए बरेका परिसर निवासी अभ्युदय चतुर्वेदी ने परिवार संग वोट किया।

पुणे में नौकरी करने वाले अखिलेश श्रीवास्तव भी एक दिन पूर्व काशी पहुंचे और लोकतंत्र के इस उत्सव में हिस्सा लिया। अर्दली बाजार स्थित महावीर ग्रीन्स सोसायटी में रहने वाले अखिलेश ने कहा कि मतदान कभी नहीं छूटा है। देश में कहीं भी रहता हूं, लेकिन वोट डालने काशी जरूर पहुंचता हूं।

बेटे ने पिता को दी दर्दनाक मौत : खाने में नींद की गोली डालकर सोते में कुल्हाड़ी से किए थे कई वार, गिरफ्तार

इटावा, 01 जून (एजेंसियां)। जसवंतनगर कस्बा के रेल मंडी मोहल्ला निवासी दर्शन सिंह (50) के घर से शुक्रवार दोपहर लगभग तीन बजे बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी गई थी।

जिसके बाद घर के अंदर से दर्शन सिंह का शव बरामद हुआ था। दर्शन सिंह के साले राजेश कुमार निवासी बरौली लखना थाना लवेदी की तहरीर पर पुत्र अमित राठौर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। जिसके बाद आरोपी अमित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि आरोपी ने अपने पिता

के खाने में नींद की सात गोली मिला दी थी।

दर्शन सिंह के सो जाने के बाद रात करीब 12 बजे कुल्हाड़ी से कई वार करके पिता की हत्या कर दी थी।आरोपी बेटे ने पिता की हत्या करके अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। घर के अंदर सामान को बिखेर कर वह लूटपाट के बाद हत्या की घटना दिखाना चाह रहा था। लेकिन आरोपी को छत से कूदकर भागते समय मोहल्ले की वृद्ध महिला ने देख लिया था। जिसकी मदद से घटना का खुलासा किया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पिता उसकी पत्नी पर गंदी नजर रखते थे। इसके अलावा आगरा में स्थित एक प्लॉट था, जिसको बेचकर आरोपी बेटा अलग रहना चाहता था। प्लॉट नहीं बेचने पर पिता से मनमुटाव बना रहता था। कार्रवाई के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। घटना में इस्तेमाल कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है।

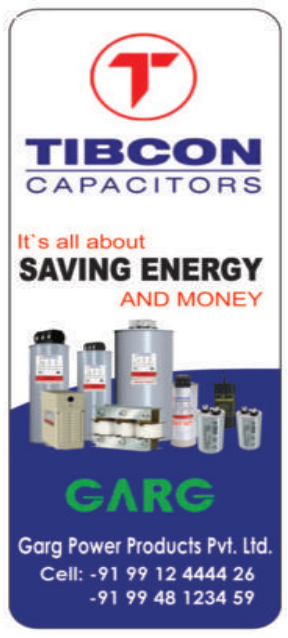

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,320/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,870/-
(प्रति किलोग्राम)

फर्जी जाति प्रमाणपत्र के आधार पर बीएचयू के पंचकर्म विभाग में मिली नौकरी, कुलपति से की शिकायत

वाराणसी, 01 जून (एजेंसियां)। बीएचयू के पंचकर्म विभाग में नियुक्ति के लिए फर्जी जाति प्रमाणपत्र का इस्तेमाल का मामला सामने आया है। पंचकर्म विभाग में नियुक्त प्रोफेसर ने ना सिर्फ नियुक्ति बल्कि बीएमएस में दाखिले के लिए भी इसका इस्तेमाल किया है। इसकी शिकायत बीएचयू के कुलपति और आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य से की गई है।

बीएचयू के आयुर्वेद संकाय के पंचकर्म विभाग में कार्यरत प्रो. जयप्रकाश सिंह ने नियुक्ति और दाखिले में फर्जी जाति प्रमाण पत्र का इस्तेमाल किया है। इसका खुलासा आरटीआई के तहत मांगी गई सूचना में हुआ है। जनसूचना अधिकारी ने अपने पत्र में कहा है कि प्रो. जयप्रकाश सिंह का जाति प्रमाणपत्र तहसील से जारी नहीं किया गया है। शिकायतकर्ता गौतम घोष ने कुलपति को लिखे गए शिकायती पत्र में कहा है कि बीएचयू के आयुर्वेद संकाय के पंचकर्म विभाग में कार्यरत प्रो. जयप्रकाश सिंह ने आरक्षण का लाभ लेने के लिए जिस जाति प्रमाणपत्र का उपयोग किया है वह फर्जी है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि जिस जाति प्रमाणपत्र को आधिकारिक दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया गया है, उसकी जांच कराई जाए। वहीं प्रो. जयप्रकाश सिंह का कहना है सारे आरोप निराधार हैं। उन्होंने कोई फर्जी दस्तावेज नहीं इस्तेमाल किया है।

राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य से भी इस मामले की शिकायत की गई है। इसके अनुसार प्रो. जयप्रकाश सिंह ने 1998 में राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में सन 1998 में बीएमएस कोर्स में दाखिले के लिए इसी जाति प्रमाणपत्र का सहारा लिया था। राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शशि सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आने पर जांच की जाएगी।

प्रो. जयप्रकाश सिंह ने जो जाति प्रमाणपत्र लगाया है वह 22 जनवरी 1997 को जमानिया तहसील से जारी किया गया है। इसमें तहसीलदार की मुहर और दस्तखत भी है। शिकायतकर्ता गौतम घोष ने एक मार्च 2024 को तहसीलदार एवं जनसूचना अधिकारी जमानिया को आरटीआई के तहत जाति प्रमाणपत्र के संदर्भ में जानकारी मांगी थी। जवाब नहीं मिलने पर प्रथम अपीलीय जनसूचना अधिकारी से प्रथम अपील की थी। इसके बाद उनको जानकारी दी गई कि जाति प्रमाणपत्र फर्जी है।

मुंबई एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी का मामला

ऑनलाइन गेमिंग में मिला था टास्क, आरोपी गेम-रील देखने में रहता था बिजी

आगरा, 01 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला सोहल्ला का रहने वाला अरविंद राजपूत इंटरमीडिएट पास है। शादी हो चुकी है। वर्तमान में बड़े भाई मनोज के साथ परचून की दुकान चला रहा है। वह अपना ज्यादातर समय मोबाइल में रील देखने और ऑनलाइन गेमिंग में बिताता है। मुंबई पुलिस के उसके घर में दबिश देने पर परिजन को अरविंद की हरकत की भनक लगी। परिजन कह रहे हैं कि आनलाइन गेमिंग में मिले टास्क को पूरा करने के लिए उसने धमकी भरा संदेश भेज दिया।

सोहल्ला में रेलवे फाटक के सामने ही अरविंद का दोमंजिला मकान है। भूतल पर परचून, हलवाई और चाय की दुकान है। पहली मंजिल पर परिवार रहता है। अरविंद के बड़े भाई पवन ने बताया कि बृहस्पतिवार को पुलिस आई, तब अरविंद दुकान पर ही बैठा था। उसे पकड़ लिया। मोबाइल भी जब्त कर लिया। उसे थाना सदर ले गए। परिजन भी थाने पहुंचे। पता चला कि उसे मुंबई एयरपोर्ट उड़ाने की धमकी देने के मामले में पकड़ा है।

आरोपी अरविंद के पिता सांवलदास की 19 साल पहले मौत हो गई थी। घर में बड़े भाई पुरुषोत्तम दिव्यांग हैं। वह हलवाई का काम करते हैं। उनसे छोटे मनोज की परचून की दुकान है। पवन अलीगढ़ में प्राइवेट नौकरी करते हैं। तीन बहनों की शादी हो चुकी है। सवा साल पहले अरविंद की शादी हुई थी।

अरविंद दुकान पर बैठने के दौरान हर समय मोबाइल पर ऑनलाइन गेम खेलता रहता था। इसके अलावा इंस्टाग्राम रील को देखता रहता था। उसे देखकर कभी नहीं लगा कि वह किसी को धमकी दे सकता है। कई बार दुकान पर आने वाले ग्राहक उसे टोका करते थे। इस कारण घरवाले डांट भी लगाते थे। मगर, वह नहीं मानता था। पुलिस की जांच में उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है।

इससे पहले घर पर कभी पुलिस नहीं आई थी। एक सप्ताह पहले ही नया मोबाइल लेकर आया था। तब पूछने पर मोहल्ले के एक युवक का नाम लिया था। बताया कि एक हजार रुपये में युवक उसे मोबाइल देकर गया है। तब से वो उसे ही चला रहा था। परिजन को आशंका है कि अरविंद को आनलाइन गेमिंग के दौरान धमकी का टास्क मिला होगा। उसे यह नहीं पता था कि वह क्या कर रहा है। इस वजह से ही वो धमकी दे बैठा।

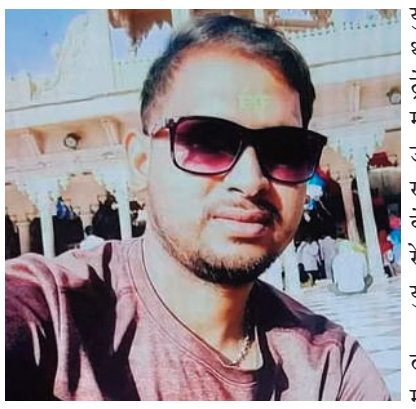

मोहल्ले के लोगों में होती रही चर्चा

अरविंद की गिरफ्तारी के बाद मोहल्ले के लोग भी चर्चा करते रहे। कुछ लोग कह रहे थे कि वह आसपास के लोगों से बोलता नहीं है। फिर भी उसके पास अंजान युवकों का आना-जाना लगा रहता है। किसी को धमकी दे सकता है यह किसी ने नहीं सोचा था। हाथरस के युवक का मोबाइल रेलवे स्टेशन पर गुम हुआ था। इसके बाद ही वह सोहल्ला के युवक ने ही अरविंद को बेचा था। इससे आशंका है कि ट्रेनों में सक्रिय चोर गैंग ने मोबाइल चोरी किया होगा। उस मोबाइल को अरविंद ने खरीद लिया। सोहल्ला इलाके के लोगों का कहना था कि रेलवे लाइन के किनारे कई युवक खड़े रहते हैं।

ट्रेनों के गुजरने के दौरान दरवाजे के पास खड़े होकर मोबाइल से बात करने वाले यात्रियों को निशाना बना लेते हैं। मोबाइल छीनकर फरार हो जाते हैं। जिस युवक से मोबाइल अरविंद ने लिया था, वह युवक भी कई बार मोबाइल चोरी के मामले में जेल जा चुका है। थाना सदर पुलिस युवक के बारे में जानकारी जुटा रही है।

गर्मी लगने से हेड कांस्टेबल की तबीयत बिगड़ी, इलाज के दौरान मौत

कानपुर, 01 जून (एजेंसियां)। कानपुर में बादशाहीनाका थाने में तैनात हेड कांस्टेबल की गर्मी के चलते तबीयत खराब हो गई। साथी सिपाहियों ने उन्हें पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मूलरूप से मिर्जापुर के विंध्याचल आदमपुर निवासी हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार यादव (55) दो साले से बादशाहीनाका थाने में चालक के पद पर तैनात थे। परिवार में पत्नी चमेला देवी के अलावा दो बेटे संजय यादव व सत्यम यादव हैं।

थानाप्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि शुक्रवार देर शाम कृष्ण कुमार की अचानक तबीयत खराब हो गई। साथी पुलिस कर्मियों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां उनकी मौत हो गई। कृष्ण कुमार वर्ष 1988 में कांस्टेबल के पद पर भर्ती हुए थे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी पार्टी के लिए नाकाफी साबित हो रहे

हैदराबाद, 01 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह भाजपा आला कमान के शीर्ष नेताओं ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में धुआंधार चुनाव प्रचार किया था उसे देखते हुए राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा काफी जोर पकड़ चुकी थी कि भाजपा इस बार राज्य में बम्पर सीटों पर भगवा परचम लहराएगी। इतना ही नहीं भाजपा के दिग्गज नेताओं के प्रचार और रणनीति को देखते हुए विपक्षी दलों को भी यह लग रहा था कि भाजपा इस लोकसभा चुनाव में उन्हें पटकनी दे सकती है। इसके बावजूद जब शनिवार शाम को सातवें और अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के बाद जिस तरह से एग्जिट पोल्स आने शुरू हुए उन्हें देखकर लोगों को खासा झटका लगा। कारण एग्जिट पोल्स में भाजपा को अपेक्षाकृत कम सीटें मिलना दर्शाई जा रही हैं।

एग्जिट पोल्स के इन अनुमानों के देखकर भाजपाई कुनबे में मायूसी भी फैल गई। एग्जिट पोल्स के इन अनुमानों के देखते हुए राजनीतिक विश्लेषकों की निगाहें सीधे तौर पर केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना के भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी की तरफ उठने लगीं। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों ने अपना नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि एग्जिट पोल्स के अनुसार भाजपा को जितनी सीटें मिलना दर्शाई जा रही हैं वह

अपेक्षाकृत काफी कम हैं। उन्होंने ने इसके लिए सीधे तौर पर तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना है कि यह इस बात को प्रमाणित करता है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी का जादू प्रदेश के मतदाताओं पर नहीं चला और वोटर्स ने उन्हें सिरे से नकार दिया।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जिस तरह से ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं और रोड शो करके भाजपा के पक्ष में चुनावी माहौल बनाया था उसे भुनाने में किशन रेड्डी पूरी तरह से नाकाम रहे। इतना ही नहीं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जिस तरह से धुआंधार जन सभाएं और प्रबुद्ध जन सम्मेलनों के माध्यम से प्रवासियों को भाजपा के प्रति लामबंद किया था किशन रेड्डी उसका भी फायदा नहीं उठा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि किशन रेड्डी में शायद उस जादुई नेतृत्व कला का पूरी तरह अभाव है जिससे वह लोगों को अपने साथ जोड़ सकें। उदहारण के तौर पर उनका कहना है वह किशन रेड्डी विधायक के रूप में तीन बार अंबरपेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के बावजूद भाजपा विधायक प्रत्याशी कृष्णा यादव को बीआरएस प्रत्याशी कालेरू वेंकटेश से हार का सामना करना पड़ा। कृष्णा यादव को बीआरएस प्रत्याशी ने लगभग 25,000 वोटों से हराया। इससे पहले बीआरएस प्रत्याशी कालेरु ने जी. किशन रेड्डी को 1100 वोटों से पराजित किया था और हाल के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 25 हजार वोटों से जीत दर्ज की।

इतना ही नहीं गत विधानसभा चुनाव में सिकंदराबाद लोकसभा के अंतर्गत आने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों में से एक भी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को जीत हासिल नहीं हुई। किशन रेड्डी ने 2018 में विधानसभा चुनाव हारने के बाद 2019 में सिकंदराबाद संसदीय सीट से चुनाव जीता और केंद्रीय मंत्री बनाए गए।

किशन रेड्डी के अध्यक्ष कार्यकाल में भाजपा को कोई लाभ नहीं मिला। कई लोग पहले से ही टिप्पणी कर रहे हैं कि यदि किशन रेड्डी जीतते हैं, तो वह दिल्ली तक ही सीमित रहेंगे और एक पर्यटक के रूप में आने और जाने के अलावा उनके पास सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र या तेलंगाना राज्य के विकास के लिए कुछ भी करने को नहीं होगा। किशन रेड्डी केवल पीएम मोदी के भरोसे अपनी नैय्या पार लागने की जुगत में हैं। किशन रेड्डी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद वह कई प्रकार के प्रवचन देते रहे कि तेलंगाना में उनकी सरकार बनेगी, लेकिन केवल 8 सीटों पर भाजपा को संतुष्ट होना पड़ा। विधानसभा में जीती गई 8 सीटों में से 7 सीटें सिकंदराबाद-हैदराबाद के बाहर की हैं। हैदराबाद में भाजपा केवल एक सीट जीत सकी है। इससे लगता है कि उनकी पकड़ पार्टी कैडर पर कमजोर हो गई। इससे पूर्व भाजपा आला कमान ने उन्हें केंद्रीय मंत्री रहते हुए तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया था ताकि तेलंगाना में पार्टी मजबूत हो सके। लेकिन उनका प्रभाव राज्य में नहीं चला। लोकसभा चुनाव के प्रचार में भी जी. किशन रेड्डी ने हाई कमान को भरोसा दिलाया था कि तेलंगाना से लगभग 12 से 14 सीटों पर पार्टी जीत दर्ज करेगी। लेकिन ऐसा लगता है कि उनका यह सपना पूरा नहीं होगा। क्योंकि लोकसभा चुनाव में वह अपने संसदीय क्षेत्र को ही अधिक समय नहीं दे पाए जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में खासी निराशा है।

जागो इंडिया जागो फाउंडेशन ट्रस्ट ने नामपल्ली के पब्लिक गार्डन में वर्क फॉर हेल्थ कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि टीपीसीसी सचिव मणिलाल शाह ने विजेताओं को 10-10 हजार रुपए के 5 पुरस्कार और 5 उपहार दिए। इस अवसर पर जावेद शरीफ, मेहदी अली खान, आपा नेता पी सुधाकर, पूर्व डीसीपी हरि हर सिंह, ताज, मुनीर और एम शाम मौजूद रहे।

तेलंगाना में अगले 24 घंटे में भारी बारिश होने के आसार

हैदराबाद, 01 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में कई जिलों के अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने शनिवार को बताया कि खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, महबूबनगर, नागरकुरनूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर रविवार को भारी बारिश होने का अनुमान है।राज्य के निजामाबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, सिद्दीपेट, यादाद्री भुवनगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी और महबूबनगर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर चार जून को 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ-साथ भारी बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।अगले पांच दिनों के दौरान तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर बिजली 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ-साथ भारी बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। अगले सात दिनों के दौरान राज्य में कुछ स्थानों या कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। तेलंगाना में एक या दो स्थानों पर पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश हुई। खम्मम में शुक्रवार को सबसे अधिक 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

लॉरी से टकराने के बाद कार पलटने से चार की मौत

जोगुलाम्बा गडवाल
(तेलंगाना), 01 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के जोगुलाम्बा गडवाल जिले में एर्रावल्ली चौराहे के पास एक पेट्रोल स्टेशन पर शुक्रवार को लॉरी के पिछले हिस्से से कार के टकराने के बाद उसमें सवार दो महिलाओं और एक बच्चे सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक, कार में सवार लोग आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले के अल्लागड्डा से हैदराबाद जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। घायलों को इलाज के लिए गडवाल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटना भीषण होने के कारण कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

आपका अपना ट्रस्ट
अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट
आत्म गौरव भवन

निर्माण कार्य के एक वर्ष पूर्ण होने पर सभी ट्रस्टियों,
दानदाताओं, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों
को शुभकामनाएँ एवं हार्दिक आभार ....

इस शुभ अवसर पर
रविवार दि.2-6-2024
प्रातः 10:31 बजे से

निमंत्रण

श्री सत्यनारायण कथा (डंके पर)

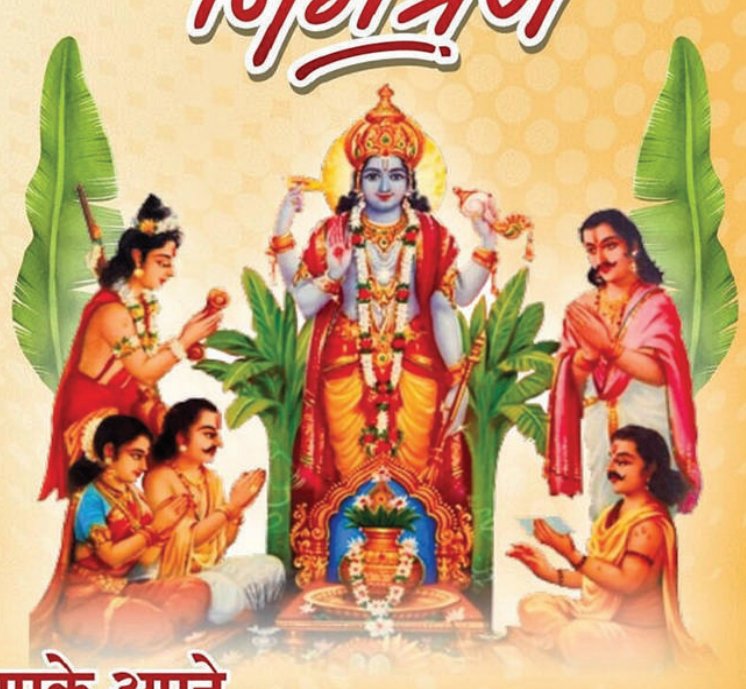

का आयोजन आपके अपने
आत्म गौरव भवन निर्माण स्थल, उप्पल पर रखा गया है।
इस शुभ अवसर पर आप सभी सहपरिवार इष्ट-मित्रों सहित पधारकर पूजा एवं प्रसाद ग्रहण करें।
निवेदक - समस्त ट्रस्टी - अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन

HIGHLIGHTS OF THE PROJECT

A - BLOCK
70 Double Bed Rooms
(Ground + 5 Floors)

B - BLOCK
Lobby + 4 Seminar Halls
of 12000 Sq.ft each Ground + 4 Floors

C - BLOCK
Convention Hall 27000 Sq.Ft
Lobby 6000 Sq.Ft

D - BLOCK
Maharaja Agrasenji Temple,
Goddess Lakshmi Matha Temple

KITCHEN
PARKING AREA
125000 Sq.ft

Totally Centralized
Air Conditioning
& Generator Backup

हम सभी अग्रवाल परिवारों से विनम्रतापूर्वक निवेदन करते हैं कि अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित योजना
'अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन' से जुडे एवं तन-मन-धन से सहयोग दें।

SUGNA PREMIUM STEEL
Symbol of Strength
An ISO 9001:2015 Co.

BEST WISHES FROM
BHARAT KUMAR SONTHALIA
SUGNA METALS LIMITED

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.